एक राज्य - एक अखबार

शुभम संदेश

आम बजट 2024-25

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित | रांची, बुधवार 24 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 03 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 106 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

नौकरी वालों की मौज

- रोजगार सृजन, छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन पर जोर
- किसानों को तोहफा, युवाओं के लिए रोजगार
- मध्यम वर्ग को कर में मामूली राहत

नई कर प्रणाली में बदलाव

17.5 हजार तक की होगी बचत

पहले	अब	टैक्स की दर
3 लाख	3 लाख	00
3 से 6 लाख	3 से 7 लाख	5%
6 से 9 लाख	7 से 10 लाख	10%
9 से 12 लाख	10 से 12 लाख	15%
12 से 15 लाख	12 से 15 लाख	20%
15 लाख से ऊपर	15 लाख से ऊपर	30%

64 हजार महीने तक की कमाई टैक्स के दायरे में नहीं

क्या सस्ता-क्या महंगा

ये चीजें होंगी सस्ती

चमड़े के जूते, कपड़े, सोना-चांदी, तांबा, लोहा-स्टील, मोबाइल फोन, मोबाइल चार्जर, इलेक्ट्रिक व्हीकल, कैंसर दवा, प्लेटिनम, बिजली के तार, एक्सरे मशीन, समुद्री भोजन, क्रूज यात्रा,फुटवियर और सोलर सेट्स.

इनके बढ़ेंगे दाम

सिगरेट, हवाई जहाज से यात्रा, प्लास्टिक का सामान, दूरसंचार उपकरण और पेट्रोकेमिकल.

मोदी 3.0 का पहला आम बजट

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को पेश आम बजट में आयकर मोर्चे पर मध्यम वर्ग एवं नौकरीपेशा लोगों को राहत देने और अगले पांच साल में रोजगार सृजन के लिए दो लाख करोड़ रुपए के आवंटन की घोषणा की. इसके साथ ही उन्होंने सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल सहयोगी दलों के शासन वाले राज्यों- बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए कई परियोजनाओं का भी ऐलान किया. भाजपा को लोकसभा चुनाव में अपने दम पर बहुमत नहीं मिलने के लिए ग्रामीण असंतोष और बेरोजगारी को जिम्मेदार माना गया है. सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया. वहीं आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए बजट में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है. यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.4 प्रतिशत है. सीतारमण ने अपना सातवां और नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश करते हुए स्टार्टअप में सभी श्रेणी के निवेशकों के लिए 'एंजल कर' समाप्त करने की घोषणा की. जब कोई गैर-सूचीबद्ध या स्टार्टअप कंपनी शेयर जारी कर पूंजी जुटाती है और उसका मूल्य कंपनी के उपयुक्त बाजार मूल्य से अधिक होता है, तब उस पर 'एंजल कर' लगाया जाता है. बजट में मोबाइल फोन एवं सोने पर सीमा शुल्क में कटौती की गई है और पूंजीगत लाभ कर को सरल बनाया गया है.

आम बजट 2024-25

बजट एक नजर में

चुनाव परिणामों से नसीहत

कंपनियां रोजगार दें, वेतन व ईपीएफ का कुछ खर्च सरकार उठाएगी. कोरोना के दौरान ऐसी स्कीम का प्रयोग हुआ था, सफलता सीमित रही थी.

रोजगार के लिए तीन स्कीम

फॉर्मल सेक्टर में उद्योगों को रोजगार देने पर प्रोत्साहन. पहली बार नौकरी पाने वालों के वेतन के कुछ हिस्से का बोझ सरकार उठाएगी. नई नौकरी वालों को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर भी मिलेगा. अतरिक्त रोजगार देने वाले उद्योगों के कर्मचारियों का ईपीएफ सरकार देगी.

गठबंधन का दबाव

गठबंधन के भागीदार वाले राज्यों बिहार व आंध्रप्रदेश को करीब 50,000 करोड़ रुपए की सीधी मदद. अन्य स्कीमों में आवंटन अलग से. बिहार को पैकेज नहीं मगर सडक पुल हाइवे, बुनियादी के लिए 26000 करोड़, बिहार को बाढ़ प्रबंधन के लिए 1500 करोड़ और मिलेंगे. बिहार में मंदिरों के विकास के बजट लिए करीब 37000 करोड़ रुपए की सीधी घोषणा. आंध्र प्रदेश को इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए 15000 करोड, इंडस्ट्रियल कॉरीडोर और पिछड़े इलाकों के अलग से मदद.

एनपीए बढ़ने का डर

मुद्रा लोन की सीमा दस लाख से बढा कर 20 लाख कर दी गई है. इससे बैंकों का एनपीए बढ़ने का डर है.

गांवों में निवेश

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का चौथ चरण आएगा. इससे गावों में निवेश बढ़ने की संभावना है.

इनकम टैक्स

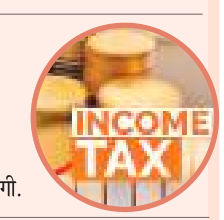

नई इनकम टैक्स रिजीम में दो रियायतें दी गई है. स्टैंडर्ड डिडक्शन 50,000 से बढ़ाकर 75,000 कर दिया गया है. आम करदाताओं को 17500 की रियायत मिलेगी.

कैपिटल गेन्स

लांग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स की सीमा 10 से 12 लाख कर दिया गया है. लेकिन टैक्स की दर 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 12.5 प्रतिशत कर दिया गया है. इसके साथ ही कुछ निवेशों पर शॉर्ट टर्म टैक्स 20 प्रतिशत किया गया है.

₹2553930000000

रेलवे के लिए सरकार ने खोल दिया खजाना, अब तक का सबसे बड़ा बजट

- रेलवे के लिए अब तक का सबसे बड़ा बजट आवंट
- सरकार ने विकास के लिए 2.55 लाख करोड़ रुपये दिए
- चालू वित्त वर्ष में 2500 जनरल कोच के निर्माण का लक्ष्य

- वित्त मंत्री ने किया 12 इंडस्ट्रियल पार्क का ऐलान

2.66 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान ग्रामीण विकास के लिए

झारखंड की झोली में क्या आया

निर्मला सीतामरण ने बजट पेश करते हुए नॉर्थ ईस्ट राज्यों के विकास के लिए पूर्वोदय योजना की भी घोषणा की है. इसका सीधा लाभ झारखंड और यहां के आदिवासियों को मिलेगा. निर्मला सीतारमण के बजट में झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्वोदय योजना की घोषणा की गयी है. झारखंड समेत इन सभी राज्यों का विशेष राज्य की तरह विकास किया जाएगा. यह योजना आदिवासी-बहुल गांवों और आकांक्षी जिलों में आदिवासी परिवारों के लिए संतृप्ति कवरेज को अपनाएगी. इससे 63,000 गांवों को कवर किया जाएगा.

रेल परियोजनाओं को मिला विस्तार : राज्य की पुरानी रेल परियोजनाओं के विस्तार का ऐलान हुआ है. इसके तहत कई किमी रेल लाइन के विस्तार का प्लान है. झारखंड में 1000 करोड़ से गोइलकेरा -मनोहरपुर थर्ड लाइन का 40 किमी होगा. 250 करोड़ रुपए से बंदमुंडा रांची रेल लाइन का 58 किलोमीटर का विस्तार किया जाएगा. 9.50 करोड़ रुपए में रांची लोहरदगा टोरी का 113 किलोमीटर विस्तार किया जाएगा. साथ ही मुरी बरकाकाना 58 किलोमीटर रेल लाइन का दोहरीकरण किया जाएगा. राजखरसवा सिन्नी थर्ड लाइन के विस्तार का प्लान है. इसके अलावा और भी कई परियोजनाओं को विस्तार मिला है.

बिहार, आंध्र और मिडिल क्लास की बल्ले-बल्ले

2.1 करोड़ युवाओं के लिए बड़ा ऐलान

11 पॉइंट में 2024 का बजट

1. नई टैक्स रिजीम में बदलाव, 7.75 लाख रुपए तक की इनकम टैक्स फ्री
2. मोबाइल फोन और सोना-चांदी सस्ते होंगे, सरकार ने कस्टम ड्यूटी घटाई
3. एक करोड़ युवाओं के लिए इंटर्नशिप प्रोग्राम का ऐलान, टॉप 500 कंपनियों में इंटर्नशिप
4. मुद्रा लोन की लिमिट दोगुनी हुई, MSME को अब 10 लाख की जगह 20 लाख तक लोन
5. बिहार एयरपोर्ट, मेडिकल कॉलेज और स्पोर्ट इंफ्रा का प्रस्ताव भी इस बजट में रखा गया है
6. आंध्र प्रदेश के लिए 15,000 करोड़ का स्पेशल पैकेज, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर भी बनेगा
7. पीएम सूर्योदय योजना के तहत एक करोड़ से अधिक घरों में 300 यूनिट सोलर बिजली फ्री दी जाएगी
8. एक करोड़ गरीब और मध्यम वर्ग परिवारों के लिए घर बनेंगे
9. लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन की छूट 1 लाख से बढ़ाकर 1.25 लाख की गई है
10. पीएम जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान, 5 करोड़ आदिवासियों को फायदा मिलेगा
11. ई-कॉमर्स ट्रेडर्स पर लगने वाले टैक्स को 1% घटाकर 0.10% किया गया है

पहली नौकरी मिलने पर सीधे खाते में आएंगे 15 हजार

पहली बार जॉब करने वालों के लिए स्कीम A: EPFO में पहली बार रजिस्टर होने वाले एम्प्लॉइज को एक महीने की सैलरी के बराबर राशि (15,000 रुपए से ज्यादा नहीं), तीन किस्तों में ट्रांसफर होगी। इससे 2 करोड़ 10 लाख युवाओं को फायदा मिलने की संभावना है.

मैन्युफैक्चरिंग में जॉब क्रिएशन के लिए स्कीम B: एम्प्लॉयमेंट के पहले 4 साल में एम्प्लॉई और एम्प्लायर दोनों को उनके EPFO कॉन्ट्रीब्यूशन के अनुसार इंसेंटिव मिलेगा. इस योजना से 30 लाख युवाओं को फायदा मिलने की संभावना है.

एम्प्लॉयर्स के लिए स्कीम C: सरकार हर एक एडिशनल एम्प्लॉई के लिए ईपीएफओ योगदान के लिए एम्प्लॉयर्स को दो साल तक हर महीने 3,000 रुपए तक का रीइंबर्समेंट करेगी. इस योजना से 50 लाख लोगों को एडिशनल एम्प्लॉयमेंट मिलने की उम्मीद है.

मोदी 3.0 की नौ प्राथमिकताएं

1. कृषि में उत्पादकता और लचीलापन
2. रोजगार और कौशल
3. समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय
4. विनिर्माण और सेवाएं
5. शहरी विकास
6. ऊर्जा सुरक्षा
7. बुनियादी ढांचा
8. नवाचार, अनुसंधान और विकास
9. अगली पीढ़ी के सुधार

ले आउट
आदित्य सिंह

किस मद में कितनी राशि

रक्षा (1000 करोड़ कम)

23-24	4.55 लाख करोड़
24-25	4.54 लाख करोड़

खाद (25 हजार करोड़ कम)

23-24	1.89 लाख करोड़
24-25	1.64 लाख करोड़

फूड सब्सिडी (7000 करोड़ कम)

23-24	2.12 लाख करोड़
24-25	2.05 लाख करोड़

कृषि (8000 करोड़ बढ़ा)

23-24	1.43 लाख करोड़
24-25	1.51 लाख करोड़

फसल बीमा (500 करोड़ कम)

23-24	15.00 हजार करोड़
24-25	14.50 हजार करोड़

विदेश मंत्रालय (7 हजार करोड़ कम)

23-24	29 हजार करोड़
24-25	22 हजार करोड़

मुफ्त राशन स्कीम (एक हजार करोड़ कम)

23-24	2.12 लाख करोड़
24-25	1.02 लाख करोड़

पूर्वोत्तर भारत (कोई बदलाव नहीं)

23-24	5900 करोड़
24-25	5900 करोड़

युवाओं-मध्यम वर्ग को मिलेगी नई ताकतः मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी ने बजट देश को समृद्धि की ओर लेकर जाएगा. इसमें सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है. ये शक्ति देने वाला बजट है. ये किसानों-युवाओं को प्रगति की राह पर ले जाना वाला बजट है. ये युवाओं को अनगिनत मौके देने वाला बजट है. इस बजट से मिडिल क्लास को नई ताकत मिलेगी. ये जनजातीय समाज, दलित, पिछड़ों को सशक्त करने की योजनाओं के साथ आया है. इससे महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी. इस बजट से व्यापारियों, लघु उद्योगों को प्रगति का नया रास्ता मिलेगा.

विशेष आयोजन

पेज 5-6-7

हमारे न्याय पत्र का कॉपी-पेस्ट बजटः राहुल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, सरकार ने 'कुर्सी बचाओ' बजट पेश किया है. यह कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र और पिछले बजटों की नकल है. अपने मित्रों को खुश किया गया, 'एए' को लाभ दिया गया, लेकिन आम लोगों को कोई राहत नहीं दी गई. ये हमारे न्याय पत्र का 'कॉपी-पेस्ट' है. इस देश को आगे बढ़ाने के लिए कांग्रेस के पास ही विजन है. मोदी की तीसरी सरकार के खोखले वादे पहले की तरह निरर्थक साबित होंगे. बजट पूरी तरह दिशाहीन है. इसमें कई राज्यों के साथ अन्याय हुआ है.

पुलिस विभाग में उलट-फेर: डीजीपी के आदेश पर डीआईजी कार्मिक ने जारी किया आदेश, गई अफसर किए गए डिमोट

आउट ऑफ टर्न प्रमोशन पाकर एएसआई बने 12 अफसर फिर से बने सिपाही

सौरभ सिंह। रांची

आउट ऑफ टर्न प्रमोशन पाकर सब इंस्पेक्टर बने 12 पुलिस पदाधिकारी फिर से सिपाही बनाए गए हैं. हाईकोर्ट के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है. डीजीपी के आदेश पर डीआईजी कार्मिक ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है.

जिन्हें फिर से सिपाही बनाने का आदेश दिया गया है, उनमें धनंजय कुमार सिंह, सुखराम नाग, संजय कुमार शर्मा (वर्तमान बोकारो जिला बल), रामाकांत राय (वर्तमान में पलामू जिला बल) विशु उरांव, उपेंद्र कुमार राय (वर्तमान में सरायकेला जिला बल) ,मारवाड़ी उरांव, योध्या उरांव (वर्तमान में देवघर जिला बल), सलन पॉल केरकेट्टा (वर्तमान में धनबाद जिला बल), महेश्वर महतो (वर्तमान रामगढ़ जिलाबल), भूतनाथ सिंह मुंडा (वर्तमान में चाईबासा जिला बल), मो. अबरार (वर्तमान हजारीबाग जिलाबल) और इंस्पेक्टर अमरनाथ-2 (मृत) शामिल हैं.

बताया जा रहा है कि सिमडेगा जिला बल के तत्कालीन पुलिसकर्मी अरुण कुमार ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी. इसमें बताया गया था कि प्रमोशन के वक्त उन्हें दरकिनार कर दिया गया. प्रोन्नति समेत अन्य मामले को लेकर हाईकोर्ट में याचिका (एलपीए न. - 392/2019) दायर की थी. हाईकोर्ट ने 16 दिसंबर 2022 को पुलिसकर्मी के पक्ष में आदेश दिया. आदेश को लेकर अवमाननावाद (सिविल) (संख्या-471/2023) दायर किया गया. 16 जनवरी 2024 को हाईकोर्ट ने आदेश जारी किया. इसके बाद गृह विभाग ने कार्रवाई का निर्देश दिया. पुलिस मुख्यालय ने कार्रवाई करते हुए इनलोगों को सिपाही के पद पर डिमोट करने का आदेश जारी कर दिया.

2008 में दिया गया था इन्हें प्रमोशन

सिमडेगा के बांसजोर ओपी पर दो जनवरी 2008 की रात उग्रवादियों ने हमला कर दिया था. इस हमले में पुलिसकर्मियों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए उग्रवादियों से लोहा लिया था. इसके बाद सिमडेगा के तत्कालीन एसपी ने आउट ऑफ टर्म प्रोमोशन की अनुशंसा कर दी थी. इसके बाद ही 12 सिपाहियों को प्रोमोशन देते हुए एएसआई बना दिया गया था.

22 दारोगा, इंस्पेक्टर रैंक में प्रोन्नति के योग्य पाए गए

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने 22 सब इंस्पेक्टर (दरोगा) को इंस्पेक्टर रैंक में प्रोन्नति के योग्य पाया है. जल्द ही सभी को इंस्पेक्टर रैंक में प्रोन्नति दी जाएगी. मुख्यालय ने जिन 22 सब इंस्पेक्टर को इंस्पेक्टर रैंक में प्रोन्नति योग्य पाया है, उसमें सुधीर प्रसाद साहू, हजारीबाग शिव बिहारी तिवारी, शंभू प्रसाद सिंह, त्रिलोचन तामसोय, पृथ्वी सेन दास, विजय कुमार, अभिजीत गौतम, मुकेश चौधरी, गुलशन भेंगरा, सोनी प्रताप, अजीत कुमार भारती, प्रशांत कुमार-1, हरदियुस टोप्पो, दयानंद सोरेन, संजय जनक मूर्ति, संजय चंद्र उरांव, राजीव प्रकाश, मो. कुद्दुस, मानकी सुंडी, बैजनाथ कुमार, एस. खालीद ईमाम और पूनम कुजूर शामिल हैं.

चयन पर्षद की बैठक में 49 दारोगा की प्रोन्नति पर किया गया था विचार : गौरतलब है कि डीजीपी अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में चयन पर्षद की बैठक हुई थी. इस बैठक में राज्य के अलग-अलग जिले में पदस्थापित 49 दारोगा की प्रोन्नति पर विचार किया गया. 49 में से 22 सब इंस्पेक्टर को इंस्पेक्टर के प्रोन्नति के योग्य पाया गया. वहीं 22 अन्य सब इंस्पेक्टर को वृहत सजा प्रभावी होने के चलते प्रोन्नति के लिए अयोग्य पाया गया. पांच ऐसे सब इंस्पेक्टर हैं, जिनकी प्रोन्नति लंबित है. उनमें से चार पर विभागीय कार्यवाही से संबंधित एक मामला लंबित है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष विदेश यात्रा का योग है. आय भी होगी, पर गलत आय से बचें. नौकरी में पदोन्नति होगी. बेरोजगारी दूर होकर प्रसन्नता बनी रहेगी. निवेश शुभ रहेगा. बाहरी सहयोग से कार्य होगा. नए कार्य की शुरुआत हो सकती है. यात्रा लाभदायक रहेगी. गणेश जी का पूजन करें.

वृषभ समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी. सरकारी कार्य में गति मिलेगी. पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. किसी संत से शुभ ज्ञान प्राप्त होगा. पुराने भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी. आत्मविश्वास बढ़ता है. व्यवसाय ठीक है. चिंता और तनाव रहेगा.

मिथुन धर्म में मन लगेगा. ससुराल से संबंध सुधार होगा. साथ ही लाभ की स्थिति बनेगी. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. अप्रत्याशित लाभ होगा बेरोजगारी दूर होगी. सक्रिय रहना होगा. परिवार की चिंता रहेगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी.

कर्क नया कार्य के पहले बिचार अतिआवश्यक है. इससे बचना होगा. अप्रत्याशित खर्च सामने आयेंगे स्वास्थ्य कमजोर रहेगा. कार्य में बाधा होगी. धन और कीर्ति की हानि हो सकती है. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें.

सिंह कार्यस्थल पर तनाव हो सकता है. पुरानी लेनदारी वसूल होगी. काम में मन लगेगा. वरिष्ठजनों का सहयोग प्राप्त होगा. कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी. यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेगी. फालतू बातों पर ध्यान न दें. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी.

कन्या कार्य में सफलता मिलेगी. मान-सम्मान में वृद्धि होगी. बेरोजगारी दूर होगी. नेत्र तथा सिर दर्द हो सकता है. व्यावसायिक कठिनाई दूर होगी. चिंता कम रहेगी. प्रसन्नता बनी रहेगी. कार्य में लगन बढ़ेगी. शिवलिंग पर जलाभिषेक करें.

तुला अपरिचित से लेन-देन में सावधानी रखें. विवाद को तूल न दें. आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. अपनों से सहयोग नहीं मिलेगा. चिंता रहेगी. विस्तार कार्यो में देरी हो सकती है. हिम्मत रखो. नकारात्मकता बढ़ेगी. फल का दान करें.

वृश्चिक समय अच्छा है. खुशी व सहयोग प्राप्त होगा. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. कोर्ट कचहरी में सफलता हासिल होगी. परिवार में आनंदोत्सव हो सकता है. कुछ दिक्कतों के साथ लाभ में वृद्धि होगी. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. निवेश शुभ रहेगा.

धनु उन्नति के प्रयास कोमल रहेंगे. रोजगार में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. भूमि और भवन संबंधी बाधा दूर होगी. यात्रा, निवेश और नौकरी मनोनुकुल लाभ होगा. विरोधी अनुकूल रहेंगे हैं. उनका विरोध ढीला रहेगा. पीला वस्तु दान करें.

मकर वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है. मित्र व संबंधियों से लाभ होगा. कोर्ट कचहरी के काम निबट करेंगे. निवेश शुभ रहेगा. यात्रा से लाभ होगा. नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें.

कुंभ रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. आय में वृद्धि होगी. निवेश सोच विचार कर ही करे, धन फंसने का योग है. यात्रा अनुकूल रहेगी. बेचैनी रहेगी. अपनों से संबंध बिगड़ सकते हैं. वाणी पर नियंत्रण रखें.किये गए कार्य का लाभ होगा.

मीन धन मिलने से मन प्रसन्न होगा. विदेश में बसे लोगों के लिए लाभ का समय है.. निद्रा में कमी आएगी. पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा. नौकरी में काम का दबाव अधिक हो सकता है. आय में वृद्धि होगी. परहित के काम करने का मौका मिल सकता है.

सुदेश महतो दिल्ली रवाना, हो सकती है सीट शेयरिंग पर चर्चा

रांची। आजसू सप्रीमो सुदेश कुमार महतो मंगलवार को दिल्ली रवाना हुए. उनके दिल्ली जाने को लेकर राजनीतिक गलियारों में कयासों का दौर शुरू हो गया है. कयास लगाया जा रहा है कि भाजपा आलाकमान के साथ विधानसभा चुनाव को देखते हुए सीट शेयरिंग पर भी चर्चा हो सकती है. साथ ही चुनावी रणनीति पर भी चर्चा हो सकती है. इससे पहले रांची में सुदेश महतो ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की थी. ज्ञात हो कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए आजसू पार्टी भी कई कार्यक्रम चला रही है.

राज्य की जनता खौफ में जी रही अपराधी मौज में : बाबूलाल मरांडी

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, कांग्रेस और झामुमो सरकार में अपराधियों का बोलबाला इस कदर बढ़ गया है कि शिक्षक समेत राज्य के अन्य कर्मचारी नौकरी छोड़ कर दूसरे प्रदेश में जाने को विवश हैं. भय का वातावरण सिर्फ सड़कों पर ही नहीं है, लोगों के जहन में भी है. जब चोरों, डकैतों और अपराधियों को संरक्षण स्वयं सरकार से मिल रहा है, तो जनता करे तो करे क्या? सरकार में घरों के टूटे हुए ताले भी अब चोरों को मिली हिम्मत की दाद दे रहे हैं. महिलाएं असुरक्षित हैं, बच्चे डरे हुए हैं, झारखंडवासी परेशान हैं और हेमंत सरकार में अपराध और अपराधियों का कोई निदान नहीं है.

शुरू से मैं स्वयंसेवक रहा, यह मेरा सौभाग्य : बाबूलाल ने एक्स पर एक दूसरा पोस्ट भी किया है. उन्होंने पोस्ट में लिखा कि मेरा सौभाग्य है कि मैं अपने जीवन के प्रारंभिक दिनों से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का स्वयंसेवक रहा हूं. संघ की गतिविधियों से जुड़कर व्यक्तिव विकास, चरित्र निर्माण, समाजसेवा और राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित होती है. दुर्भावना एवं पूर्वाग्रह की राजनीति से प्रेरित होकर कांग्रेस ने केंद्रीय कर्मचारियों को संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया था. पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार ने कांग्रेस के इस तुगलकी फैसले को बदलकर समाज के बड़े वर्ग को संघ के संस्कार प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया है. इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री का हृदयतल से आभार.

कोल्हान प्रमंडल पंचायत स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन

युवा, महिला, किसान, छात्र, गरीब, दलित सबके लिए योजना चला रही सरकार: सीएम

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो कार्यकर्ता विस चुनाव के लिए तैयार रहें : हेमंत

झारखंड मुक्ति मोरचा भी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गया है. रांची के हरमू स्थित सोहराई भवन में मंगलवार को कोल्हान प्रमंडल के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिम सिंहभूम एवं सरायकेला-खरसावां जिला के पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक हुई , जिसे पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ऑनलाइन संबोधित किया. उन्होंने झामुमो कार्यकर्ताओं को चुनाव के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है. हेमंत ने कहा कि सरकार की योजना समाज के हर वर्ग के लोगों तक पहुंचे, ये पंचायत स्तर के कार्यकर्ता सुनिश्चित करें. सरकार आज युवा, महिला, किसान, छात्र, गरीब, दलित, आदिवासी, पिछड़ा सबके लिए योजना चला रही है.

कोल्हान प्रमंडल स्तरीय बैठक में झामुमो महासचिव विनोद पांडेय व गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने कार्यकर्ताओं को टिप्स दिये.

बैठक में चुनावी रणनीति पर चर्चा होगी

बुधवार को झामुमो के खूंटी, गुमला, सिमडेगा और लोहरदगा जिला के पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक हरमू स्थित सोहराई भवन में आहूत की गयी है. बैठक में चुनावी रणनीति पर चर्चा होगी और कार्यकर्ताओं को बूथ मैनेजमेंट से लेकर चुनाव जीतने के टिप्स दिए जाएंगे. सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए क्या-क्या करना है, नेताओं- कार्यकर्ताओं को बताया जाएगा.

लोगों की आस हेमंत से, वह टूटे ना : कल्पना

गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन ने बैठक में आये सभी कार्यकर्ताओं को योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि लोगों का विश्वास हेमंत सोरेन पर है. लोगों की आस टूटनी नहीं चाहिए. कार्यकर्ता मजबूती से अपने क्षेत्र में जनकल्याण के काम करें. उन्होंने राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही लोक कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार व सांगठनिक रूप से युद्ध स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन करने का निर्देश दिया. योजनाओं का लाभ हर हाल में राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का निर्देश दिया. आप सभी कार्यकर्ताओं का दायित्व बनता है सरकार की जो भी योजना है उसे गांव-गांव तक पहुंचाएं.

बूथ स्तर पर कार्यक्रम करें : विनोद पांडेय

पार्टी के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने बैठक में आये कार्यकर्ताओं को राज्य की लोक कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी दी. उनके कार्यकर्ताओं के सवालों के भी जवाब दिए और संगठन की मजबूती के लिए बूथ स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन करने की बात कही. उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि हरेक कार्यकर्ता गांव-गांव में जाकर बैठक करें और सरकार की सारी योजनाओं के बारे में बताएं. बैठक में कोल्हान प्रमंडल के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिम सिंहभूम एवं सरायकेला-खरसावां जिला समिति के सभी पदाधिकारी, वर्ग संगठनों के अध्यक्षव सचिव, नगर/महानगर समिति के पदाधिकारी, प्रखंड समिति के पदाधिकारी और पंचायत समिति के अध्यक्ष व सचिव शामिल हुए.

प्रत्यक्षदर्शी हो, तो हत्या के पीछे की मंशा साबित करने की जरूरत नहीं : हाईकोर्ट

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि जब कोई प्रत्यक्षदर्शी हो, जिसने हत्या होते देखी हो और उसका साक्ष्य विश्वसनीय हो तो अभियोजन पक्ष के लिए अपराध के पीछे की मंशा साबित करना जरूरी नहीं है.

दरअसल रांची सिविल कोर्ट ने अजीत बारला को जेम्स केरकेट्टा की हत्या के जुर्म में दोषी करार देते हुए 27 नवंबर 2017 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी और 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था. रांची सिविल कोर्ट के फैसले को अजीत बारला ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी. अजीत की याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन और जस्टिस सुभाष चांद की खंडपीठ में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अजीत की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष अपराध के पीछे के मकसद को साबित करने में विफल रहा. जिसने घटना को देखने का दावा किया था, उसे विश्वसनीय प्रत्यक्षदर्शी नहीं माना जा सकता, क्योंकि उसने अपीलकर्ता को हथियार के साथ देखने के बाद अपनी आंखें बंद कर ली थीं.

वही राज्य सरकार के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि गवाह वास्तव में प्रत्यक्षदर्शी है और उसने घटना को प्रत्यक्ष रूप से देखा था. दोनों पक्षों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने रांची सिविल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए अजीत कुमार की याचिका खारिज कर दी.

बैंक का अधिकारी बन ठगी करने वालों को दी पांच साल की सजा

रांची। बैंक अधिकारी बनकर करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले पांच साइबर अपराधियों गणेश मंडल उसके पुत्र प्रदीप मंडल, संतोष मंडल उसके पुत्र पिंटू मंडल और अंकुश कुमार मंडल को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने पांच साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. इसके साथ ही अदालत ने सभी दोषियों पर 2.50 लाख का जुर्माना भी लगाया है. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि जुर्माना की राशि जमा नहीं करने पर दोषियों को अतिरिक्त सजा काटनी होगी. 20 जुलाई को कोर्ट ने गणेश मंडल उसके पुत्र प्रदीप मंडल, संतोष मंडल उसके पुत्र पिंटू मंडल और अंकुश कुमार मंडल को दोषी करार दिया है. मंगलवार को इनकी सजा की बिंदु पर सुनवाई हुई. सभी दोषियों पर फर्जी पते पर सिम कार्ड लेने और बैंक अधिकारी बनकर लोगों को कॉल करके साइबर अपराध करने का आरोप सिद्ध हुआ है. ईडी ने इस मामले के ट्रायल के दौरान कुल 24 गवाह कोर्ट में प्रस्तुत किए. ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक अतीश कुमार ने इस मामले में बहस की.

25 जुलाई को मतदाता सूची के प्रारूप का होगा प्रकाशन

संवाददाता। रांची

बोले सीईओ

- 25 से द्वितीय विशेष पुनरीक्षण, चार दिन तक चलेगा विशेष अभियान
- 1950 पर एसएमएस से भी मतदाता सूची में अपना नाम जांच सकते हैं

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के. रवि कुमार ने राज्य में चल रहे मतदाता सूची के द्वितीय विशिष्ट संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 25 जुलाई को होने वाले मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन को लेकर निर्वाचन सदन में प्रेस वार्ता की. उन्होंने कहा कि राज्य में चल रहे मतदाता सूची के 25 जुलाई को प्रारूप प्रकाशन के अवसर पर सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ के द्वारा नए मतदाता सूची के प्रारूप को प्रदर्शित किया जाएगा. इसके साथ-साथ निर्वाचन आयोग के ऑनलाइन माध्यमों पर भी नए मतदाता सूची उपलब्ध रहेगी.

कहा कि मतदाता 25 जुलाई को 1950 पर एसएमएस के माध्यम से भी मतदाता सूची में अपना नाम जांच सकते हैं. इसके लिए अपने नंबर से 1950 पर ईसीआई लिखकर स्पेस देकर अपने एपिक नंबर लिखकर मैसेज करने से आपके मतदाता पहचान पत्र से जुडी सभी जानकारी उपलब्ध हो जाएगी. इसके अलावे वोटर हेल्पलाइन ऐप पर भी अपने एपिक नंबर डालकर सूची में नाम जांच सकते हैं. उन्होंने कहा कि इस ओर आम मतदाताओं के बीच जागरुकता फैलाने के लिए विभाग द्वारा 25 जुलाई को दोपहर 12 बजे से 1 बजे के बीच #NaamJancho सोशल मीडिया अभियान चलाया जा रहा है.

27 जुलाई से विशेष अभियान : सीईओ ने बताया की मतदाता सूची में दावा और आपत्ति दाखिल करने की तिथि 25 जुलाई से 9 अगस्त तक है. इस दौरान निबंधन के योग्य नागरिकों से आवेदन लिए जाएंगे. साथ ही सूची में किसी सुधार का आवेदन भी लिया जाएगा. साथ ही चार दिनों तक विशेष अभियान चलाया जाएगा. 27 एवं 28 जुलाई और 3 एवं 4 अगस्त 2024 को जिला के सभी मतदान केन्द्रों में बीएलओ उपस्थित रहेंगे. इस दौरान बूथ पर ऑफलाइन आवेदन भी समर्पित किया जा सकेगा.

रुख पर अड़े सहायक पुलिसकर्मियों ने सरकार के समक्ष रखीं शर्तें

कैबिनेट की बैठक में मांगें मानें, तभी आंदोलन वापस होगा

संवाददाता। रांची

सहायक पुलिसकर्मियों का आंदोलन जारी रहेगा. उन्होंने अपने आंदोलन को आगे भी जारी रखने की घो,मा की है. सहायक पुलिसकर्मियों के अनुसार, सरकार के साथ सोमवार हुई वार्ता में जिन बिंदुओं पर सहमति बनी है, अगर उन मांगों को 24 जुलाई को होनेवाली कैबिनेट की बैठक में मान लिया जाता है, तभी वे अपना आंदोलन समाप्त करेंगे. जब तक सरकार उनकी मांगों को कैबिनेट में नहीं लाती है, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा.

रांची के मोरहाबादी मैदान में धरने पर बैठे सहायक पुलिसकर्मी.

झारखंड पुलिस ने किया था लाठीचार्ज : झारखंड पुलिस में समायोजन की मांग को लेकर मोरहाबादी मैदान में धरना दे रहे सहायक पुलिसकर्मी 19 जुलाई को सीएम आवास का घेराव करने पहुंचे थे. इस दौरान उनपर झारखंड पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया था. सहायक पुलिसकर्मियों की बहाली 10 हजार रुपये के मानदेय पर राज्य के 12 जिलों गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, दुमका व गिरिडीह में हुई थी.

फिलहाल पांच मुख्य बिंदुओं पर बनी है सहमति

- मानदेय में 30 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी पर सहमति
- सेवा अवधि का विस्तार एक साल के लिए किया जाएगा
- होमगार्ड और वन आरक्षी की बहाली में रिजर्वेशन पर भी सहमति
- विभागीय सिपाही की तरह की सरकारी छुट्टियां भी मिलेंगी
- सिपाही की तरह सालाना चार हजार रुपये का भत्ता भी मिलेगा

क्लासिफाइड

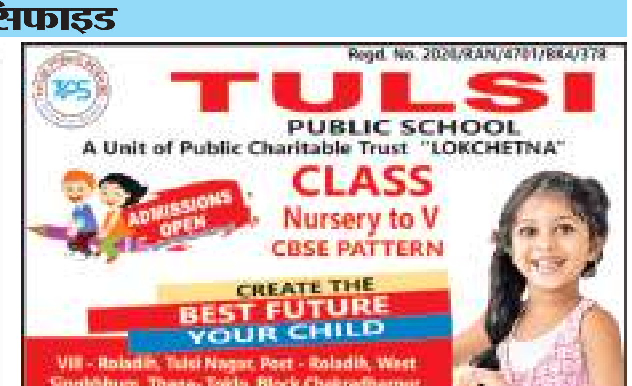

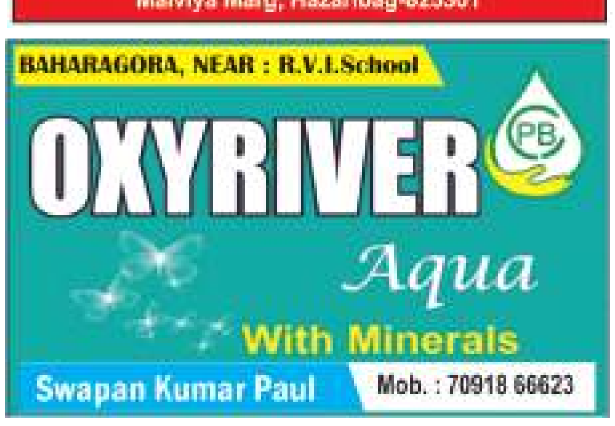

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, बुधवार 24 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 3 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 106 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा- अब तक ऐसे कोई सबूत नहीं मिले, जिससे परीक्षा की पवित्रता पूरी तरह से प्रभावित हुई हो

पेपर लीक मामले में सुप्रीम फैसला : दोबारा नहीं होगी नीट यूजी की परीक्षा

एजेंसियां। नयी दिल्ली

- पेपर लीक हजारीबाग में हुआ और पटना तक गया, 155 लाभान्वित
- दोबारा परीक्षा लेने पर 20 लाख से ज्यादा छात्रों पर असर पड़ेगा

नीट पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि नीट का पेपर दोबारा नहीं होगा. फैसला पढ़ने के दौरान सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि केंद्र सरकार, एनटीए ने अपनी बातें रखीं. सीबीआई के एडिशनल डायरेक्टर ने भी कोर्ट की सहायता की. सीजेआई ने कहा कि यह मामला बड़ी संख्या में छात्रों को प्रभावित करने वाला है. इसलिए, हम दोबारा परीक्षा को न्यायोचित नहीं मानते. सीजेआई ने कहा कि हमारा निष्कर्ष है कि पेपर लीक हजारीबाग में हुआ और पटना तक गया, यह निर्विवाद है. उन्होंने आदेश पढ़ते हुए कहा कि सीबीआई ने कहा है कि अभी तक हजारीबाग और पटना के 155 छात्रों के लाभान्वित होने की बात सामने आई है.

आज से शुरू हो सकती है काउंसिलिंग : सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एनटीए चाहे, तो बुधवार से अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग की प्रक्रिया शुरू कर सकता है. इस पर कोई आपत्ति नहीं है. यह काबिल छात्रों के साथ न्याय होगा.

जांच अधूरी, व्यापक गड़बड़ी की संभावना नहीं

सीजेआई ने कहा कि अभी तक जांच अधूरी है. हमने केंद्र से भी जवाब मांगा था कि 4750 केंद्रों में से कहां-कहां गड़बड़ी रही. हालांकि, आईआईटी मद्रास ने भी मामले की समीक्षा की. अभी तक उपलब्ध सामग्री के हिसाब से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि परीक्षा की पवित्रता पूरी तरह प्रभावित हुई है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमने इस साल के नतीजों की तुलना पिछले तीन साल के आंकड़ों से भी की. इससे भी ऐसा नहीं लगा कि व्यापक गड़बड़ी है. उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि गलत तरीके अपनाने वाला कोई भी छात्र फायदा न उठा सके, न भविष्य में दाखिला पा सके. उन्होंने कहा कि हम मानते हैं कि दोबारा परीक्षा का 20 लाख से ज्यादा छात्रों पर इसका असर पड़ेगा. अकादमिक सत्र गड़बड़ा जाएगा, पढ़ाई में देरी होगी. इसलिए हम दोबारा परीक्षा को न्यायोचित नहीं मानते.

चार लाख से ज्यादा छात्रों का रिजल्ट दोबारा जारी होगा

शीर्ष अदालत एनटीए को आदेश दिया है कि वो प्रश्न पत्र के विवादित प्रश्न का एक ही उत्तर (विकल्प 4) मानते हुए रिवाइज्ड रिजल्ट जारी करे. आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञों द्वारा सौंपी गयी रिपोर्ट के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि फिजिक्स के विवादित प्रश्न का चौथा ऑप्शन ही सही माना जाएगा. अब एनटीए को जल्द ही रिवाइज्ड रिजल्ट जारी करना होगा. बता दें कि नीट के 4,20,774 अभ्यर्थियों ने विवादित प्रश्न का विकल्प 2 चुना था, जबकि 9,28,379 ने विकल्प 4 चुना था. एनटीए ने दोनों उत्तरों को सही मानते हुए विकल्प 2 और 4 चुननेवालों को मार्क्स दिए थे. अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उन अभ्यर्थियों के 5 अंक कटेंगे, जिन्होंने विकल्प 2 चुना था. चार अंक प्रश्न के और एक अंक नेगेटिव मार्किंग के. इससे ऑल इंडिया रैंकिंग में बड़ा बदलाव होगा. नीट के टॉपरों की संख्या भी घटेगी. रीटेस्ट के बाद नीट यूजी परीक्षा के 61 टॉपर हैं. इनमें 44 ऐसे हैं, जिन्होंने पुरानी एनसीईआरटी बुक के हिसाब से विकल्प 2 चुना था. अब इनके 5 मार्क्स कटेंगे और इनका स्कोर 720 से घटकर 715 पर आ जाएगा.

अगले सप्ताह पीएम आ सकते हैं रांची

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह रांची आ सकते हैं. यहां वह धुर्वा में बनने वाली एकता मॉल का शिलान्यास करेंगे. पीएम के कार्यक्रम को लेकर राज्य सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है. जानकारी के मुताबिक, छोटे उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्यों में एकता मॉल का निर्माण कराया जा रहा है. वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट के तहत एकता मॉल में राज्य के हर जिला के लिए एक-एक दुकान आवंटित की जाएगी. इसके अलावा देश के हर राज्य के लिए एक-एक दुकान का आवंटन किया जाएगा. साथ ही मॉल में फूड कोर्ट, बच्चों के लिए गेम्स आदि की भी व्यवस्था रहेगी. करीब 160 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले एकता मॉल में ग्राउंड फ्लोर के अलावा छह फ्लोर होंगे. पार्किंग की व्यवस्था अंडरग्राउंड की जाएगी.

- एकता मॉल का करेंगे शिलान्यास

ब्रीफ खबरें

जानकारी आने के बाद बजट पर बोलेंगे: हेमंत

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि मैं कार्यक्रमों में व्यस्त था. बजट को लेकर थोड़ा और जानकारी सामने आने दीजिए, तब बताऊंगा आपलोगों को. सोरेन से प्रोजेक्ट भवन में मीडिया ने जब बजट के बारे में पूछा कि 40 हजार करोड़ झारखंड को देने की बातें सामने आ रही हैं. इसके जवाब में सोरेन ने कहा कि इस राज्य से वे लोग कितना ले रहे हैं, यह बताया कि नहीं. उन्होंने नियुक्तियों को लेकर कहा, यह पहला नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम नहीं था. इससे पहले भी नियुक्तियां होती रही हैं. आगे भी नियुक्ति पत्र दिया जाता रहेगा.

पूर्व मंत्री पर एससी एसटी एक्ट में केस दर्ज

रांची/गढ़वा। पूर्व मंत्री व भवनाथपुर के भाजपा विधायक भानुप्रताप शाही के खिलाफ झामुमो कार्यकर्ता राजेंद्र उरांव ने मंगलवार को रमना थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है. राजेंद्र ने थाना में दिये आवेदन में लिखा है कि रांची में पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन में विधायक भानुप्रताप शाही ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को आदिवासी होने के कारण अपने संबोधन में गट्टा पकड़ कर कुर्सी से उतारने की बात की थी. आवेदन के आधार पर एसटी-एससी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है.

अपराधी मयंक सिंह ने ली गोलीबारी की जिम्मेवारी

रांची। अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि पुलिस निर्दोष को पकड़ कर रखी है. उसने कहा है कि मैं, अमन साहू और उसके गिरोह का सारा काम देखता हूं. गढ़वा के मेराल में फ्लाईओवर निर्माण कार्य के दौरान गोलीबारी करने वाले एक विक्रम नामक जिस लड़का को पुलिस प्रशासन ने पकड़ कर रखा हुआ है, वो निर्दोष और बेगुनाह हैं. वो उस कांड में किसी भी तरह से संलिप्त नहीं था. ये जो घटना हुई है, उसकी जिम्मेवारी मैं लेता हूं.

विभिन्न विभागों के नियुक्त अफसर व कर्मियों को सीएम ने नियुक्ति पत्र बांटे

राज्य में खनन कार्य सुचारू और सिस्टमेटिक करना होगा: हेमंत

विशेष संवाददाता। रांची

नवनियुक्त अफसरों एवं कर्मियों के साथ सीएम हेमंत सोरेन व कैबिनेट के मंत्रीगण.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जेपीएससी एवं जेएसएससी द्वारा चयनित विभिन्न विभागों के जूनियर इंजीनियर एवं अन्य अफसरों व कर्मियों को नियुक्ति पत्र दिया. प्रोजेक्ट भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने कुल 183 लोगों को नियुक्ति पत्र बांटे. मौके पर मंत्री चंपाई सोरेन, डॉ. रामेश्वर उरांव, दीपक बिरूआ, हफीजुल अंसारी, सत्यानंद भोक्ता, मुख्य सचिव एल ख्यांगते, मुख्यमंत्री के अपर प्रधान सचिव अविनाश कुमार सहित अन्य उपस्थित थे.

इस अवसर पर सीएम सोरेन ने कहा कि इन्हीं विभाग के तहत पूर्व में नियुक्तियां हो चुकी हैं. आज उसी नियुक्ति की यह कड़ी आगे बढ़ रही हैं. कुछ नियुक्तियां राज्य के लोगों को हुई है, कुछ दूसरे राज्य के लोगों की भी. हम सभी का अभिनंदन करते हैं. उन्होंने कहा कि आज माइनिंग इंस्पेक्टर की भी नियुक्ति हुई है.

झारखंड की खनन की गतिविधियां अन्य राज्यों से अधिक : सीएम ने आगे कहा कि झारखंड की खनन की गतिविधियां अन्य राज्यों से अधिक हैं. इस बारे में आज ही प्रधान सचिव से वार्ता हो रही थी. हमारे राज्य में 24 जिलों में खनन गतिविधियां चल रही हैं. लेकिन, बहुत अजीब तरीके से खनन गतिविधियां हुई हैं, जिसका बड़ा असर इस राज्य में होने जा रहा है. जिस प्रकार से नीति निर्धारण हो रहे हैं, जिस तरीके से खनन कार्य में गति आ रही है, हमें इस विषय पर गंभीरता से काम करना होगा. खनन कार्य कैसे सुचारू एवं सिस्टमेटिक तरीके से हो, जिससे जान-माल की क्षति न हो, इसका विशेष ध्यान रखना होगा.

सभी नियुक्त अफसर-कर्मी ईमानदारी से काम करें: मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 28 टाउन प्लानर की नियुक्ति हुई है, जिनके जिम्मे शहर का विकास होगा. आज पाइप लाइन इंस्पेक्टर की भी नियुक्ति हुई है.

सीएम बोले

- खनन गतिविधियों पर गंभीरता से काम करना होगा
- जान-माल की क्षति न हो, इसका ध्यान रखना जरूरी

इन पदों पर हुई हैं नियुक्तियां

असिस्टेंट टाउन प्लानर, जूनियर इंजीनियर (मैकेनिकल) मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर, माइनिंग इंस्पेक्टर, जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल), स्ट्रीट लाइट इंस्पेक्टर, पाइप लाइन इंस्पेक्टर पद पर चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति हुई है.

नई तकनीक के जरिए खेतों तक पहुंचेगा पानी

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड की भौगोलिक बनवट उबड़-खाबड़ है. राज्य की जनता तक पानी कैसे पहुंचे, इसको लेकर विभाग और सरकार नई तकनीकी का इस्तेमाल कर के काम कर रही है. इसे और तेजी से बढ़ाना होगा, तभी हम सभी खेतों तक पानी पहुंचा पाएंगे और पलायन की समस्या को भी दूर कर पाएंगे.

मुड़मा धुर्वा में राज्य कोष से बने कुष्ठ आवासीय कॉलानी के लाभुकों को सीएम ने चाबी सौंपी

कुष्ठ रोगी कॉलानी को अब निर्मल आवास के रूप में जानेंगे

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत पूरी तरह से राज्य सरकार के खर्च से तैयार आशियाने की चाबी कुष्ठ रोगियों को सौंप दी. नगड़ी प्रखंड अंतर्गत मुड़मा धुर्वा में कुल 35 करोड़ की लागत से इस कॉलानी में कुल 256 फ्लैट बने हैं. कुष्ठाश्रम में जी प्लस वन के सात ब्लॉक साढ़े पांच एकड़ में बने हैं. अब तक 250 कुष्ठ रोगियों का लॉटरी के माध्यम से चयन किया गया है. मुख्यमंत्री ने मंगलवार को सांकेतिक रूप से 10 लाभुकों को उनके फ्लैट की चाबी सौंपी. मौके पर नगर विकास मंत्री हफीजुल अंसारी, हटिया विधायक नवीन जायसवाल एवं विभागीय सचिव अरवा राजकमल मौजूद थे.

आनेवाले समय में अन्य जिलों में भी आवास बनेंगे

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि इस परियोजना का नाम बड़ा ही अजीब है. मुझे यह नाम लेने में संकोच हो रहा है. सबसे पहले इस आवास का नाम सुंदर और गर्व करने वाला होना चाहिए. इसलिए, इस आवास को निर्मल आवास के नाम से जाना जाएगा. जिस समूह के लिए घर बना है, वह भी आज कई चुनौतियों और समस्यों से परेशान हैं. उन्होंने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है. अलग-अलग जिलों के लिए भी इस तरह की योजना बनायी जा रही है. आने वाले समय में आप जैसे लोगों के दुखों को कम करने में हमलोग पूरा योगदान देंगे.

कुष्ठ प्रभावितों का जीवन स्तर ऊंचा उठाएंगे : सचिव

नगर विकास सचिव अरवा राजकमल ने कहा कि कुष्ठ प्रभावित लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के उद्देश्य से इस आश्रम का निर्माण कराया गया है. एक फ्लैट की लागत लगभग 12 लाख है. आवासों के भीतर पंखे, ट्यूब लाइट, नल और अन्य उपस्कर ब्रांडेड कंपनियों के लगाये गये हैं. एक फ्लैट में बेडरूम, लीविंग एरिया, संयुक्त शौचालय व स्नानागार और एक बड़ी बालकनी का निर्माण कराया गया है.

सीएम आज टाटा के साथ होटल ताज के लिए एमओयू करेंगे

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बुधवार को प्रोजेक्ट भवन के सभागार में टाटा कंपनी के साथ पांच सितारा होटल ताज के लिए लीज एमओयू करेंगे. होटल के लिए एचइसी स्थित रांची स्मार्ट सिटी में टाटा कंपनी को भूमि आवंटित की जाएगी. इसके अतिरिक्त बुधवार को ही पुराने बिरसा मुंडा जेल परिसर में बने बिरसा मुंडा संग्रहालय सह पार्क में टाटा कंपनी द्वारा बनवाये गये खूबसूरत थंब इम्प्रेशन का भी उद्घाटन करेंगे.

स्पीकर कोर्ट में दलबदल मामले में सुनवाई

दल-बदल मामले में जेपी पटेल की ओर से नहीं आया कोई जवाब

- झामुमो के वकील बोले- लोबिन हेंब्रम की सदस्यता खत्म की जाए

प्रमुख संवाददाता। रांची

विधायक जेपी पटेल और लोबिन हेंब्रम के दल-बदल मामले में मंगलवार को स्पीकर कोर्ट में सुनवाई हुई. जेपी पटेल के मामले में भाजपा के अधिवक्ता विनोद कुमार साहू ने कहा कि जिस तरह भाजपा विधायक जेपी पटेल ने लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के टिकट पर हजारीबाग से चुनाव लड़ा, वह दल-बदल के दायरे में आता है.

मामले में नेता प्रतिपक्ष की ओर से जवाब भी दाखिल किया गया, लेकिन पटेल की ओर से कोई जवाब स्पीकर कोर्ट में दाखिल नहीं किया गया है. भाजपा के अधिवक्ता ने विधायक पटेल को मिलने वाली सभी सुविधाएं वापस लेने का आग्रह किया. वहीं पटेल की ओर से बहस कर रहीं अधिवक्ता अदिति ने कहा कि स्पीकर कोर्ट में बगैर साक्ष्य के शिकायत दर्ज की गई है. इससे यह साबित नहीं होता कि कोई दल-बदल हुआ है. कोर्ट में जेपी पटेल की ओर से लिखित आपत्ति भी दर्ज की गई.

लोबिन के अधिवक्ता ने कहा-आरोप जेएमएम के संविधान के खिलाफ

लोबिन हेंब्रम पर लगे दल बदल के आरोप पर मंगलवार को स्पीकर कोर्ट में सुनवाई के दौरान जेएमएम के अधिवक्ता अंकितेष कुमार झा ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान लोबिन हेंब्रम ने पार्टी लाइन से बाहर जाकर चुनाव लड़ा. ऐसे में उनकी सदस्यता खत्म होनी चाहिए. वहीं लोबिन हेंब्रम के अधिवक्ता अनुकार ने कहा कि हेंब्रम पर लगाया गया आरोप जेएमएम के संविधान के खिलाफ है. लोबिन के खिलाफ नोटिस और जवाब का समय दिए बगैर कार्रवाई की गई है. लोबिन ने 1995 में जेएमएम में रहते निर्दलीय चुनाव लड़ा था. उस समय पार्टी की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई थी. लोबिन के अधिवक्ता ने कहा कि यह मामला दलबदल का नहीं, बल्कि जेएमएम का अंदरूनी मामला है. अब इस मामले की अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी.

आम बजट में झारखंड के लिए निराशा के बीच अच्छी खबर

प्रमुख संवाददाता। रांची

आम बजट

- सेंट्रल टैक्स की हिस्सेदारी से भरेगा खजाना केंद्र प्रायोजित योजनाओं से मिलेगी पूरी राशि
- इनकम टैक्स में 14 हजार करोड़ से अधिक की मिलेगी हिस्सेदारी

आम बजट में झारखंड को कुछ भी हाथ नहीं लगा. लेकिन सेंट्रल टैक्स की हिस्सेदारी से झारखंड का खजाना चुस्त-दुरुस्त होगा. बात करें इनकम टैक्स की, तो इसमें झारखंड को केंद्र से मिलने वाली हिस्सेदारी के रूप में 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि राज्य के खजाने में आएगी. सेंट्रल जीएसटी से 12 हजार करोड़ से अधिक की राशि मिलेगी. सीमा शुल्क के तहत 1800 करोड़ रुपये से अधिक और सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी के तहत 350 करोड़ रुपये से अधिक मिलेंगे.

वित्त आयोग के मानकों के अनुसार भी मिलेगी राशि : झारखंड को केंद्रीय वित्त आयोग के मानकों के आधार भी राशि मिलेगी.

फिलहाल, 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा के तहत राज्यों को पैसे दिए जा रहे हैं. फिलहाल केंद्रीय करों से दी जाने वाली कुल हिस्सेदारी में से 3.30 फीसदी राशि राज्य के खाते में आती है. अब 16 वें वित्त आयोग का भी गठन हो चुका है. इसके तहत राज्यों के बीच सेंट्रल टैक्स में हिस्सेदारी तय की जाएगी. वहीं केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत भी झारखंड को राशि मिलेगी.

रिम्स के सीनियर रेजिडेंट व हाउस सर्जन की सैलरी कटी

- निदेशक राज कुमार ने निरीक्षण के दौरान न्यूरोलॉजी वार्ड अनुपस्थित पाए गये चिकित्सकों की एक दिन की सैलरी काटी

संवाददाता। रांची

रिम्स के चिकित्सा अधीक्षक व निगरानी अफसर ने मंगलवार को अस्पताल का औचक निरीक्षण किया गया. इस क्रम में न्यूरोलॉजी आईपीडी में मरीजों ने बताया कि दिन के 12 बजे तक किसी चिकित्सक ने राउंड नहीं लिया है. न्यूरोलॉजी विभाग में दो फैकल्टी, दो सीनियर रेजिडेंट और दो हाउस सर्जन हैं, इनमें से किसी ने भी वार्ड का दौरा नहीं किया था. न्यूरोलॉजी विभाग के डॉ रूपेश प्रसाद ओपीडी में परामर्श दे रहे थे. निदेशक डॉ. राज कुमार ने न्यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ सुरेंद्र कुमार को कड़ी चेतवानी देते हुए कार्यशैली में सुधार लाने के निर्देश दिए. साथ ही कार्यसम्मत कार्रवाई की बात कही. वहीं निदेशक ने सीनियर रेजिडेंट और हाउस सर्जन की एक दिन की सैलरी काटने के निर्देश दिए हैं.

बाहर से दवाइयां लाने लिखा देख निदेशक ने दी चेतावनी

चिकित्सा अधीक्षक एवं निगरानी पदाधिकारी कैंसर विभाग पहुंचे, जहां उन्होंने देखा कि मरीजों से सभी दवाइयां बाहर से लाने के लिए लिखी हुई थीं और जांच बाहर से कराई जा रही थी. निदेशक ने विभागाध्यक्ष एवं अन्य चिकित्सकों को सख्त चेतवानी दी है. उन्होंने कहा है कि, यह साफ तौर से एनएमसी के नैतिक दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है, इसके लिए सख्त कार्रवाई की जा सकती है.

हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी | रिम्स में व्याप्त अव्यवस्था के कारण मजबूरन प्राइवेट हॉस्पिटल जाते हैं मरीज

रिम्स में चिकित्सा व्यवस्था सुधारें, अन्यथा बंद करना ही बेहतर

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

मामले की अगली सुनवाई आठ अगस्त को होगी

एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए झारखंड हाईकोर्ट ने मंगलवार को रिम्स में अव्यवस्था पर तल्ख टिप्पणी की है. अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि अगर रिम्स में बेहतर मेडिकल सुविधा और चिकित्सा उपकरण उपलब्ध नहीं है, तो इसे चालू रखने का कोई औचित्य नहीं है. रिम्स में मेडिकल सुविधाओं का अभाव, मरीज की देखभाल में लापरवाही अक्सर देखने को मिलती है. रिम्स में अव्यवस्था के कारण लोग प्राइवेट अस्पतालों में जाने को मजबूर हो जाते हैं.

बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे हैं शहर के कई प्राइवेट हॉस्पिटल : हाईकोर्ट ने मौखिक रूप से यह भी कहा कि रांची शहर में ही कई प्राइवेट हॉस्पिटल बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे हैं. ऐसे हॉस्पिटलों की संख्या झारखंड में दिनों दिन बढ़ती जा रही है, प्राइवेट हॉस्पिटलों और नर्सिंग होम में हेल्थ केयर की जगह वेल्थ केयर पर ध्यान रखा जाता है. अदालत ने मामले में राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल करने का आग्रह किए जाने पर मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि शपथ पत्र में राज्य सरकार की ओर से ऐसी बातें कही जाती हैं, जैसे लगता है कि स्विट्जरलैंड में हैं.

अदालत ने पिछले पांच सालों में झारखंड में क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत रजिस्ट्रेशन नहीं लेने वाले नर्सिंग होम एवं हास्पिटलों पर कार्रवाई और इस एक्ट का अनुपालन नहीं करने वालों पर लगे जुर्माना के संबंध में राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है. पूछा है कि ऐसे हॉस्पिटल और नर्सिंग होम पर कितना जुर्माना लगाया गया है. मामले में अगली सुनवाई आठ अगस्त को होगी.

सड़कों पर फेंके रहते हैं बायोमेडिकल वेस्ट, नहीं होता है उसका डिस्पोजल

इसी तरह राज्य में नर्सिंग होम एवं हॉस्पिटल से निकलने वाले बायो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण को लेकर झारखंड ह्यूमन राइट कनफेडरेशन की जनहित याचिका पर सुनवाई भी हाईकोर्ट में हुई. अदालत ने स्वास्थ्य विभाग के डायरेक्टर इन चीफ के शपथ पत्र पर असंतोष जताया. मौखिक कहा कि डायरेक्टर इन चीफ, हेल्थ ने दावा किया है कि झारखंड के 1633 प्राइवेट और पब्लिक नर्सिंग होम से निकलने वाले बायोमेडिकल वेस्ट का निष्पादन कर दिया जाता है. बायोमेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट के साथ इन सभी 1633 नर्सिंग होम का करार है, जिससे उनके मेडिकल वेस्ट का प्रतिदिन उठाव किया जाता है. कोर्ट ने इस जवाब पर आश्चर्य जताते हुए कहा कि झारखंड में नर्सिंग होम के निकट सड़कों पर मेडिकल वेस्ट फेके रहते हैं. बायोमेडिकल वेस्ट का डिस्पोजल नहीं होता है. रिम्स जैसे संस्थान में भी मेडिकल वेस्ट अस्पताल के कॉरिडोर में फेंके रहते हैं.

सरकार से पूछा- मेडिकल वेस्ट के निष्पादन का निरीक्षण होता है या नहीं

कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा कि प्राइवेट एवं पब्लिक नर्सिंग होम से निकलने वाले मेडिकल वेस्ट के निष्पादन को कंट्रोल करने के लिए क्या कोई मेकैनिज्म है? क्या जिलों के सिविल सर्जन द्वारा अस्पतालों एवं नर्सिंग होम के मेडिकल वेस्ट का निष्पादन हो रहा है या नहीं, इसका निरीक्षण समय-समय पर किया जाता है? सुनवाई के दौरान लोहरदगा में बायो मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लान संचालित करने वाले हस्तक्षेपकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि उन्होंने मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित कर लिया है, लेकिन कोई नर्सिंग होम मेडिकल वेस्ट उठाव के लिए उनसे संपर्क नहीं करता है. इस पर कोर्ट ने अगली सुनवाई में उन्हें डायरेक्टर इन चीफ, हेल्थ द्वारा मेडिकल वेस्ट उठाव के लिए करार करने वाले नर्सिंग होम के संबंध में जानकारी देने को कहा है.

सावन सिंधारा और झूलोत्सव से गुलजार रहा अग्रसेन भवन

वाददाता। रांची

अग्रसेन भवन परिसर में मंगलवार को सावन सिंधारा और झूलोत्सव से गुलजार रहा. यहां अग्रवाल महिला समिति के तत्वावधान में 25वें तीन दिवसीय सावन महोत्सव मेला का आयोजन किया गया है और मंगलवार मेले का दूसरा दिन था. दूसरे दिन जहां वस्त्रादि की जमकर बिक्री हुई, वहीं महिलाओं ने आयोजित कार्यक्रमों का भी खूब आनंद लिया. मौके पर बहू- बेटियों का सिंधारा किया गया. महिलाओं ने सावन के मनमोहक गीत प्रस्तुत कर पर ठुमके भी लगाए. झूला झूलकर खूब आनंद लिया. कई मजेदार गेम्स के साथ अंताक्षरी खेली गई. बाद में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया. घर-गृहस्थी के साजो-समान के साथ लगे लजीज व्यंजनों का स्टाल देर शाम तक लुभाता रहा. संयोजिका अलका सरावगी ने बताया कि बुधवार को शाम चार बजे मेले का समापन होगा. इस दौरान बेस्ट स्टॉल को पुरस्कृत किया जाएगा.

अग्रवाल महिला समिति के तीन दिवसीय सावन महोत्सव का दूसरा दिन

अग्रसेन भवन में आयोजित सावन महोत्सव मेले में सावन सिंधारा और झूले का आनंद.

निभायी भागीदारी : रूपा अग्रवाल, नीरा बथवाल, रीना सुरेखा, अंशु नेवटिया,गीता डालमिया, बिना बूबना, मंजू केडिया, मधु सराफ, सरिता अग्रवाल, प्रीती पोद्दार, मंजू गाड़ोदिया, बीना मोदी, सीमा पोद्दार, शोभा हेतमसरिया, छाया अग्रवाल, प्रीती बंका, उर्मिला पड़िया, लक्ष्मी पाटोदिया, सीमा टांटिया, सुनैना लोयलका, प्रीती फोगला, शशि डागा, सुषमा पोद्दार, बबीता नारसरिया, अलका अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, स्वर्णालता जैन, करुणा अग्रवाल, मीरा टिंबरेवाल, प्रीति केडिया, जया बिजावत, सुधा अग्रवाल, निर्मला अग्रवाल ने इसमें मुख्य रूप से भागीदारी निभायी.

सावन मेले में 100 से भी ज्यादा स्टॉल

सावन महोत्सव मेले में 100 से भी ज्यादा स्टॉल लगे हैं, जिसमें जयपुरिया ज्वेलरी, कोलकाता, बनारस, भागलपुर की ढेरों डिजाइनर कलात्मक साड़ियां, शादी के लहंगे, एक्सक्लूसिव डिजाइनों में सलवार सूट, बेडशीट, छोटे बच्चों के स्पेशल कपड़े, रंग-बिरंगे नवीनतम राखियां, अलग-अलग शहरों की स्पेशल सामग्रियों का कलेक्शन, इंडो वेस्टर्न ड्रेस, सजावट के समान, श्रृंगार एवं पूजा की सामग्री, लड्डू गोपाल के पोशाक, हस्तशिल्प उत्पाद सामग्री, अचार, पापड़, बड़ी, मुरब्बा तथा अन्य सामग्री की खरीदारी महिलाओं ने जमकर की.

श्रावण के साथ आयी त्योहारों की श्रृंखला, झूम उठा संसार

संवाददाता। रांची

श्रावण मास प्रारंभ होते ही त्योहारों की झड़ी लगी है. संसार झूम उठा है. सनातनी देवाधिदेव की भक्ति में रमे हैं. चहुंओर बोल बम का नारा गूंज रहा. मात्र जलाभिषेक से रिझने वाले देवो के देव महादेव ही ऐसे देवता हैं, जिनकी पूजा सर्वत्र की जाती है. सावन का महीना शंभू नाथ की भक्ति के साथ त्योहारो का भी सौगात लेकर आता है. पूरे माह त्योहारो की बहार रहेगी.

महिलाओं ने रखा मंगला गौरी का व्रत : सावन माह के दूसरे दिन मंगलवार को मंगला गौरी व्रत श्रद्धा-भक्ति के साथ मनाया गया. आचर्य श्रीकृष्ण ने बताया कि मंगला गौरी का व्रत कल्याणकारी है. अब दूसरी सोमवारी 29 जुलाई, तीसरी 0 5 अगस्त, चौथी 12 अगस्त और अंतिम सोमवारी 19 अगस्त को है. इस बीच मंगला गौरी व्रत 30 जुलाई, 06 और 13 अगस्त को पड़ेगा.

सावन के व्रत त्योहार

24 जुलाई –गजानन संकष्टी चतुर्थी व्रत, 27 को कालाष्टमी और मासिक कृष्ण जन्माष्टमी, 31 को कामिका एकादशी. 02 अगस्त को सावन शिवरात्रि, 06 को मासिक दुर्गाष्टमी, 07 को हरियाली तीज, 08 को विनायक चतुर्थी, 09 को नाग पंचमी, 13 को मासिक दुर्गाष्टमी, 16 को पुत्रदा एकादशी, 19 अगस्त अंतिम सोमवारी और रक्षा बंधन के साथ श्रावण मास का समापन.

रोटरी क्लब ऑफ रांची साउथ का पदस्थापन समारोह

सम्मानित किये गये रथीन भद्रा एवं दीपक श्रीवास्तव.

संवाददाता। रांची

- डायरेक्टर क्लब एडमिनिस्ट्रेशन पद पर रथीन भद्रा पदस्थापित

रोटरी क्लब ऑफ रांची साउथ के 54वें पदस्थापन समारोह में नए सत्र (2024-2-25) के पदाधिकारियों ने पदभार संभाला. अध्यक्ष अरविंद कुमार, सचिव राजा बागची और कोषाध्यक्ष नीरज सिन्हा के अलावा बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने नए सत्र के लिए क्लब की जिम्मेवारी संभाली. मौके पर रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक 3250 चेयरमैन रथीन भद्रा को सीआरपीएफ के डीआईजी डीएन लाल ने समाज के लिए किए गए उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए मोमेंटो देकर सम्मानित किया.इसके आलावा रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक 3250 जोन 6 के असिस्टेंट गवर्नर दीपक श्रीवास्तव भी पानी के क्षेत्र आपने यूनिक इनोवेशन एक्वालाइन व वाटरलाइन वाटर कंजर्वेशन के माध्यम से समाज के लिए काम करने के लिए सम्मानित किए गये.

मौके पर सीआरपीएफडीआईजी डीएन लाल व उनकी धर्मपत्नी सहित फाइनेंशियल गुरु योगेंद्र साहू को भी रोटरी क्लब में शामिल किया गया. पास्ट प्रेसिडेंट निर्मल तिग्गा ने कलर व बटन एक्सचेंज कर डॉ अरविंद को नए अध्यक्ष पद पर पदस्थापित किया. पांडे नीरज राय ने धन्यवाद किया

रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक 3250 के स्ट्वर्डशिप के चेयरमैन मुकेश तनेजा ने पिन लगा कर रथीन भद्रा को रोटरी रांची साउथ के डायरेक्टर क्लब एडमिनिस्ट्रेशन के पद पर पदस्थापित किया. उनके साथ साथ सुशील चौधरी, शिवेंद्र मोहन, सुवेंदु भट्टा, अशोक सिन्हा, सुफल एक्का, साची कुमारी, सुभाष कुमार, श्रवण गिरी, अखिलेश कुमार व पांडेय नीरज गणपत राय को भी पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अनिल सिंह और रेखा सिंह ने पिन लगा कर डायरेक्टर के अलग-अलग पद पर बैठाया. सभी रोटरियंस जिन्होंने पिछले साल (वित्तीय वर्ष 23-24) में कंधे से कंधा मिला कर समाज की सेवा की थी, उन सभी को रोटरी हमसफर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया.

छात्रवृत्ति वितरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोले कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा

कल्याण और शिक्षा विभाग के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक

खास बातें

- प्रोजेक्ट भवन सभागार में आयोजित हुआ कार्यक्रम
- स्कूलों में बाल संसद को मजबूत बनाये जाने पर जोर

विशेष संवाददाता। रांची

आदिवासी कल्याण आयुक्त कार्यालय और पिरामल फाउंडेशन के सहयोग से दो दिवसीय राज्य स्तरीय ई-कल्याण छात्रवृत्ति वितरण प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रोजेक्ट भवन सभागार में आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम में बोलते हुए आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि कल्याण तथा शिक्षा विभाग के अधिकारी मिलकर छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान करने में अपनी भूमिका का निर्वहन करें.

उन्होंने पदाधिकारियों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की तथा समस्याओं का समाधान भी किया. उन्होंने कहा कि कल्याण विभाग और शिक्षा विभाग के बीच समन्वय जरूरी है. दोनों मिलकर छात्रवृत्ति के उद्देश्यों को सफल बनाने के लिए एक साथ काम करें. ऐसा तभी संभव है, जब दोनों विभागों के बीच अच्छा ताल-मेल हो. इसलिए लक्ष्य की प्राप्ति के लिए बेहतर समन्वय के साथ काम करने की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बाल संसद को भी मजबूत होना आवश्यक है, क्योंकि यह बाल संसद बच्चों को लोकतंत्र के संबंध में प्रायोगिक ज्ञान देती है और अच्छे नागरिक बनाने में भूमिका निभाती है.

राज्य स्तरीय ई-कल्याण छात्रवृत्ति वितरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे पदाधिकारी.

छात्रवृत्ति योजना को सफल बनाने के लिए गहन विचार-विमर्श

कार्यक्रम में कल्याण विभाग और शिक्षा विभाग के अधिकारी एक साथ मिलकर इस छात्रवृत्ति वितरण के उद्देश्य को संयुक्त रूप से सफल बनाने के लिए आपस में गहन विचार-विमर्श किया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य आईएनओ और जिला स्तर के पदाधिकारियों को छात्रवृत्ति कार्यक्रमों के प्रभावी प्रबंधन और कार्यान्वयन के लिए नवीनतम जानकारी और रणनीतियां प्रदान करना है. प्रशिक्षण में आवेदन प्रक्रिया, योग्यता मानदंड, वित्तीय प्रबंधन, और छात्रवृत्ति वितरण में पारदर्शिता जैसी विभिन्न चुनौतियों पर गहन विचार-विमर्श हुआ. यह राज्यस्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम था, जो अगले कुछ दिनों में जिला और प्रखंड स्तर पर भी आयोजित किया जाएगा. इसके तहत राज्य के सभी स्कूलों के 35,000 आईएनओ को प्रशिक्षण देना है. इस प्रशिक्षण के माध्यम से अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, और पिछड़े वर्ग के वंचित बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान करना और उन्हें वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की बाधा न आए इस उद्देश्य को हासिल करना है. कार्यक्रम में उपनिदेशक संगीता शरण सहित कई लोग शामिल हुए.

न्यूज अपडेट

डीटीओ ने चलाया सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में डीटीओ अखिलेश कुमार.

रांची। सड़क सुरक्षा के प्रति जागररूकता लाने को लेकर रांची डीटीओ अखिलेश कुमार एवं सड़क सुरक्षा अभियंता गौरव कुमार के द्वारा दीपाटोली कैंप में कारगिल विजय दिवस पर हथियार तथा उपकरणों का प्रदर्शन करते हुए सड़क सुरक्षा का स्टॉल लगाया गया. इस समारोह में उपस्थित आर्मी ट्रक ड्राइवर्स तथा एनसीसी कैंडिडेट का संयुक्त रूप से कॉन्फ्रेंस किया गया. जिसमें डीटीओ अखिलेश कुमार सड़क सुरक्षा अभियंता गौरव कुमार एवं आर्मी पुलिस के अधिकारी उपस्थित थे. गौरव ने एमवी एक्ट तथा इसके उल्लंघन करने वालों पर की जाने वाली कार्रवाई के संदर्भ में बताया. सड़क दुर्घटनाओं में हिट एंड रन से संबंधित जानकारी दी. डीटीओ ने जिलेवासियों से अपील की है कि वाहन चलाते समय सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन जरूर करे.

विश्व आदिवासी दिवस की तैयारी हुई प्रारंभ

विश्व आदिवासी दिवस की तैयारी में आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधि.

रांची। विश्व आदिवासी दिवस को लेकर केंद्रीय सरना समिति एवं विभिन्न आदिवासी संगठनों ने अपनी ओर से तैयारियां शुरू कर दी है. इसे लेकर मंगलवार को मोरहाबादी चिल्ड्रेन पार्क में बैठक हुई. इसका नेतृत्व केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने किया. निर्णय लिया गया कि आगामी 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस को भव्य तरीके से मनाया जायेगा. आदिवासी परंपराओं के अनुसार धूमधाम से अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस मनाया जायेगा. अजय तिर्की ने बताया कि सरहूल के तर्ज पर इस वर्ष विश्व आदिवासी दिवस मनाने का निर्णय लिया गया है. उन्होंने कहा कि इस वर्ष सभी आदिवासी लोग मेन रोड में उतरेंगे और सभी खोड़ा दलों को 5 सखुआ पेड़ और मुर्गा मुर्गी, सहित खोड़ा दलों को 5 हजार रुपया का इनाम देना का घोषणा किया है.

शहीद भगत सिंह सम्मान समारोह 28 को

रांची। गुरु नानक भवन, कृष्णा नगर कॉलोनी में 28 जुलाई को शहीद भगत सिंह सम्मान समारोह होगा. गुरुनानक सेवक जत्था के इस आयोजन में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ मुख्य और डॉ अजय छाबड़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में हिस्सा लेंगे. मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि मौके पर राज्य के मानवतावादी को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए जत्था सम्मानित करेगा. इसके लिए 70 लोगो का चयन किया गया है. सूरज झंडई ने बताया कि मौके पर रक्तदान शिविर भी लगाया जायेगा. रौनक ग्रोवर,हरविंदर सिंह मिढ़ा,करण अरोड़ा, पीयूष मिढ़ा, आयुष पपनेजा, रुद्र गिरधर, हर्ष सरदाना, इनीश काठपाल, वंश डावरा, आकाश पपनेजा, कशिश नागपाल, गीतांशु गांधी, हर्षित बजाज, आयुष गांधी, गीतांशु तेहरी आदि इसकी तैयारी में लगे हैं.

श्रीश्याम मंदिर में किया गया 111 वां सुंदरकांड पाठ

रांची। श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड में मंगलवार को 111 वां सुंदर कांड और हनुमान चालीसा पाठ किया गया. शाम चार बजे मुख्य यजमान मुकेश बरनवाल, राधा देवी बरनवाल ने सपरिवार संग हनुमान के दरबार में पूजा-अर्चना कर अखंड ज्योति प्रज्वलित की. श्रीश्याम मित्र मंडल के उपमंत्री अनिल नारनौली ने पूजन कराया. इसके बाद श्रीगणेश वंदना के साथ पाठ प्रारंभ हुआ. मनीष सारस्वत और ओम शर्मा ने सहयोगियों संग ढोलक, डफली, झांझ, करताल के सुरताल के साथ सस्वर पाठ कर भक्ति की अविरल धारा बहायी. पाठ के समापन के बाद बालाजी की महाआरती उतारी गयी. अध्यक्ष सुरेश सरावगी, उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया, मनीष, सिम्पा, ऋतिक, मुकेश ने इसमें मुख्य रूप से हिस्सा लिया.

इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज में नामांकन प्रक्रिया शुरू

रांची। रांची विश्वविद्यालय के मोरहाबादी कैंपस में अवस्थित इंस्टीट्यूट ऑफ़ लीगल स्टडीज में नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गयी है. यह जानकारी इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो. एसएन मिश्र ने दी है. उन्होंने बताया कि प्रक्रिया के प्रथम चरण में बीबीए, एलएलबी (ऑनर्स) एवं एलएलएम में नामांकन फार्म मिलना शुरू हो गया है. आगामी 10 अगस्त इच्छुक छात्र नामांकन फॉर्म लेकर इंस्टीट्यूट के कार्यालय में जमा कर सकेंगे.

सेल सीईटी ने उत्सव के साथ स्थापना दिवस मनाया, पौधरोपण किया

रांची । स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के सेंटर फॉर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीईटी) ने अपना 43वां स्थापना दिवस भव्य समारोहों और सामुदायिक कार्यक्रमों के साथ मनाया. सीईटी परिवार के बच्चों और महिलाओं ने अपने कलात्मक कौशल से स्वास्थ्य और पर्यावरण जागरूकता पर बीते पखवाड़े में कई उत्कृष्ट कार्यक्रमों का आयोजन किया. कार्यक्रम के दौरान रांची सदर अस्पताल के सहयोग रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. उत्सव के दौरान इस्पात भवन में सीईटी कार्यालय की छत पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, जिसका नेतृत्व निदेशक (तकनीकी, परियोजना और कच्चे माल)ऐके सिंह ने किया. इसके बाद सीईटी ने इस्पात एक्जीक्यूटिव्स हॉस्टल में वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया. कार्यक्रमों में सेल की रांची स्थित इकाइयों के कार्यपालक निदेशक और वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे. उत्सव का समापन रांची में सेल के इस्पात भवन सभागार में एक सांस्कृतिक उत्सव के साथ हुआ.

तीर्थ दर्शन योजना के तहत द्वारिका तथा सोमनाथ भेजे गये 820 श्रद्धालु

हटिया स्टेशन से सोमनाथ के लिए पर्यटक स्पेशल ट्रेन को रवाना करते अधिकारी.

संवाददाता ।रांची

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत हटिया स्टेशन से सोमनाथ के लिए पर्यटक स्पेशल ट्रेन खुली. जेटीडीसी के जीएम आलोक प्रसाद, जीएम राजीव सिंह, एमडी प्रेम रत्न ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इस ट्रेन से झारखंड के 820 हिन्दू धर्मावलंबियों को द्वारिका-सोमनाथ धाम की यात्रा पर भेजा गया. इसमें रांची के 72 धर्मावलंबी भी शामिल हुए. इस दौरान पर्यटन, रेलवे और आईआरसीटीसी के पदाधिकारी मौजूद रहे. बता दें झारखंड मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत बीपीएल श्रेणी के लाभुक तीर्थयात्रियों को तीर्थ दर्शन कराया जा रहा है.

जेटीडीसी के एमडी प्रेम रंजन ने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत करीब 820 लोगों को द्वारका और सोमनाथ की तीर्थ यात्रा पर भेजा जा रहा है. यह आज प्रारंभ हुई है और आईआरसीटीसी इसकी नोडल एजेंसी है, सबके खाने-पीने और सुरक्षा का जिम्मा इन्हें मिला है. इसमें जो लोग आर्थिक अभाव के कारण तीर्थ यात्रा में नहीं जा पाए, उन्हें भेजा जाता है.

आईआरसीटीसी के जॉइंट डायरेक्टर राजेंद्र गोलबन ने कहा कि इस ट्रेन को ऐसा बनाया गया है, इसमें गर्म खाना मिलेगा. इसमें जो लोग इस ट्रेन से जाते हैं, उन्हें निशुल्क खाना और घूमने के लिए भेजा जाता है. तीर्थ स्थल पर पहुंचकर द्वारकाधीश और सोमनाथ के दर्शन कराए जाएंगे.

परमवीर अब्दुल हमीद के नाम हो कांटा टोली फलाईओवर

संवाददाता। रांची

परमवीर अब्दुल हमीद स्मारक समिति की बैठक सुल्तान कॉलोनी कांटाटोली में समिति अध्यक्ष मो इम्तियाज की अध्यक्षता में हुई, जिसमें कांटाटोली परमवीर अब्दुल हमीद चौक पर स्थित स्मारक स्थल के नामकरण को कैबिनेट से मंजूरी दिलाने एवं कांटाटोली फ्लाई ओवर का नाम परमवीर अब्दुल हमीद फ्लाई ओवर रखने पर विचार विमर्श किया गया. समिति अध्यक्ष ने कहा कि हमारी समिति 40 वर्षे से लगातार परमवीर अब्दुल हमीद का शहादत दिवस कांटा टोली अब्दुल हमीद चौक पर मनाती आ रही है. रांची की पूर्व मेयर रमा खलखो के समय में ही इस चौक का नामकरण परमवीर अब्दुल हमीद के नाम पर करने का प्रस्ताव रांची नगर निगम की ओर से दिया गया था. लेकिन इस चौक का सुंदरीकरण आज तक सरकार की ओर से नहीं कराया गया, यह दुर्भाग्यपूर्ण है. परमवीर अब्दुल हमीद चौक को भव्य बनाया जाए, इस स्थल का सौंदर्यकरण किया जाए एवं कांटा टोली फलाई ओवर का नाम परमवीर अब्दुल हमीद के नाम पर रखा जाए. समिति ने यह मांग सरकार से की है. इन सभी मांगों को लेकर परमवीर अब्दुल हमीद स्मारक समिति का प्रतिनिधिमंडल जल्द अल्पसंख्यक कल्याण एवं नगर विकास मंत्री हफीजुल हसन से मिल कर मांग पत्र सौंपेगा. मौके पर महासचिव अधिवक्ता अख्तर हुसैन, सचिव मो शहाबुद्दीन, जमैतुल कुरैश के प्रदेश अध्यक्ष मुजीब कुरैशी, चिश्तिया पंचायत के अध्यक्ष इश्तियाक, लोक सेवा समिति के अध्यक्ष नौशाद खान, चांद खान, मो जाहिद, मो शकील, शहजाद मलिक, बुलंद, परवेज कुरैशी, आशिक कुरैशी एवं कांटाटोलीवासी शामिल थे.

उर्दू से जुड़े ज्वलंत मुद्दों से कराया अवगत

रांची। अंजुमन तरक्की उर्दू (हिंद) झारखंड के प्रतिनिधिमंडल ने जेएमएम के महासिचव सुप्रियो भट्टाचार्य, सीपीआई (एमएल) के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य और विधायक विनोद सिंह से मंगलवार को मिल कर उर्दू के संबंध में 7 सूत्री ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन के माध्यम से बताया कि 24 वर्षों की लंबी अवधि के बाद भी झारखंड सरकार ने उर्दू को उसका उचित स्थान नहीं दिया है. उर्दू अकादमी के गठन सहित प्लस टू के 512 सरकारी विद्यालयों में उर्दू इकाई की व्यवस्था नहीं होने से उर्दू पढ़ने वाले बच्चे अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने के बुनियादी अधिकार से वंचित हो रहे हैं. 16 अक्टूबर 2007 की अधिसूचना के क्रियान्वयन अभी तक नहीं हो पाया है. जहां दस या उससे अधिक लड़के-लड़कियां उर्दू पढ़ रहे हैं, वहां उर्दू इकाई की स्थापना सुनिश्चित की जाए, हालिया आदेश के माध्यम से सर्वेक्षण सूची से उर्दू का नाम हटाने पर नाराजगी जताई गई है.

ज्ञापन लेते जेएमएम के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य.

आयोजन रातू डायट में संकुल साधनसेवियों के दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

अलग-अलग पत्रों व निर्देशों से शिक्षक, छात्र कनफ्यूज्ड

संवाददाता। रांची

प्रोजेक्ट इंपैक्ट, प्रोजेक्ट रेल, एफएलएन सहित अन्य विषयों पर डायट रातू में मंगलवार को रांची जिले के संकुल साधनसेवियों की दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया. कार्यशाला के दौरान संकुल साधन सेवियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों के अनुभवों, स्कूलों में होने वाले बदलाव तथा सकारात्मक पहलुओं पर चर्चा की गई. कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की सोनालिका गरई, अनुप शुक्ला एवं डायट की सोनाली मिंज ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सीआरपी से उनके अनुभवों को साझा किया. इस मौके पर लापुंग प्रखंड के संकुल साधनसेवी मनोज कुमार साहु ने राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय कातिंगकेला,बेडो. के विकास कुमार गुप्ता ने बेड़ो के नेहालू पंचायत अन्तर्गत उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय डीपा टोली तथा अब्दुल नासिर ने नरकोपी के विद्यालयों के सकारात्मक बदलाव पर प्रकाश डाला. वहीं रांची सदर की पम्मी कुमारी, रागिनी सिन्हा एवं रीना कुमारी ने कहा कि जब-तक सीआरसी में बंद किए गए आवर्ती प्रशिक्षण को पुनः शुरू नहीं किया जाएगा तब तक मुश्किलें आती रहेगी.

प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लेते जिले के संकुल साधनसेवी एवं प्रशिक्षक.

खास बातें

- प्रोजेक्ट इंपैक्ट के कार्यक्रम संबधी निर्देशों का व्यापक प्रभाव
- शिक्षकों को सहयोग व बेहतर मार्गदर्शन की जरूरत

उन्होंने कहा कि विद्यालय में आमूल चूल परिवर्तन के लिए शिक्षकों को सहयोग और बेहतर मार्गदर्शन की जरूरत है. संकुल में होने वाली बैठकों को पुनः शुरू करने से सकारात्मक बदलाव एवं परिणाम देखने को मिलेगा.

इस मौके पर कार्यशाला के पहले दिन कई पहलुओं पर चर्चा की गई. सभी संकुल साधन सेवियों ने एक स्वर में कहा कि एक ही दिन में कई अलग-अलग पत्रों एवं निर्देशों से शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं कन्फ्यूज हैं. एसएमसी के चुनाव में बदलाव जरूरी है.

उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट इंपैक्ट के कार्यक्रम संबधी निर्देशों का व्यापक प्रभाव पड़ा है. परंतु इसमें और सुधार की जरूरत है. इस दौरान डायट की प्राचार्य दीप्ति कुमारी ने संकुल साधनसेवियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया. इस मौके पर अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के साकेत कुमार, डायट की नीता सहित अन्य प्रशिक्षकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

पांच से आठ महीने में बदले जा रहे एसपी

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड में पांच से आठ महीने के दौरान ही जिले के एसपी का तबादला कर दिया जा रहा है. कई ऐसे जिले हैं, जहां के एसपी हाल के दिनों में पांच से आठ माह के अंदर ही बदल दिये गये. इनमें बोकारो, गुमला, देवघर, रामगढ़ और सरायकेला जिला शामिल है.

जनहित के बहाने बदल दिए जा रहे हैं एसपी : राज्य के ज्यादातर जिलों में एसपी एक साल से लेकर डेढ़ साल तक ही रह पाते हैं. इनका तबादला जनहित के नाम पर कर दिया जाता है, भले ही उस जिले में बेहतर काम कर रहे हों. जानकारी के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि एक जिले या एक पोस्ट पर कम से कम दो साल की तैनाती की जाए, जब तक कोई गंभीर आरोप या भ्रष्टाचार की शिकायत न हो.

कहां-कहां के एसपी बदले गये

- 27 जुलाई 2023 को डॉ विमल कुमार को सरायकेला का एसपी बनाया गया था और 29 फरवरी 2024 को तबादला कर दिया गया.
- **10 सितंबर 2023 को हरविंदर सिंह गुमला एसपी बने थे और छह महीने के अंदर ही यानी 29 फरवरी 2024 को उनका तबादला कर दिया गया.**
- 29 फरवरी 2024 को मनीष टोप्पो सरायकेला के एसपी बने थे और चार महीने के बाद ही 30 जून को तबादला कर दिया गया.
- **27 जुलाई 2023 को प्रियदर्शी आलोक बोकारो के एसपी बने थे. उनका सात महीने के अंदर ही यानी 29 फरवरी 2024 को तबादला कर दिया गया.**
- 29 फरवरी 2024 को विमल कुमार रामगढ़ एसपी बने थे और पांच महीने बाद ही 21 जुलाई 2024 को उनका तबादला कर दिया गया.
- **चार अप्रैल 2024 को राकेश रंजन को देवघर एसपी बनाया गया और ढाई महीने बाद ही 18 जून 2024 को तबादला कर दिया गया.**
- देवघर का भी यही हाल रहा. यहां 28 अप्रैल 2020 से लेकर छह अप्रैल 2022 तक तीन एसपी का तबादला किया गया.

झामुमो ने कहा-आम आदमी नहीं, सत्ता बचाने का आम बजट, भाजपा ने बताया सर्वसमावेशी

बजट को सत्ताधारी दलों ने सराहा, विपक्ष ने नकारा

आम बजट से 27 राज्य गायब कुर्सी-सत्ता बचाओ बजट : सुप्रियो

रांची। झामुमो ने देश के नरेंद्र मोदी नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के आम बजट पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है. पार्टी महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो

भट्टाचार्य ने कहा कि यह आम बजट आम आदमी का बजट नहीं है. यह कुर्सी और सत्ता बचाओ बजट है. इस बजट से यह पूरी तरह से प्रतीत हुआ कि केंद्र की सत्ता अपनी स्थिरता के लिए इतनी डरी और सहमी हुई है कि उसे आंध्र प्रदेश को विशेष लाभ पहुंचाना है, साथ-साथ बिहार को भी. थोड़ा बहुत ओडिशा के लिए भी. बाकी 27 राज्य लगता है कि इस देश में ही नहीं है. यह चुनाव में जिस प्रकार से मुद्दा विहीन होकर भाजपा ने केवल और केवल सांप्रदायिक बातें की, उसी का ही यह झलक दिखता है. झारखंड जैसे राज्य जो सबसे ज्यादा खनिज संपदा देता है, उसकी कहीं कोई आवाज नहीं उठी. महाराष्ट्र जो पूरे देश का जेएसटी पेय करता है, उसके बारे में सोचा तक नहीं गया. केवल आंध्र और बिहार और कुछ हद तक ओडिशा जहां से सरकार टिकी है. जहां-जहां बैसाखी है, सरकार की विकलांगता सामने आ गयी. उक्त बातें भट्टाचार्य ने आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही. भट्टाचार्य ने कहा कि बजट को नौ प्वाइंट को हाईलाइट किया गया. जिसमें सबसे उपर कृषि को रखा गया. लेकिन विडंबना यही है कि 2019-20 वित्तीय वर्ष में जिस कृषि क्षेत्र के लिए 6.5 प्रतिशत बजट का हिस्सा हुआ करता था, आज वह घटकर 3.9 प्रतिशत पर आ गया. एमएसपी की कोई चर्चा नहीं हुई. जो मोटा क्रॉप जिससे पेट भरा जाता है, उस पर कोई बातें नहीं हुई.

माकपा बोली प्रतिगामी संकुचनकारी आम बजट

रांची। सीपीआइ(एम) के मुरलीधरन बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि बेरोजगारी के उच्च स्तर, उच्च खाद्य मुद्रास्फीति दर, असमानताओं में अभूतपूर्व वृद्धि और निजी निवेश में मंदी की आर्थिक वास्तविकताओं के संदर्भ में, बजट को आर्थिक गतिविधियों के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए था. इसके बजाय, इसके प्रस्ताव संकुचनकारी और प्रतिगामी होंगे. इससे लोगों पर केवल और अधिक मुसीबतें बढ़ेंगी और निवेश तथा रोजगार सृजन का स्तर गिरेगा. बजट के आंकड़े बताते हैं कि सरकार की राजस्व कमाई 14.5 फीसदी बढ़ी, जबकि खर्च सिर्फ 5.94 फीसदी बढ़ा. आर्थिक गतिविधियों के विस्तार के लिए इस राजस्व का उपयोग करने के बजाय, इसका उपयोग राजकोषीय घाटे को कम करने, अंतर्राष्ट्रीय वित्त पूंजी को खुश करने के लिए, सकल घरेलू उत्पाद के 5.8 प्रतिशत से 4.9 प्रतिशत तक करने के लिए किया गया है.

बड़े पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने वाला बजट: सुबोध

रांची। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत किया गया बजट बड़े-बड़े पूंजीपतियों (कॉर्पोरेट घरानों) को लाभ पहुंचाने

वाला बजट है. यह देश की जनता का नहीं, बल्कि विशेष तौर पर ए न ड ीए सरकार का बजट है. उन्होंने कहा कि कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, पर्यटन आदि के क्षेत्र में बजट में कोई नया प्रावधान नहीं किया गया है. आर्थिक सर्वेक्षण भी महज आइवॉश है. कहा कि केंद्र सरकार द्वारा युवाओं को रोजगार देने और बेरोजगारी दूर करने की दिशा में बजट में कुछ भी प्रावधान नहीं किया गया है. महंगाई पर नियंत्रण के लिए भी आम जनता को राहत नहीं दी गई. सरकारी कर्मचारियों व सेवानिवृतकर्मियों को भी इस बजट से घोर निराशा हुई है.

लोस चुनाव में हार का बदला बजट में झारखंड से लिया : राजेश ठाकुर

रांची। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश बजट को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने झारखंड के लिए निराशाजनक बताया है. उन्होंने

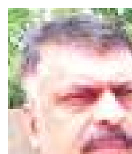

कहा कि झारखंड प्रधानमंत्री मोदी के सौतेलेपन का उदाहरण बनकर रह गया है. झारखंड में लोकसभा चुनाव में मिले हार का बदला भाजपा ने केंद्रीय बजट में चुकाया है. उन्होंने कहा किया आश्चर्यजनक है कि कुल बजट का सिर्फ एक से दो प्रतिशत तक की राशि का प्रावधान पूरे देश में शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में किया गया है और बातें उत्पादकता बढ़ाने की कर रहे हैं. प्रधानमंत्री मोदी को इस बजट में राजनीतिक सहयोग की कीमत चुकाने की विवशता साफ दिखाई पड़ रही है. अर्थव्यवस्था के विकास का इंजन निजी खपत के रिकॉर्ड सुस्ती पर बजट पूरी तरह मौन है. 2016 से 2022 के बीच में 24 लाख उत्पादक कंपनियां बंद हो चुकी हैं, इनके लिए सिर्फ क्रेडिट गारंटी की बात की गई है, ठोस कुछ भी नहीं किया गया है. बजट में जिस फिजिकल कंसोलिडेशन की बात की गई है, उस लक्ष्य 4.5% को यूपीए की सरकार ने 2014 में ही पा लिया था. किसानों को राहत पहुंचाने के लिए सीधे तौर पर बजट में प्रावधान नहीं किया गया है, जिससे किसानों के आय में वृद्धि हो सके इसके विपरीत रिसर्च और कृषि संबंधित क्षेत्र के लिए प्रावधान किया जाना पिछले दरवाजे से कॉरपोरेट सेक्टर को फायदा पहुंचाने की कोशिश है, जो इस क्षेत्र से जुड़े हुए हैं. उन्होंने कहा कि इस बजट में ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया है, जिससे आम उपभोक्ताओं को महंगाई से राहत मिले.

आम बजट किसान व युवा विरोधी मुख्य मांगें दरकिनार: डॉ. सुनीलम

किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व विधायक डॉ सुनीलम ने आम बजट को किसान- युवा विरोधी बताते हुए कहा है कि किसानों की मुख्य मांगों

को केंद्र सरकार ने दरकिनार किया है. एमएसपी की कानूनी गारंटी, संपूर्ण कर्ज मुक्ति, कृषि उपकरणों से जीएसटी खत्म करने और प्रत्येक किसान परिवार को 10 हजार रुपये मासिक पेंशन देने की मांगों को लेकर बजट में कोई प्रावधान नहीं किया गया है, जिससे लगता है कि सरकार किसानों को अपने मुद्दों पर आंदोलन तेज करने के लिए प्रेरित कर रही है. डॉ सुनीलम ने कहा कि देश का कुल बजट 48 लाख करोड़ रुपये का है, जिसमें से कृषि के लिए केवल 1.52 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं. इसका अर्थ है कि 65% किसानों की आबादी को भारत सरकार ने 3% बजट आवंटित किया है, जो किसानों के साथ-साथ ग्रामीण भारत के साथ भेदभाव है.सरकार ने किसानों के बजट को उत्पादन बढ़ाने पर केंद्रित किया है, जिसके माध्यम से सरकार बीज उत्पादन करने वाले मोनसेंटो जैसी कंपनियों को भारत के बीज बाजार पर एकाधिकार कायम करने में मदद करना चाहती है. डॉ सुनीलम ने कहा कि सरकार ने एक करोड़ बेरोजगारों को 5 साल में 5 हजार रुपये प्रति माह एक साल तक देने की घोषणा की है. यह वही सरकार है, जो 2014 में दो करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा कर सत्ता में आयी थी. वही सरकार अब 20 लाख बेरोजगार युवाओं को एक साल के लिए 5000 रुपये प्रति माह देने का वादा कर रही है, जिसका अर्थ है कि केंद्र सरकार ने सेना की अग्निवीर योजना का बेरोजगारों में विस्तार किया है.

सर्वसमावेशी व विकसित भारत के संकल्पों को साकार करने वाला बजट : बाबूलाल मरांडी

रांची। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत

आम बजट 2024-25 सर्वसमावेशी एवं विकसित भारत के संकल्पों को साकार करने वाला बजट है. यह बजट 140 करोड़ देशवासियों की आशा एवं आकांक्षाओं के अनुरूप समाज के सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास को भी गतिशीलता प्रदान करेगा. प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने मुद्रा लोन की सीमा 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख की है, जिससे हमारे राज्य के गरीब आदिवासी भाइयों बहनों को बिना किसी गारंटर के सरलता से ऋण प्राप्त होगा. बाबूलाल ने कहा कि आदिवासी समाज की उन्नति एवं उन्हें विकास के मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री ने विश्वसनीयता की गारंटी दी है. प्रधानमंत्री का यह अनमोल तोहफा झारखंड में आदिवासियों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा. आत्मनिर्भर भारत का मार्ग प्रशस्त करने वाले इस लोक कल्याणकारी बजट के लिए प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री का आभार.

विकसित भारत की प्रतिबद्धता को पूर्ण करने की दिशा में आम बजट ऐतिहासिक : संजय सेठ

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह सांसद संजय सेठ ने देश के वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा वर्ष

2024- 25 का बजट पेश करने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा यह बजट विकसित भारत की प्रतिबद्धता को पूर्ण करने की दिशा में बजट ऐतिहासिक है. यह बजट मध्यवर्गीय, किसान, महिलाएं ,और युवाओं, को सशक्त बनाते हुए संभावनाओं के नए द्वार खोलेगा. इस बजट में किसान, मध्य वर्ग और युवाओं को बड़ी सौगात दी गई है. कृषि क्षेत्र में 1.52 लाख करोड़ रुपए दिए गए हैं. युवाओं के लिए रोजगार व कौशल प्रशिक्षण से जुड़ी पांच योजनाओं के लिए दो लाख करोड़ आवंटित किए गए हैं. सेठ ने कहा कि 500 बड़ी कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए जाएंगे. वहीं एक करोड़ छात्रों को 5000 रुपए मासिक भत्ता दिया जाएगा. हायर एजुकेशन के लिए 10 लाख तक लोन, कैंसर मरीजों को राहत देते हुए तीन दवाओं पर सीमा शुल्क पूरी तरह हटाने का प्रस्ताव यह मध्य वर्ग के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगा.

अमर कुमार बाउरी ने बजट की सराहना की, बोले-समग्र विकास के लिए की है परिवर्तनकारी पहल

रांची। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने बजट की सराहना करते हुए कहा कि झारखंड के हिस्से में कई

योजनाओं की सौगात मिली है. बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्वोदय योजना ला रही है. इसके अंतर्गत इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए विशेष स्कीम की घोषणा की गई है. इन क्षेत्रों में सरकार औद्योगिक गलियारे का भरपूर हर तरीके से समर्थन व सहयोग करेगी. झारखंड के आदिवासी बहुल गांव होंगे लाभान्वित आदिवासियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए "प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान" शुरू होगा. योजना आदिवासी-बहुल गांवों-आकांक्षी जिलों में आदिवासी परिवारों के लिए संतृप्ति कवरेज को अपनाएगी. इससे 63,000 गांवों को कवर किया जाएगा, जिससे 5 करोड़ आदिवासी लोगों को लाभ होगा. बाउरी ने कहा कि झारखंड के दूरदराज के गावों को जोड़ा जाएगा. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण की शुरुआत की जाएगी.

बजट में देश के समग्र विकास की सोच, जो सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी: लंबोदर

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव व गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने केंद्रीय वित्त मंत्री

निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश किए गए आम बजट का स्वागत किया है. उन्होंने कहा कि यह बजट विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने व देश को मजबूत बनाने वाला है. साथ ही देश के सर्वांगीण विकास के मार्ग को भी प्रशस्त करने वाला है. बजट में देश के समग्र विकास की सोच है. यह बजट आधारभूत संरचना जहां मजबूत करेगा वहीं नियोजन में भी वृद्धि करेगी. बजट में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की प्राप्ति के साथ-साथ गांव के लोगों को बेहतर सुविधा मिले, इसको लेकर भी कारगर प्रयास किए गए हैं. मध्यम वर्गों के हितों का ध्यान रखा गया है.शिक्षा, रोजगार व स्वरोजगार, किसान, युवा, महिला बजट में सबों का ध्यान रखा गया है. उन्होंने बजट में झारखंड सहित पांच राज्यों के लिए पूर्वोत्तर योजना प्रारंभ किए जाने का स्वागत किया और कहा कि इस योजना से झारखंड के मानव संसाधन विकास, अव संरचना व आर्थिक अवसरों के सृजन शामिल किया जाएगा.

केंद्रीय बजट विकसित भारत के निर्माण को पूरा करने वाला : मुंडा

पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा है कि यह बजट विकसित

भारत के चार स्तंभ- युवा, गरीब, महिला, किसान सभी के सशक्तीकरण के लिए समर्पित है. यह बजट विकसित भारत के भविष्य निर्माण का बजट है. आदिवासियों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए विशेष प्रस्ताव किए गए हैं.

विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने वाला साबित होगा बजट : सुदेश महतो

आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि आम बजट

2024-25 विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा. बजट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के साथ ही गांव, गरीबों, किसानों, युवाओं, उद्यमियों के आर्थिक व सामाजिक विकास की परिकल्पना को पूरा करेगा.

वित्त मंत्री ने आम बजट में सभी वर्गों का ध्यान रखा है: चंद्रप्रकाश चौधरी

रांची। आजसू पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष व गिरिडीह के सांसद

चंद्र प्रकाश चौधरी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट को सबों के हित में बताया है. उन्होंने कहा कि इस बजट में हर वर्ग ध्यान रखा गया है. शिक्षा व रोजगार पर फोकस किया गया है. ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने को लेकर जरूरी कदम उठाए गए हैं.

आम बजट पर झारखंड चैंबर का मंतव्य

देश को विकसित भारत बनाने का बजट है : किशोर

झारखंड चैंबर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि गरीब, मध्यम वर्गीय, महिला और युवाओं पर केंद्रित देश को विकसित भारत बनाने का बजट है. सरकार ने सबका ख्याल रखने की कोशिश की है. 1 करोड़ युवाओं को 500 बडी कंपनियों में इंटर्नशिप से जोड़ने से युवा शक्ति का सदुपयोग होगा.

बजट में इंक्लूसिव ग्रोथ की बात की गई है : आदित्य

चैंबर उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि बजट में इंक्लूसिव ग्रोथ की बात की गई है, सिडबी बैंक की नई नई शाखाएं खुलने से उद्योग की सबसे बड़ी अनिवार्यता फंड की समस्या का समाधान होगा, बैंकों का रीच बढ़ने से इसका लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिलेगा. मुद्रा लोन की सीमा बढ़ना स्वागतयोग्य है.

झारखंड में टूरिज्म विकास की बजट में अनदेखी: राहुल

उपाध्यक्ष राहुल साबू ने कहा कि झारखंड जैसे राज्य में जहां टूरिज्म विकास की अपार संभावनाएं हैं. इसकी अनदेखी बजट में की गई है. राज्य के टूरिज्म डेवलपमेंट को लेकर हमारी शुरू से मांग रही है, राज्य में माईंस, मिनरल्स की प्रचुरता को देखते हुए इससे जुडे.उद्योगों का जाल बिछे, इसको लेकर योजना का उल्लेख नहीं है.

इकोनॉमी के लिए अच्छा साबित होगा बजट: परेश गट्टानी

महासचिव परेश गट्टानी ने कहा कि बजट के माध्यम से कस्टम ड्यूटी को काफी रेसनलाइज किया गया है, मोबाइल, चार्जर समेत आम उपभोक्ताओं से जुड़ी चीजें सस्ती होंगी. सोना चांदी के आयात पर कस्टम ड्यूटी घटाकर 6 फीसदी किया गया है. ओवरऑल इकोनॉमी के लिए ये अच्छा बजट है.

मुद्रा लोन की सीमा 20 लाख रुपये करना स्वागतयोग्य : शैलेश

सह सचिव शैलेश अग्रवाल ने कहा कि ओवरऑल संतुलित बजट है, मुद्रा लोन की सीमा बढ़ाकर 20 लाख करना स्वागतयोग्य है. इससे स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे आनेवाले लोगों को काफी सुविधा होगी तथा कैपिटल की समस्या का समाधान संभव होगा. इसके अलावा अन्य प्रस्ताव भी स्वागत योग्य हैं.

रेंटर हाउसिंग स्कीम की मंजूरी स्वागतयोग्य

सह सचिव अमित शर्मा ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि और रोजगार सृजन पर सरकार ने अपनी प्रतिबद्धता बजट के माध्यम से दर्शायी है. 12 औद्योगिक पार्कों को मंजरी, मुद्रा लोन की लिमिट को बढ़ाना, उद्योगों में काम करनेवाले लोगों के लिए रेंटर हाउसिंग स्कीम की मंजूरी स्वागतयोग्य है.

समावेशी विकास को बढ़ावा देने वाला आम बजट: ज्योति

कोषाध्यक्ष ज्योति कुमारी ने कहा कि बजट आर्थिक लचीलापन और समावेशी विकास को बढ़ावा देगा. झारखंड के परिप्रेक्ष्य में प्रत्यक्ष तौर पर कुछ एनांउसमेंट नहीं है किंतु ओवरऑल जो एनाउसमेंट हुआ है. कस्टम ड्यूटी घटाने से मोबाइल और चार्जर सस्ते होने का फायदा सभी लोग ले सकते हैं.

एमएसएमई पर ध्यान दिया गया बजट में : विजय

प्रवक्ता विकास विजयवर्गीय ने कहा कि बजट में एमएसएमई सेक्टर पर अधिक कम ब्याज वाली लोन, अनुसंधान के लिए अलग व्यवस्था तथा बाजार उपलब्ध कराने की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया है जो प्रशंसनीय है .पूर्वांचल कॉरिडोर की बात कही गई हैं और एक बड़ा वित्तीय सहायता की गई है.

इंटर्नशीप प्रोग्राम बेहतर परिणाम देगा: डॉ. अभिषेक

कार्यकारिणी सदस्य डॉ अभिषेक रामाधीन ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर में 11 लाख 11 हजार करोड़ तक बजट बढ़ाया गया है, मुद्रा लोन की सीमा को 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख किया जाना स्वागतयोग्य है. 1 करोड़ विद्यार्थियों के लिए 500 बडी कंपनियों में इंटर्नशीप का प्रोग्राम बेहतर परिणाम देनेवाला साबित होगा.

इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ेगा तो सभी राज्यों को मिलेगा : अखौरी

कार्यकारिणी सदस्य संजय अखौरी ने कहा कि बजट विशेष राज्यों पर केंद्रित नजर आता है. बहरहाल बजट में किये गये उपबंध से यदि किसी राज्य का इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ेगा तो उसका लाभ हर राज्य को मिलेगा .एमएसमएई को बूस्ट करने तथा आइटी सेक्टर को प्रोत्साहित करने पर सरकार ने इच्छाशक्ति दिखाई है.

नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म्स योजनाएं शामिल : नवजोत

कार्यकारिणी सदस्य नवजोत अलंग ने कहा कि बजट में कृषि की उत्पादकता को बढाना, रोजगार और कौशल विकास, इंक्लूसिव मानव संसाधन विकास, मैनुफैक्चरिंग, उर्जा की सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर, इनोवेशन और नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म्स की योजनाओं को शामिल किया गया हैं.

विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने वाला : ओम

चैंबर के पूर्व अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि बजट विकसित भारत के उद्देष्यों को पूरा करने वाला है. नौकरी पेशा, युवा, महिलाओं के लिए खास फोकस किया गया है जो सराहनीय है. व्यापार उद्योग के विकास के लिये ठोस पहल की जरूरत थी, सीनियर सीटीजन के लिए बजट में कुछ नहीं होने से थोडी निराशा हुई.

इन्वेस्टर्स के लिए यह बजट अच्छा नहीं : गाडोदिया

चैंबर के पूर्व अध्यक्ष रंजीत गाडोदिया ने कहा कि शेयर मार्केट में निवेश करने वाले इन्वेस्टर्स के लिए यह बजट अच्छा नहीं रहा क्योंकि शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन, लांग टर्म कैपिटल गेन को सरकार ने बढ़ाया है जिससे बाजार में नेगेटिव इंपैक्ट आयेगा और काफी टैक्स के रूप में पैसा इंवेस्टर का निकलेगा.

एक बार फिर झारखंड अछूता रह गया : विनय

पूर्व अध्यक्ष विनय अग्रवाल ने कहा कि सहयोगी दलों का बजट है. जिस तरीके से प्रधानमंत्री द्वारा लक्षदीप को केंद्र में रखकर टूरिज्म डेवलपमेंट के प्रति केंद्र का नजरिया देखा गया था उससे ऐसा लगा था कि ऐसा सभी राज्यों के प्रति देखने को मिलेगा किंतु हर बार की तरह फिर एक बार बजट में झारखंड अछूता रह गया.

आम बजट से बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे: प्रवीण जैन

पूर्व अध्यक्ष प्रवीण जैन छाबड़ा ने कहा कि संतुलित बजट है, इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए सरकार ने बड़ा ऐलान करते हुए 11.11 लाख करोड रुपये पूंजीगत व्यय के लिए आवंटित किये हैं, जो देश की जीडीपी का 3.4 फीसदी है. इससे निश्चित ही बडे.बदलाव देखने को मिलेंगे. सरकार ने इन्कम टैक्स के न्यू रिजीम में भी रेट में मामूली बदलाव किये हैं.

रोजगार व मिडिल क्लास पर भी किया फोकस: धीरज तनेजा

पूर्व अध्यक्ष धीरज तनेजा ने कहा कि बजट का फोकस रोजगार, मिडिल क्लास, एमएसएमई, कृषि और स्किलिंग पर है. बजट में शहरी विकास, उर्जा सुरक्षा, नवाचार और सुधार पर भी फोकस किया गया है. राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर कार्यक्रम के तहत 12 औद्योगिक पार्कों को मंजूरी दिया जाना स्वागतयोग्य है.

विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करेगा : कुणाल

पूर्व अध्यक्ष कुणाल अजमाणी ने कहा कि बजट सर्वसमावेशी है. कृषि, रोजगार, सामाजिक न्याय, शहरी विकास, उर्जा सुरक्षा, उद्योग-व्यापार के विकास पर केंद्रित है जो देश को विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करेगा. रोजगार सृजन, कौशल विकास आदि पर पर्याप्त आवंटन सुखद है.

बजट में विकसित भारत की झलक दिखी : सरावगी

पूर्व अध्यक्ष आरके सरावगी ने कहा कि संतुलित बजट है जिसमें विकसित भारत की झलक है. बजट में सभी वर्गों का ख्याल रखा गया है, युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर निर्माण किये गये हैं. मध्यम वर्ग के लोगों को आयकर में राहत दी गई है. बजट के अन्य प्रावधान भी बेहतर परिणाम देने वाले हैं.

बजट से झारखंड को भी मिलेगा लाभ: दीपक मारू

पूर्व अध्यक्ष दीपक मारू ने कहा कि बजट रोजगार को लेकर उपयुक्त है. इस्टर्न रिजन के डेवलपमेंट की प्रतिबद्धता दिखाते हुए 50 हजार करोड़ रुपये का बजटीय उपबंध किया गया है. हमें उम्मीद है कि हमारे झारखंड को भी इसका लाभ मिलेगा. बजट के आइने में भविष्य के भारत का सुनहरा चेहरा दिखता है.

बजट में रोजगार को दूसरी प्राथमिकता दी गई है : महेश

पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार ने कहा कि वित्त मंत्री ने रोजगार को प्राथमिकता देने के साथ ही इस दिशा में और भी ठोस कदम उठाने की योजना का उल्लेख किया गया है. रोजगार और स्किलिंग दोनों को बार-बार साथ में दोहराया गया है. रोजगार को कृषि के बाद दूसरी प्राथमिकता दी गई है.

आम लोगों को फायदा, स्टार्टअप को मिलेगा बढ़ावा

आम बजट से आम लोगों को फायदा होगा और स्टार्टअप को बढ़ावा मिलेगा. आम जन के उपयोग में आने वाले

आरके गाड़ोदिया, वरिष्ठ सीए

सामानों में कस्टम ड्यूटी घटा देने से सबको फायदा मिलेगा. बजट में सोना, चांदी पर कस्टम ड्यूटी घटा कर 6 फीसदी, लेदर और जूतों पर भी कस्टम ड्यूटी घटाई गई है. वहीं टेलीकॉम उपकरणों के साथ पर मोबाइल फोन और चार्जर पर कस्टम ड्यूटी घटाई गई है. स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एंजेल टैक्स को खत्म कर दिया गया है.नए टैक्स रिजीम में में 17,500 रुपए की बचत होगी. नए टैक्स स्लैब में 3 से 7 लाख की आय पर 5 फीसदी टैक्स, 7 से 10 लाख की आय पर 10 फीसदी टैक्स, 10 से 12 लाख की आय पर 15 फीसदी टैक्स, 12-15 लाख की आय पर 20 फीसदी टैक्स और 15 लाख से अधिक की कमाई पर 30 फीसदी टैक्स निर्धारित किया गया है. एजुकेशन लोन पर तीन फीसदी छूट देने से छात्रों को राहत मिलेगा. इससे उच्च शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा. बजट में राज्य के लिए अच्छी बात यह है कि लोन की समी बढ़ा दी गई है. एनपीएस वात्सल्य योजना के तहत माता-पिता भी निवेश कर पाएंगे. एफडीआइ कानून को और आसान बनाया जाएगा. युवाओं के रोजगार के लिए दो लाख करोड़ रुपए की 5 योजनाएं काफी मददगार साबित होंगी.

प्रत्यक्ष करों में व्यापक परिवर्तन

बजट 2024 में प्रत्यक्ष करों में व्यापक परिवर्तन किया गया है. न्यू टैक्स रिजीम के तहत तीन लाख तक कोई कर नहीं, तीन से सात

पूजा शुक्ला, कंपनी सेक्रेट्री

लाख तक पांच प्रतिशत, सात से दस लाख तक 10 प्रतिशत, 10 से 12 लाख तक 15 प्रतिशत, 12 से 15 लाख तक 20 प्रतिशत और 15 लाख से ऊपर 30 प्रतिशत टैक्स का प्रावधान किया गया है. सैलरी और पेंशनभोगियों का स्टैंडर्ड डिडक्शन लाभ क्रमशः 75,000 और 35,000 किया गया है. ओल्ड टैक्स रिजीम में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है. अप्रत्यक्ष करों में भी बदलाव किया गया है, जिससे सोना, चांदी, दवा और मेडिकल इक्विपमेंट सस्ता होगा.

नए इनकम टैक्स रिजीम से सैलरी क्लास को फायदा

आम बजट बेहद संतुलित और विकास को बढ़ावा देने वाला. पूर्वोदय स्कीम से झारखंड में आर्थिक गतिविधियां

संजीव बजाज, जीएम, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट

बढ़ेंगी. केंद्र ने बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के विकास के लिए जो पूर्वोदय स्कीम की घोषणा की है, उससे मानव संसाधन विकास के साथ बुनियादी सुविधाओं का भी विकास होगा. नए इनकम टैक्स रिजीम से सैलरी क्लास वालों को फायदा होगा. सिक्योरिटी ट्रांजेशन टैक्स से नए निवेशकों को थोड़ा कम प्रोत्साहन मिलेगा. लांग टर्म के लिए निवेश करने वालों को फायदा होगा. स्टैंडर्ड डिडक्शन को 50 हजार से बढ़ा कर 75 हजार कर दिया गया है. बजट में आदिवासियों के उत्थान की भी बात कही गई है. इनके सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू करने की घोषणा की गई है. वहीं बजट में टूरिज्म पर जोर दिया गया है. इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे. वहीं मुद्रा लोन की लिमिट 10 लाख से बढ़ कर 20 लाख रुपए कर दी गई है. इससे लोगों को अपने स्टार्टअप शुरू करने में फायदा होगा. बजट में युवाओं पर भी फोकस किया गया है. 500 शीर्ष कंपनियों में 1 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने के लिए योजना शुरू की जाएगी.

आम बजट 2024

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को देश का आम बजट पेश किया. यह मोदी 3-0 का पहला और उनका रिकॉर्ड 7वां बजट था. वह लगातार 7 बजट पेश करने वाली पहली वित्त मंत्री बन गई हैं. उन्होंने मोरारजी देसाई का रिकॉर्ड तोड़ा है. इस दौरान वित्त मंत्री ने कई घोषणाएं भी कीं. घोषणाएं होते ही पक्ष के लोगों ने वाह-वाह किया है. वहीं विपक्ष ने इसे जनता से बहुत दूर का बजट करार दिया है.

न्यू टैक्स रिजीम में राहत

17500 तक का सीधा फायदा » **ओल्ड टैक्स रिजीम वाले घाटे में**

किसानों के लिए खोला खजाना, 1.52 लाख करोड़ रुपये आवंटित

लगातार न्यूज नेटवर्क। मोदी 3-0 सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले बजट में कृषि और किसानों के लिए खजाना खोल दिया गया है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल के बजट में किसानों का खास ध्यान रखा है और किसानों की कमाई में इजाफा करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं. बजट में किसानों और कृषि क्षेत्र के 1.52 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है. इस फंड से कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों के लिए योजनाएं बनाई जाएंगी. इस दौरान निर्मला सीतारमण ने पिटारे से किसानों के लिए कई योजनाएं निकाली हैं. बजट 2024 में केंद्रीय सरकार का फोकस कृषि के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, कृषि में तकनीक को बढ़ावा देने और प्राकृतिक खेती की ओर किसानों का रुझान बढ़ाने पर रहा है. हालांकि, बजट में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि में बढ़ोतरी और एमएसपी को लेकर कोई घोषणा नहीं की गई है.

कृषि क्षेत्र

किसानों के लिए खुला सरकार का पिटारा

डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई): देश के 400 जिलों में डीपीआई का उपयोग करते हुए खरीफ फसलों का डिजिटल सर्वेक्षण किया जाएगा. पांच राज्यों में जन समर्थ आधारित किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे. झींगा मछली ब्रूडस्टॉक के लिए केन्द्रीकृत प्रजनन केंद्रों का नेटवर्क स्थापित करने हेतु वित्तीय सहायोग उपलब्ध कराया जाएगा. ग्रामीण अर्थव्यवस्था की वृद्धि और रोजगार सृजन में तेजी लाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सहयोग नीति तैयार की जाएगी. किसानों के लिए 32 कृषि और बागवानी में फसलों की 109 उच्च-पैदावार और जलवायु-अनुकूल किस्में जारी की जाएंगी. क्रियान्वयन में सहायता के लिए 10 हजार आवश्यकता आधारित जैव-इनपुट संसाधन केंद्र स्थापित किए जाएंगे. देश भर में 1 करोड़ किसानों को प्रमाणीकरण और ब्रांडिंग के माध्यम से प्राकृतिक खेती की शुरुआत की जाएगी.

घर-परिवार

बच्चों के लिए ऐसे करें बचत, मिलेगा फायदा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में 'एनपीएस-वात्सल्य' योजना की भी घोषणा की है. वित्त मंत्री ने कहा, 'एनपीएस-वात्सल्य के रूप में नाबालिग बच्चों के लिए माता-पिता और अभिभावकों द्वारा योगदान की एक योजना शुरू की जाएगी. नाबालिग के वयस्क होने पर योजना को निर्बाध रूप से सामान्य एनपीएस खाते में परिवर्तित किया जा सकता है.' राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस), केंद्र सरकार [illegible] इस योजना को 'एनपीएस-वात्सल्य' नाम दिया है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि एनपीएस-वात्सल्य योजना के तहत माता-पिता अपने नाबालिग बच्चों के नाम पर निवेश कर सकेंगे.

गरीब-मध्यम वर्ग

एक करोड़ परिवारों को घर, मिलेगी सब्सिडी

बजट भाषण में वित्त मंत्री ने एलान किया कि प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में तीन करोड़ अतिरिक्त घरों की घोषणा की गई है. इसके लिए आवश्यक आवंटन किया जा रहा है. औद्योगिक श्रमिकों के लिए छात्रावास शैली के आवासों के साथ किराये के आवास बनाए जाएंगे. प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश से एक करोड़ शहरी गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों की आवास की जरूरतों को पूरा किया जाएगा. [illegible]

मध्यम वर्ग के लिए राहत

पारिवारिक पेंशन पर बढ़ी छूट की सीमा

[illegible] सालाना आय पर 20%, और 15 लाख से अधिक की आय पर 30% आयकर लगेगा. सरकार ने स्टैंडर्ड डिडक्शन को 50 हजार से बढ़ाकर 75 हजार रुपये कर दिया है. पारिवारिक पेंशन पर छूट की सीमा 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रुपये की जा रही है. वित्त मंत्री ने कहा कि इन दोनों बदलावों से चार करोड़ नौकरीपेशा और पेंशनर्स को फायदा मिलेगा. वित्त मंत्री ने कहा कि केवल उन मामलों में आयकर आकलन को 3 साल बाद फिर से खोला जाएगा, जहां बची हुई आय 50 लाख रुपये और उससे अधिक है. वित्त मंत्री ने कहा कि दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर को 10 से बढ़ाकर 12.5% किया गया और दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ छूट 1 लाख से बढ़ाकर 1.25 लाख किया गया.

इन्फ्रास्ट्रक्चर

औद्योगिक केंद्र का विकास किया जाएगा

अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारे के तहत गया में औद्योगिक केंद्र का विकास किया जाएगा. 26 हजार करोड़ रुपए की कुल लागत से इन सड़क संपर्क परियोजनाओं का विकास किया जाएगा. [illegible]

उद्योग

खनिज मिशन शुरू किया जाएगा

100 शहरों में या उसके आसपास निवेश के लिए प्लग एंड प्ले औद्योगिक पार्कों का निर्माण किया जाएगा. राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकास कार्यक्रम के तहत 12 औद्योगिक पार्कों को मंजूरी दी जाएगी. [illegible] खनिज मिशन शुरू किया जाएगा.

शहरी विकास

पीपीपी मोड पर मकानों का निर्माण होगा

[illegible]

ऊर्जा सुरक्षा

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना चालू

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 1.28 करोड़ से ज्यादा पंजीकरण किए गए और 14 लाख आवेदन प्राप्त हुए. [illegible]

ऋण-रोजगार

मुद्रा योजना में मिलेगा 20 लाख तक ऋण

[illegible] लेकर वित्त मंत्री ने संसद में बजट पेश करने के दौरान मुद्रा लोन को लेकर एक बड़ा एलान किया. तो चलिए जानने की कोशिश करते हैं कि ये एलान किया है और किन्हें इसका लाभ मिल सकेगा. दरअसल, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऐलान किया कि अब मुद्रा लोन 20 लाख रुपए तक मिल सकेगा. जबकि इससे पहले ये लोन सीम 10 लाख रुपए तक की थी. ऐसे में इस घोषणा से मुद्रा लोन लेने वाले लोगों को सीधे तौर पर लाभ मिल सकता है. सरकार ने इस योजना की शुरुआत साल 2015 में की थी.

मोबाइल- दवाइयां सस्ती

वित्त मंत्री ने बजट भाषण में कहा कि मोबाइल फोन और उपकरणों के घरेलू उत्पादन में इजाफा हुआ है. मोबाइल फोन, मोबाइल चार्जर पर सीमा शुल्क घटाया जाएगा. वित्त मंत्री ने कहा मोबाइल फोन और मोबाइल पीसीबीएस तथा मोबाइल चार्जर पर बीसीडी को घटाकर 15% करने का प्रस्ताव करती हूं. इसके चलते देश में मोबाइल और मोबाइल उपकरण सस्ते होंगे. वित्त मंत्री ने कहा, 'प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की शुरुआत की गई है, जिसके तहत छतों पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे, जिससे 1 करोड़ परिवारों को हर महीने 300 यूनिट तक निशुल्क बिजली मिल सकेगी. यह योजना इसे और बढ़ावा देगी. बजट के दौरान वित्तमंत्री ने कैंसर रोगियों को बड़ी राहत दी है. सरकार ने कैंसर की तीन दवाओं से कस्टम ड्यूटी हटाने का एलान किया है. कैंसर की कुछ दवाएं और कैंसर के उपचार में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण सस्ते होंगे. इससे रोगियों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है. गौरतलब है कि कैंसर की समस्या तेजी से बढ़ती जा रही है और इसका उपचार प्राप्त करना और दवाओं पर खर्च आम आदमी की जेब पर बड़ा भार डालता है. वित्त मंत्री निर्मला ने चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के तहत मेडिकल एक्स-रे मशीनों में उपयोग के लिए एक्स-रे ट्यूब और फ्लैट पैनल डिटेक्टरों पर आयात शुल्क हटाने की घोषणा की है. कैंसर के मरीजों के लिए तीन और दवाओं को पूरी तरह सीमा शुल्क से मुक्त कर दिया जाएगा. एक्सरे ट्यूब, फ्लैट पैनल डिटेक्टर में भी सीमा शुल्क घटाया जाएगा. सोने और चांदी पर सीमा शुल्क छह फीसदी और प्लेटिनम पर 6.4 फीसदी सीमा शुल्क घटाया जाएगा. एक करोड़ परिवारों को हर महीने मिलेगी 300 यूनिट मुफ्त बिजली.

सोने का भाव करीब 4000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक घट गया

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने अपना पहला बजट पेश कर दिया है और इसमें सोना-चांदी को लेकर एक बड़ा ऐलान किया गया है. इसके बाद सोने की कीमतों में अचानक बड़ी गिरावट देखने को मिली है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बजट भाषण खत्म होते-होते सोने का भाव करीब 4000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक घट गया. एमसीएक्स पर यहां पहुंचा भाव वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में सोने और चांदी समेत अन्य मेटल्स पर कस्टम ड्यूटू घटाने का ऐलान किया है. सरकार ने सोना और चांदी पर पहले से लागू कस्टम ड्यूटी कम करके अब 6% कर दिया है.

पहली नौकरी

सीधे खाते में आएंगे 15 हजार, पीएफ भी सरकार देगी, 2.1 करोड़ युवाओं के लिए बड़ा ऐलान: वित्त मंत्री ने पहली बार नौकरी पाने वालों को तोहफा दिया है. सीतारमण ने कहा कि संगठित क्षेत्र में पहली बार नौकरी की शुरुआत करने वालों को एक महीने का वेतन दिया जाएगा. यह वेतन डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए तीन किस्तों में जारी होगा.

1. **पहली बार नौकरी पाने वालों को तोहफा** : सीतारमण ने कहा, रोजगार और कौशल विकास सरकार की नौ प्राथमिकताओं में से एक है. इसके तहत पहली बार नौकरी करने वालों को बड़ी मदद मिलने जा रही है. संगठित क्षेत्र में पहली बार नौकरी की शुरुआत करने वालों को एक महीने का वेतन दिया जाएगा. यह वेतन डीबीटी के जरिए तीन किस्तों में जारी होगा. इसकी अधिकतम राशि 15 हजार रुपए होगी. ईपीएफओ में पंजीकृत लोगों को यह मदद मिलेगी. योग्यता सीमा एक लाख रुपये प्रति माह होगी. इससे 2.10 करोड़ युवाओं को फायदा होगा.

2. **पीएफ में एक महीने का योगदान** : वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार रोजगार से जुड़ी तीन योजनाएं शुरू करेगी. उन्होंने कहा कि एक महीने का पीएफ (भविष्य निधि) योगदान प्रदान करके नौकरी बाजार में प्रवेश करने वाले 30 लाख युवाओं को प्रोत्साहन प्रदान करेगी. उन्होंने घोषणा की कि कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए देश में कामकाजी महिला छात्रावास स्थापित किए जाएंगे.

3. **एक करोड़ युवाओं को टॉप-500 कंपनियों में 12 महीने इंटर्नशिप और हर महीने भत्ता** : वित्त मंत्री निर्मण सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा कि सरकार एक करोड़ युवाओं को अगले पांच साल में टॉप-500 कंपनियों में इंटर्नशिप का मौका देगी. यह इंटर्नशिप 12 महीने की होगी. इसमें युवाओं को कारोबार के वास्तविक माहौल को जानने और अलग-अलग पेशे की चुनौतियों से रूबरू होने का मौका मिलेगा. इसके तहत युवाओं को हर महीने पांच हजार रुपए का भत्ता भी दिया जाएगा. यही नहीं, उन्हें एकमुश्त मदद के रूप में छह हजार रुपए दिए जाएंगे. कंपनियों को अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत प्रशिक्षण का खर्च और इंटर्नशिप की 10 फीसदी लागत को वहन करना होगा.

4. **1000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को अपग्रेड किया जाएगा** : उन्होंने कहा, मुझे कौशल विकास और राज्य सरकारों व उद्योग जगत के साथ सहयोग के लिए प्रधानमंत्री पैकेज के तहत चौथी योजना के तौर पर केंद्र की नई प्रस्तावित योजना की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है. पांच साल की अवधि में 20 लाख युवाओं को कुशल बनाया जाएगा. एक हजार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को हब में अपग्रेड किया जाएगा.

5. **जलवायु के अनुकूल बीज विकसित करने के लिए धन मुहैया करेगी सरकार** : सीतारमण ने कहा कि सरकार जलवायु के अनुकूल बीज विकसित करने के लिए निजी क्षेत्र और उससे जुड़े विशेषज्ञों व अन्य को धन मुहैया कराएगी.

6. **मनरेगा में परिवार के एक सदस्य को कम से कम 100 दिन का रोजगार** : उन्होंने आगे कहा, पहले मौजूद मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी) योजना में प्रत्येक उस परिवार के कम से कम एक व्यक्ति को 100 दिनों का रोजगार प्रदान किया जाएगा, जिसके वयस्क सदस्य शारीरिक काम चाहते हैं.

शिक्षा

कौशल विकास और रोजगार पर जोर

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2024-25 में उच्च शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार प्रोत्साहन को लेकर महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं. इस बार के केंद्रीय बजट में शिक्षा के क्षेत्र को 1.48 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है. यह शिक्षा क्षेत्र के लिए पिछले साल के मुकाबले और अब तक की सबसे अधिक राशि है. इस बार के शिक्षा बजट में आवंटित राशि से शैक्षिक बुनियादी ढांचे में सुधार लाने, नौकरी के अवसर पैदा करने और पूरे देश में कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ाने की उम्मीद है. वहीं, युवाओं को स्किल्ड बनाना के उद्देश्य से पीएम पैकेज के तहत युवाओं के लिए पांच मुख्य स्कीम की घोषणा की गयी है. इसके लिए दो लाख करोड़ रुपये का फंड आवंटित किया गया है. इस बार के बजट में कामकाजी महिलाओं का भी विशेष ध्यान रखा गया है. इसके अलावा युवाओं के कौशल प्रशिक्षण, आईआईटी संस्थानों के विकास पर भी ध्यान दिया गया है.

रेलवे

इंफ्रास्ट्रक्चर-यात्री सुरक्षा पर जोर

बुजुर्ग रेल यात्रियों को सरकार ने फिर किया निराश : केंद्रीय बजट 2024-25 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से रेलवे को लेकर कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं करने की उम्मीद थी, लेकिन केंद्र ने पूंजीगत व्यय को अंतरिम बजट 2024 में घोषित किए गए अनुसार ही रखा. वित्त मंत्री के बजट भाषण में भारतीय रेलवे का केवल एक बार उल्लेख किया गया, जो उम्मीदों के विपरीत था. इस बजट में रेलवे का फोकस रेल दुर्घटनाओं को कम करने और ढांचागत मतबूती पर रखा गया है. इसके अलावा वंदे भारत, अमृत भारत और बुलेट ट्रेनों पर भी सरकार काम कर रही है. सुरक्षा और यात्री आराम को भी प्राथमिकता दी गई है. हालांकि बुजुर्ग रेल यात्रियों की उम्मीदों पर एक बार फिर पानी फिर गया है. कोरोना काल से बंद बुजुर्गों को रेल टिकट पर मिलने वाली रियायत पर इस बार के बजट में भी कोई चर्चा नहीं है. बुजुर्ग ये मांग बहुत दिनों से कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने उन्हें निराश किया है. कुल मिला कर बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर पर पूरा जोर है. साथ ही यात्रियों की सुरक्षा पर धन खर्च करने की बात कही गयी है.

आइए जानते हैं, रेलवे को क्या-क्या मिला...

नई रेल लाइन बिछाने के लिए 34,603 करोड़ रुपये : मोदी 3.0 सरकार के पहले बजट में नई रेल लाइनों को बिछाने के लिए अनुमानित 34,603 करोड़ रुपये की राशि के आवंटन की योजना है. पिछले आम बजट में यह राशि 34,410 करोड़ रुपये थी. वहीं, दोहरी रेल लाइन बिछाने के लिए बजट की राशि को कम किया गया है. 2024-25 के बजट में अनुमानित 29,312 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जबकि 2023-24 के बजट में 35,046 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे.

रेल यात्रियों की सुविधाओं के लिए 15,511 करोड़ रुपये : इस बजट में रेल यात्रियों की सुविधाओं के लिए 2024-25 के बजट में 15,511 करोड़ रुपये आवंटित करने की योजना है. पिछले बजट में यह राशि 9,618 करोड़ रुपये थी. वहीं, रेलवे की विद्युतीकरण परियोजनाओं के लिए अनुमानित 6472 करोड़ रुपये आवंटित करने की योजना बनाई गई है. यह राशि 2023-24 के केंद्रीय बजट के मुकाबले 1889 करोड़ रुपये कम है. पिछले पूर्ण बजट में यह राशि 8361 करोड़ रुपये थी.

रेलपथ नवीकरण के लिए भी बजट की राशि को बढ़ाया : सिग्नल और दूरसंचार संबंधी कार्यों के लिए भी बजट की राशि बढ़ायी गयी है. इसके लिए इस बजट में 4647 करोड़ रुपये आवंटित करने की योजना है. 2023-24 के आम बजट में यह राशि 3,581 करोड़ रुपये थी. इसी तरह, रेलपथ नवीकरण के लिए भी बजट की राशि बढ़ायी गयी है. इस बजट में इसके लिए 17,652 करोड़ रुपये की राशि आवंटित करने की योजना है. पिछले केंद्रीय बजट में यह राशि 16,826 करोड़ रुपये थी.

जीबीएस मद में 2.52 लाख करोड़ का आवंटन बरकरार : 2024-25 के अंतरिम बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रेलवे को सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) के रूप में 2,52,200 करोड़ रुपये आवंटित किए थे. बजटीय संसाधनों (ईबीआर) से अतिरिक्त 10,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे. बजट 2024-25 में इसे बरकरार रखा गया है. इसके अलावा सरकार की प्राथमिकता सूची में कवच स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली का दायरा बढ़ाने में तेजी लाना भी शामिल है.

आम बजट पेश करने जाती वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

रक्षा मंत्रालय

सेना को 6.21 लाख करोड़ का बजट आवंटन

रक्षा मंत्रालय को कुल बजट का 12.9% और जीडीपी का 2.5% मिलाकेंद्र सरकार ने वर्ष 2024-25 के आम बजट में रक्षा मंत्रालय के लिए अब तक का सर्वाधिक 6,21, 940 करोड़ रुपये का आवंटन किया है, जो कुल बजट का 12.9% है. वहीं, वर्ष 2023-24 में रक्षा मंत्रालय का आवंटन 5,93,537.64 करोड़ रुपये था. रक्षा बजट का आवंटन जीडीपी का लगभग 2.5% है. इस वर्ष के रक्षा बजट में पूंजीगत व्यय के लिए 1.72 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है. रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढाने के लिए घरेलू पूंजीगत खरीद के लिए 1,05,518.43 रुपये आवंटित किये गये हैं. वहीं, सीमा सड़क संगठन के लिए 6500 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जो पिछले बजट की तुलना में 30 % अधिक है. स्टार्टअप, नवाचार तथा छोटी इकाइयों को प्रौद्योगिकी समाधान तथा उन्नयन के लिए आईडेक्स योजना के तहत 518 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है. बजट में रक्षा पेंशन मद में 141.205 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है.

बजट पर नेताओं ने क्या कहा

बजट दूरदर्शी, जनहितैषी व विकासोन्मुखी: अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मंगलवार को संसद में पेश किए गए 2024-25 के आम बजट को दूरदर्शी, जनहितैषी और विकासोन्मुखी करार दिया और कहा कि यह न केवल भारत के उद्देश्य, उम्मीद और आशावाद की नयी भावना का उदाहरण प्रस्तुत करता है बल्कि उन्हें मजबूत भी करता है. शाह ने कहा कि बजट न केवल पीएम के नेतृत्व वाली सरकार के तहत भारत के उद्देश्य, उम्मीद और आशावाद की नयी भावना का उदाहरण देता है.

सशस्त्र बलों को और मजबूत बनाया जाएगा : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा, 'भारत सरकार के वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में रक्षा मंत्रालय के लिए सबसे ज्यादा आवंटन किया है. मैं वित्त मंत्री को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने रक्षा मंत्रालय के लिए 6,21,940.85 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं. ये कुल बजट का 12.9 फीसदी है. 1,72,000 कैपिटल एक्सपेंडिचर हमारे सशस्त्र बलों की क्षमताओं को और मजबूत करेगा. घरेलू पूंजीगत खरीद के लिए 1,05,518.43 करोड़ रुपये का प्रावधान आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन देगा.

सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला बजट : योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को संसद में पेश किये गये केन्द्रीय बजट को 140 करोड़ देशवासियों की आशाओं, आकांक्षाओं और 'अमृत काल' के सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला बजट बताया है. योगी ने 'एक्स' पर अपने संदेश में भी कहा, आम बजट 2024-25 'विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण का आर्थिक दस्तावेज है. उन्होंने कहा, मध्यम वर्ग को बड़ी राहत प्रदान करते हुए प्रत्यक्ष कर प्रणाली के संबंध में नए प्रावधानों की घोषणा स्वागत योग्य है.

आम बजट से हम बहुत खुश हैं : नीतीश कुमार

आम बजट को लेकर बिहार में सियासी बयानबाजी खूब हो रही है. इस बीच सीएम नीतीश कुमार ने मंगलवार को प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि बजट से हम खुश हैं. विशेष दर्जा के लिए हमलोग आंदोलन कर रहे थे. आज जो बोल रहे हैं जब उनकी पार्टी केंद्र में थी तब क्या किए? हम इसके लिए लगातार बोलते रहे हैं. हमने कहा विशेष राज्य जा दर्जा दीजिए या विशेष अधिकार के लिए मदद कीजिए. हम लोगों ने कह दिया था बिहार को मदद करिए उसी में कई चीजों की मदद की घोषणा हुई है.

बजट लक्ष्य को प्राप्त करने की रूपरेखा : भूपेंद्र पटेल

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मंगलवार को पेश केंद्रीय बजट को 'विकासोन्मुखी' बताते हुए कहा कि इसमें 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की रूपरेखा दी गई है. पटेल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट 2047 तक विकसित भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करने की रूपरेखा है. पटेल ने कहा कि यह बजट भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा.

जरूरतों को पहचानने के लिए धन्यवाद : चंद्रबाबू

आंध्र के सीएम ने भी जताई खुशी बजट में आंध्र प्रदेश के लिए की गई घोषणाओं को लेकर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने राज्य की जरूरतों को पहचानने और नई राजधानी अमरावती सहित राज्य में कई विकासों के लिए धन आवंटित करने के लिए केंद्र को धन्यवाद दिया है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को बजट 2024 के दौरान आंध्र प्रदेश के विकास के लिए कई उपायों की घोषणा की, जिसमें अमरावती के विकास के लिए 15,000 करोड़ रुपये की घोषणा भी शामिल है.

पांच साल बाद 'विशेष आवंटन' किया गया : तेदेपा

तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) ने केंद्रीय बजट में पोलावरम परियोजना, औद्योगिक गलियारों और अन्य के लिए घोषित प्रतिबद्धताओं का जिक्र करते हुए मंगलवार को कहा कि पांच साल बाद बजट में आंध्र प्रदेश के लिए विशेष आवंटन किया गया है. आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ तेदेपा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के जरिए कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में आंध्र प्रदेश के पुनर्निर्माण के लिए 15,000 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की गई.

नकलची व मोदी सरकार बचाओ बजट है : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश की तरक्की वाला नहीं, बल्कि मोदी सरकार बचाओ बजट पेश किया है. उन्होंने यह दावा भी किया कि यह नकलची बजट है जिसमें सरकार कांग्रेस के न्याय के एजेंडे की ठीक तरह से नकल नहीं कर पाई है. खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, कांग्रेस के न्याय के एजेंडे को ठीक तरह से कॉपी भी नहीं कर पाया मोदी सरकार का "नकलची बजट" .

उम्मीद वाला कम, मायूस करने वाला ज्यादा : मायावती

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को संसद में पेश केंद्रीय बजट को 'अच्छे दिन' की उम्मीदों वाला कम बल्कि उन्हें मायूस करने वाला ज्यादा बताया है. बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि संसद में पेश केन्द्रीय बजट अपने पुराने ढर्रे पर कुछ मुट्ठी भर अमीर व धन्ना सेठों को छोड़कर देश के गरीबों, बेरोजगारों, किसानों, महिलाओं, मेहनतकशों, वंचितों वाला कम बल्कि उन्हें मायूस करने वाला ज्यादा है.

केंद्रीय बजट पक्षपातपूर्ण और गरीब विरोधी : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को केंद्रीय बजट 2024-25 को 'राजनीतिक रूप से पक्षपातपूर्ण और गरीब विरोधी' करार दिया और राज्य को (लाभ से) 'वंचित' करने के लिए केंद्र की आलोचना की. मुख्यमंत्री ने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल ने ऐसी कौन सी गलती है कि उसे केंद्र ने 'वंचित' कर दिया है. उन्होंने विधानसभा परिसर में संवाददाताओं से कहा, इस केंद्रीय बजट में बंगाल को पूरी तरह से वंचित किया गया है. इसमें गरीबों के हितों का ख्याल नहीं रखा गया है.

दिल्ली को एक पैसा नहीं दिया गया : आतिशी

दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी ने मंगलवार को कहा कि केंद्र को करों के रूप में 2.32 लाख करोड़ रुपये का भुगतान करने के बावजूद केंद्रीय बजट के केंद्रीय करों में दिल्ली को उसके हिस्से के रूप में एक पैसा भी नहीं मिला है. उन्होंने कहा कि दिल्ली ने एमसीडी के लिए बजटीय आवंटन की मांग की थी लेकिन उसे केंद्र से एक भी पैसा नहीं मिला है. वह केंद्र को आयकर के रूप में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक और केंद्रीय जीएसटी के रूप में 25,000 करोड़ रुपये का भुगतान करती है.

वित्त मंत्री ने कांग्रेस का घोषणा पत्र पढ़ा: चिदंबरम

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने केंद्रीय बजट में इंटर्नशिप योजना की घोषणा किए जाने के बाद कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें इस बात की खुशी हुई है कि लोकसभा चुनाव के बाद वित्त मंत्री ने मुख्य विपक्षी दल का घोषणापत्र पढ़ा. पूर्व वित्त मंत्री चिदंबरम ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मुझे यह जानकर खुशी हुई कि माननीय वित्त मंत्री ने चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस का लोकसभा 2024 का घोषणापत्र पढ़ा है. काश, वित्त मंत्री ने कांग्रेस घोषणापत्र में कुछ अन्य विचारों की नकल की होती.

सरकार बचाने वाला यह आम बजट : अखिलेश

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को केंद्रीय बजट में आंध्र प्रदेश और बिहार के लिए की गई घोषणाओं को 'सरकार बचाने' का प्रयास करार दिया और आरोप लगाया कि सरकार ने किसानों और नौजवानों के साथ पूरे देश की अनदेखी की है. उन्होंने कहा, आंकड़ों के हिसाब से बड़ी-बड़ी बातें की जाती हैं, लेकिन जो परियोजनाएं चल रही हैं वो समय पर पूरा नहीं हुई हैं...सरकार बचानी है तो अच्छी बात है कि बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष पैकेज या विशेष योजनाओं से जोड़ा गया है.

राज्य को 'आत्मनिर्भर' बनाने में मददगार होंगी : त्यागी

जदयू ने मंगलवार को आम बजट में बिहार से जुड़ी घोषणाओं का स्वागत किया और कहा कि विकास के ये उपाय राज्य को 'आत्मनिर्भर' बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होंगे. पार्टी प्रवक्ता त्यागी ने राजमार्गों के लिए 26,000 करोड़ रुपये से अधिक और बाढ़ से निपटने के कदमों के लिए 11,500 करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन की सराहना की और इसे बिहार के लिए 'विशेष वित्तीय सहायता' करार दिया.

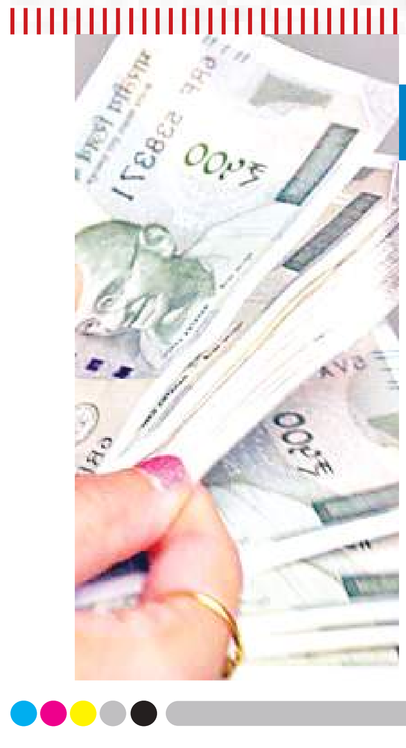

5 लाख तक की कमाई होनी चाहिए थी टैक्स फ्री

टैक्स एक्सपर्ट की राय: आयकर में छूट को ऊंट के मुंह में जीरा

लगातार न्यूज नेटवर्क

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2024 में इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव कर दिया है. वित्त मंत्री ने स्टैंडर्ड डिडक्शन की सीमा को 50 हजार से बढ़ाकर 75 हजार कर दिया गया है. इसके अलावा सरकार ने न्यू टैक्स रिजीम के तहत नए टैक्स स्लैब की घोषणा की है. अब तीन लाख तक की आय पर कोई टैक्स नहीं लगेगा. 3 से 7 लाख तक के टैक्सेबल इनकम पर 5 प्रतिशत इनकम टैक्स देना होगा. 7 से 10 लाख का टैक्सेबल इनकम होने पर 10 फीसदी की दर से आय कर लगेगा. 10 से 12 लाख के टैक्सेबल इनकल पर 15 फीसदी की दर से आयकर लगेगा. 12 से 15 लाख के टैक्सेबल इनकम पर 20 फीसदी आयकर लगेगा. 15 लाख से ज्यादा के टैक्सेबल आय पर 30 फीसदी की दर से आयकर लगेगा. हालांकि आयकर में इस छूट को टैक्स एक्सपर्ट ऊंट के मुंह में जीरा बता रहे हैं. टैक्स एक्सपर्ट मनोज गोयल ने कहा कि ये कटौतियां ऊंट के मुंह में जीरा जैसी ही बात है. उन्होंने कहा कि इसका कुल प्रभाव देखें तो जिनकी कमाई सैलरी से न होकर अन्य स्रोतों से होती है उन्हें 10 हजार का फायदा होगा. जबकि जो नौकरीशुदा लोग हैं उन्हें 25000 स्टैंडर्ड डिडक्शन बढ़ने की वजह से सालाना 17,500 रुपये की बचत होगी.

टैक्स मामलों के एक्सपर्ट प्रदीप झुनझुनवाला ने कहा कि आज की महंगाई में लोग जिस तरह की उम्मीदें रख रहे थे वे पूरी नहीं हुई हैं. उन्होंने कहा कि पहली स्लैब जोकि अभी 0-3 लाख है उसे 0-5 लाख करनी चाहिए थी और इसे टैक्स फ्री करनी चाहिए थी. इसी अनुपात में नीचे के टैक्स स्लैब को भी बढ़ाया जाना चाहिए था. इस हिसाब से ये ऊंट के मुंह में जीरा जैसा ही लगता है. टैक्स विशेषज्ञ झुनझुनवाला ने कहा कि अगर करमुक्त आय 3 से बढ़ाकर 5 लाख कर दिया जाता तो 15 लाख से ऊपर सालाना कमाने वाले व्यक्ति को 60 हजार रुपये की बचत होती. उन्होंने कहा कि ज्यादा अहम बात जो समझने की है वो ये है कि एक तरफ तो टैक्स स्लैब बढ़ा कर उन्होंने थोड़ी सी राहत दी है, लेकिन कई बहुत सारी रियायतें छीन भी ली है. जो लोग स्टॉक मार्केट में निवेश कर रहे थे वहां अगर कोई स्टॉक को एक साल तक के लिए रखता था और उसे बेचता था तो उसे लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन 10 फीसदी देना पड़ता था. लेकिन अब इसे बढ़ाकर 12.5 फीसदी कर दिया गया है. जबकि शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन को 15 फीसदी से बढ़ाकर 20 फीसदी कर दिया गया है. प्रदीप

झुनझुनवाला ने कहा कि इससे टैक्स पेयर्स को ज्यादा कुछ हासिल नहीं होने वाला है. उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से 37500 करोड़ रुपए का भार सरकार पर पड़ेगा, लेकिन सरकार इसी सिस्टम से 30 हजार करोड़ वसूल कर लेगी. एक अन्य टैक्स विशेषज्ञ पुनीत खंडेलिया के अनुसार अब न्यू टैक्स रिजीम की ओर लोगों का रुझान बढ़ेगा. उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री पहले ही कह चुकी हैं कि दो तिहाई लोग न्यू टैक्स रिजीम में शिफ्ट हो चुके हैं. प्रदीप झुनझुनवाला ने भी कहा कि इस बदलाव के बावजूद जिनकी सालाना सैलरी 12 लाख से ऊपर है उनके लिए टैक्स का नया रिजीम ही फायदेमंद है. ओल्ड रिजीम में उन्हें ही फायदा है जो डिडक्शन क्लेम करते हैं और जिनकी सैलरी 10-12 लाख से नीचे है.

बजट घोषणाओं से शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव

एसटीटी बढ़ाने की घोषणा : सेंसेक्स, निफ्टी में गिरावट के साथ बंद

एजेंसी। मुंबई

वायदा एवं विकल्प सौदों पर प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) बढ़ाने का मंगलवार को बजट में प्रावधान किए जाने से घरेलू शेयर बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव रहा. हालांकि, मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी आखिर में मामूली गिरावट के साथ बंद हुए. बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स एक समय 1,200 अंक से ज्यादा गोता लगा गया था. लेकिन बजट भाषण खत्म होने के बाद इसने धीरे-धीरे अपने नुकसान की काफी हद तक भरपाई कर ली. कारोबार के अंत में यह 73.04 अंक यानी 0.09 प्रतिशत की हल्की गिरावट के साथ 80,429.04 अंक पर बंद हुआ. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में वित्त वर्ष 2024-25 का बजट पेश करते हुए वायदा एवं विकल्प सौदों पर लगने वाले कर एसटीटी में बढ़ोतरी और इक्विटी निवेश पर दीर्घकालिक अवधि में होने वाले पूंजीगत लाभ पर कर को बढ़ाने की घोषणा की. बजट में इन कदमों की घोषणा होते ही शेयर बाजार में बड़े पैमाने पर गिरावट देखी जाने लगी. उस समय सेंसेक्स 1,277.76 अंक यानी 1.58 प्रतिशत तक टूटकर 79,224.32 अंक के निचले स्तर पर आ गया था. हालांकि, कर रियायतों और सीमा शुल्क में कटौती ने टिकाऊ उपभोक्ता उत्पादों और दैनिक उपभोग वाले सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) के शेयरों को बढ़ावा देने में मदद की, जिससे शेयर दिन के निचले स्तर से उबरने में सफल रहे. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी 30.20 अंक यानी 0.12 प्रतिशत गिरकर 24,479.05 पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय निफ्टी 435.05 अंक यानी 1.77 प्रतिशत फिसलकर 24,074.20 पर आ गया था. सेंसेक्स के समूह में शामिल टाइटन ने छह प्रतिशत से अधिक की छलांग लगाई जबकि आईटीसी में पांच प्रतिशत से अधिक की बढ़त रही. इनके अलावा अदाणी पोर्ट्स, एनटीपीसी, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और सन फार्मा के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए. दूसरी तरफ लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयर में सर्वाधिक गिरावट देखी गई.

साइट्स एडवाइजर्स के संस्थापक संजय सिन्हा ने कहा, बाजार के नजरिये से अल्पावधि पूंजीगत लाभ कर (एसटीसीजी) को 20 प्रतिशत और दीर्घावधि पूंजीगत लाभ कर (एलटीसीजी) को 12.5 प्रतिशत तक बढ़ाना एक बड़ा झटका है. हमें अल्पावधि में इसकी नकारात्मक प्रतिक्रिया के लिए खुद को तैयार रखना होगा. मेहता इक्विटीज लिमिटेड में वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, बजट घोषणाओं पर बाजार ने तगड़ी प्रतिक्रिया दी लेकिन आखिर में सूचकांक अपने नुकसान की काफी हद तक भरपाई करने में सफल रहे. व्यापक बाजार में बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.74 प्रतिशत की गिरावट रही जबकि स्मालकैप सूचकांक 0.18 प्रतिशत घट गया. इससे पहले के तीन बजट दिवसों पर शेयर बाजार में तेजी का माहौल रहा था. वर्ष 2023 में बजट के दिन सेंसेक्स 158.18 अंक चढ़कर 59,708.08 अंक पर बंद हुआ था. उससे पहले 2022 में बजट के दिन सेंसेक्स ने 848.40 अंक और वर्ष 2021 में 2,314.84 अंक की छलांग लगाई थी.

हुनर और युवा केंद्रित बजट

लोकसभा चुनाव में भाजपा को मिले ठोकर का पूरा असर नरेंद्र मोदी की एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले बजट पर पड़ा है. यही कारण है कि बाजार को यह बजट ज्यादा रास नहीं आया है, जबकि मध्यवर्ग और गरीबों के लिए भी बजट नयी उम्मीदें पैदा कर पाने में भी कामयाब नहीं है. देश में खपत में जारी गिरावट रुकेगी, ऐसा बजट प्रावधानों से नहीं लगता. मांग की कमी को दूर करने का भी ठोस एलान नहीं है. इसके साथ ही रोजगार के स्थायी सृजन के लिए नए उद्यम खोलने की भी पहल नहीं हैं. यह स्पष्ट कर दिया गया है कि मोदी सरकार की पुरानी नीतियां जारी रहेंगी. नयी कारपारेट नीति की बात की गयी है, लेकिन उसकी दिशा क्या होगी, यह नहीं बताया गया है. कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि बजट उम्मीद पैदा करने में कारगर शायद ही साबित होगा. इसका एक बड़ा कारण पिछले दस सालों का वह अनुभव है, जिसमें आर्थिक सुधार के नाम पर बढ़ती असमानता का कहर है. आर्थिक सर्वेक्षण में बताया जा चुका है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में अर्थव्यवस्था में जो 8.2 फीसद वृद्धि का दावा किया गया है, वह अधिकतर रोजगार रहित रही है. अर्थव्यवस्था में देश की आधी से अधिक 15 से 35 वर्ष के बीच विशाल युवा आबादी को रोजगार देने के मौके नगण्य हैं. इसे ध्यान में रखते हुए वित्त मंत्री ने बजट का फोकस रोजगार, हुनर और युवा पर केंद्रित करने का प्रयास किया है, लेकिन स्थायी रोजगार कैसे पैदा होगा, यह नहीं बताया गया है. इसके साथ ही पूर्वोदय योजना के नाम से पूरबी भारत के राज्यों के लिए सौगात देने की पहल की गयी है. इसमें झारखंड, बंगाल, बिहार के लिए विशेष योजना की बात की गयी है. इसके बावजूद आर्थिक असमानता दूर करने के नजरिए से बजट आशा का संचार नहीं कर पाया है. हालांकि यह पूरी कोशिश की गयी है कि बजट मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने वाला साबित हो, ताकि रोजगार सृजन के सपने पैदा किए जा सकें. लेकिन पूरी स्पष्टता का अभाव है. बजट में अगले पांच वर्षों में 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और अन्य अवसरों की सुविधा के लिए पांच योजनाओं और पहलों के प्रधानमंत्री पैकेज की घोषणा की गयी है. इसके तहत शिक्षा, रोजगार और कौशल के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया हैं. मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में किसानों, श्रमिकों, निम्न मध्यवर्ग के लिए भी संभावनाएं पैदा करने की कोशिश की गयी है. निर्मला सीतरामण के इस बजट की नौ प्राथमिकताएं हैं. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि बजट में सरकार की नौ प्राथमिकताएं हैं, जिनमें शामिल हैं खेती में उत्पादकता, रोजगार और क्षमता विकास, समग्र मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, विनिर्माण और सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, अधिसरंचना, नवाचार, शोध तथा विकास और अगली पीढ़ी के सुधार. इसके साथ ही कैंसर की तीन दवाओं को कस्टम ड्यूटी से मुक्त कर दिया गया है. बजट में आयकर को ले कर मध्यवर्गीय उम्मीदें पूरी नहीं होती दिख रही हैं.

> बजट में अगले पांच वर्षों में 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और अन्य अवसरों की सुविधा के लिए पांच योजनाओं और पहलों के प्रधानमंत्री पैकेज की घोषणा की गयी है. इसके तहत शिक्षा, रोजगार और कौशल के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया हैं.

सुभाषित

परोपदेशे पांडित्यं सर्वेषां सुकरं नृणाम् ।
धर्मे स्वीयमनुष्ठानं कस्यचित् सुमहात्मनः ।।

दूसरों को उपदेश देकर अपना पांडित्य दिखाना बहुत सरल है. परन्तु केवल महान व्यक्ति ही उस तरह से धर्मानुसार अपना बर्ताव रख सकता है. अर्थात यदि आपमें सचमुच पांडित्य है तो आपके आचरण और व्यवहार में भी उस पांडित्य को झलकना आवश्यक है.

प्रकृति की चेतावनी : सचेत होने का वक्त

विडंबना यह है कि हम आज भी सिर्फ प्रौद्योगिकी के रास्ते जलवायु परिवर्तन को रोकने की कोशिश कर रहे हैं, मगर यह काफी नहीं है. आवश्यकता है जीवन शैली में व्यापक बदलाव लाने की, जिसमें संपूर्ण मानवता को अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा. विद्यालयों एवं विश्वविद्यालय में पर्यावरण का पाठ्यक्रम जोड़ देने से कुछ खास हासिल नहीं होने वाला. जलवायु परिवर्तन एक सामाजिक, आर्थिक एवं मनोवैज्ञानिक समस्या है, जिसका समाधान भी इन्हीं के माध्यम से होगा.

• देश-काल

डा. प्रमोद पाठक

वर्षों से हम सुनते आ रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है. लेकिन वर्ष 2024 की लंबी और भीषण गर्मी के दौर में अब यह स्पष्ट हो गया कि जलवायु परिवर्तन हो नहीं रहा है, बल्कि हो गया और हम अभी भी इसको स्वीकार करने में कतरा रहे हैं. इस बार जो गर्मी पड़ी इसकी सामान्य भाषा में यदि चर्चा करें तो यह प्रलयंकारी थी और पूरी तरह से अप्रत्याशित रही. बल्कि गर्मी अभी भी जारी है. एक प्रकार से यह संपूर्ण मानवता को एक कड़ी चेतावनी है कि सुधरो या विनाश के लिए तैयार हो जाओ. इस बार प्रकृति ने बड़े साफ तरीके से संकेत दिया है कि अगर अभी भी नहीं बदले तो भयावह परिणाम भुगतना पड़ेगा. धरती माता सचमुच बहुत गुस्से में है और मनुष्य की कुकृतियां अब बर्दाश्त नहीं करने के मूड में है. गर्मी न सिर्फ अपेक्षाकृत काफी लंबी चल रही है, बल्कि काफी तकलीफ देह भी है, क्योंकि साथ में तेज उमस भी झेलना पड़ रहा है. विशेष रूप से भारत के अधिकांश क्षेत्र में. हमारे प्रदेश झारखंड और पास के प्रदेश बिहार एवं उत्तर प्रदेश में तो स्थिति और भी पीड़ा दायक रही. झारखंड का जहां तक सवाल है तो यहां तो बिजली की समस्या गर्मी के कष्ट को और भी बढ़ा देती है. वैसे तो इस बार की गर्मी एक वैश्विक परिघटना है और यूरोप एवं अमेरिका जैसे ठंडे मौसम वाले देशों में भी पिछले कुछ वर्षों में तापमान का पारा 38 से 40 डिग्री सेंटीग्रेड तक चला गया है. और यह बढ़ रहा है.यह बड़ा ही स्पष्ट संदेश है प्रकृति का कि जलवायु परिवर्तन को रोकने के हमारे अब तक के प्रयास बहुत कारगर नहीं साबित हुए हैं और शायद इस पर गंभीर और ईमानदार प्रयास करने की आवश्यकता है.

जलवायु परिवर्तन कोई एक दिन में नहीं हुआ. यह तो मानवीय भूलों की एक लंबी श्रृंखला का परिणाम है और हम निश्चिंत थे कि हमारी हरकतों के कुप्रभाव से धरती पर कोई असर नहीं पड़ेगा, किंतु हम यह भूल गए कि प्रकृति का एक बड़ा ही शाश्वत नियम है कि कर्मों का फल तो भुगतना ही पड़ता है. यह सब हमारे ही दुष्कर्मों का परिणाम है.पर्यावरण की समस्या पर पहली बार सन 1972 में दुनिया के राष्ट्राध्यक्षों ने स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में मंथन शुरू किया था जिसमें भारत की ओर से तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने प्रतिनिधित्व किया था. उस विचार मंथन के फलस्वरूप विश्व पर्यावरण दिवस मनाना शुरू किया गया, ताकि पर्यावरण के प्रति चेतना जागृत की जा सके. मगर पांच दशकों से ज्यादा अर्सा बीत जाने के बाद भी धरातल पर परिस्थितियां कुछ खास नहीं बदली हैं, बल्कि थोड़ा बहुत बिगड़ ही गई हैं. इसका मुख्य कारण यह है कि हमने पर्यावरण की समस्या को दूर करने में आम जन को जोड़ने की कोशिश नहीं की. जबकि पर्यावरण प्रदूषण दूर करने के लिए सबसे अधिक भागीदारी आम आदमी की होनी चाहिए. पर्यावरण प्रदूषण से होने वाला जलवायु परिवर्तन अब खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है और इसे रोकने के लिए एक-एक मनुष्य को अपनी जिम्मेवारी निभानी होगी. छोटी-छोटी कोशिशों से हम बड़े-बड़े परिणाम प्राप्त कर सकते हैं. विडंबना यह है कि हम आज भी सिर्फ प्रौद्योगिकी के रास्ते जलवायु परिवर्तन को रोकने की कोशिश कर रहे हैं, मगर यह काफी नहीं है. आवश्यकता है जीवन शैली में व्यापक बदलाव लाने की, जिसमें संपूर्ण मानवता को अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा. विद्यालयों एवं विश्वविद्यालय में पर्यावरण का पाठ्यक्रम जोड़ देने से कुछ खास हासिल नहीं होने वाला. जलवायु परिवर्तन एक सामाजिक, आर्थिक एवं मनोवैज्ञानिक समस्या है, जिसका समाधान भी इन्हीं के माध्यम से होगा. अपने अहं की तुष्टि और लोभ के प्रभाव के चलते हमने पर्यावरण को नष्ट कर धरती को विनाश की ओर धकेल दिया है. किंतु हम यह भूल गए की विनाश धरती का नहीं हमारा होगा. ओजोन छिद्र और अम्लीय बारिश अब छोटी समस्याएं रह गई हंच और पर्यावरण प्रदूषण ने बहुआयामी स्वरूप अपना लिया है और हमें पर्यावरण की समस्या को समझने के लिए व्यापक एवं विहंगम दृष्टि की आवश्यकता होगी. यह समस्या अब प्राकृतिक अस्थिरता का कारण बन रही है. जंगल की आग से लेकर सुनामी, भूकंप, महामारी सभी में कहीं ना कहीं पर्यावरण की भूमिका है. विकास के नाम पर हमने प्राकृतिक संतुलन को पूरी तरह से बिगाड़ दिया है. नतीजा हम देख रहे हैं. धार्मिक ग्रंथों में प्रलय, कयामत या फैसले की घड़ी का जो संदर्भ है, वह इसी प्राकृतिक असंतुलन को प्रलय का कारण मानता है और यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि मनुष्य के पाप का ही परिणाम प्रलय होता है. यह अवधारणा सभी धर्मों की मान्यता है. आज की परिस्थिति में यदि सच कहा जाए तो पानी सर से ऊंचा हो चला है और त्वरित एवं बृहद प्रयास की जरूरत है. जो मूल बात समझने वाली है वह बड़ी साफ है कि समाधान प्रौद्योगिकी से निकलने वाला नहीं. समाधान मनोविज्ञान से निकलेगा. आदमी की सोच बदलनी होगी. उपभोग की मानसिकता बदलकर संरक्षण की मनोदशा पर काम करना होगा. संसाधनों का दुरुपयोग न कर उपयोग पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है. जल, जंगल और जमीन तीनों का संरक्षण करना होगा. टेक्नोलॉजी बदलना काफी नहीं है. संसाधनों की बर्बादी रोकने की आवश्यकता है. अहं और लोभ पर नियंत्रण करना होगा. अगर अब भी नहीं चेते तो विनाश अवश्यंभावी है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

माया महाठगनी

माया की महिमा वेदों, पुराणों, श्रुतियों, शास्त्रों में सविस्तार गायी गयी है और संसारियों को चेतावनी दी जाती रही है, लेकिन सच तो यह है कि संसार में कोई भी व्यक्ति माया के जाल से स्वयं को बचा नहीं सकता. संत कबीर दास ने तो यहां तक कहा दिया है-माया महाठगनी हम जानी. माया के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों स्वरूप हैं. सकारात्मक स्वरूप में माया सृष्टि और पालन करती है और नकारात्मक स्वरूप में संहार. माया के दलदल से निकलने की जितनी भी कोशिश की जाती है, मनुष्य नीचे और नीचे धंसता चला जाता है. चिंतकों और मनीषियों के अनुसार मोह वश मन, वचन, काया की कुटिलता द्वारा प्रवंचना अर्थात् कपट, धूर्तता, धोखा व ठगी रूप मन के परिणामों को माया कहते हैं. माया व्यक्ति का वह प्रस्तुतीकरण है, जिसमें व्यक्ति तथ्यों को छद्म प्रकार से रखता है. कुटिलता, प्रवंचना, चालाकी, चापलूसी, वक्रता, छल कपट आदि माया के ही रूप है. साधारण बोलचाल में हम इसे बे-ईमानी कहते हैं. अपने विचार अपनी वाणी अपने वर्तन के प्रति ईमानदार न रहना माया है. माया का अर्थ प्रचलित धन सम्पत्ति नहीं है, धन सम्पत्ति को यह उपमा धन में माने जाते छद्म, झूठे सुख के कारण मिली है. माया वश व्यक्ति सत्य का भी प्रस्तुतीकरण इस प्रकार करता है, जिससे उसका स्वार्थ सिद्ध हो. माया ऐसा कपट है, जो सर्वप्रथम ईमान अथवा निष्ठा को काट देता है. मायावी व्यक्ति कितना भी सत्य समर्थक रहे या सत्य ही प्रस्तुत करे अंततः अविश्वसनीय ही रहता है. तथ्यों को तोडना मरोडना, झासा देकर विश्वसनीय निरूपित करना, कपट है. वह भी माया है, जिसमें लाभ दर्शा कर दूसरों के लिए हानि का मार्ग प्रशस्त किया जाता है. दूसरों को भरोसे में रखकर जिम्मेदारी से मुख मोडना भी माया है. हमारे व्यक्तित्व की नैतिक निष्ठा को समाप्त प्रायः करने वाला दुर्गुण 'माया' ही है.. वक्रता प्रेम और विश्वास की घातक है. कपट, बे-ईमानी, अर्थात् माया, शील और चरित्र (व्यक्तित्व) का नाश कर देती है. माया करके हमें प्रतीत होता है कि हमने बौद्धिक चातुर्य का प्रदर्शन कर लिया. सौ में से नब्बे बार व्यक्ति मात्र समझदार दिखने के लिए, बेमतलब मायाचार करता है. किंतु इस चातुर्य के खेल में हमारा व्यक्तित्व संदिग्ध बन जाता है. माया एक तरह से बुद्धि को लगा कुटिलता का नशा है. कपट, अविद्या (अज्ञान) का जनक है. और अपयश का घर. माया हृदय में गडा हुआ वह शल्य है जो निष्ठावान बनने नहीं देता. माया को आर्जव अर्थात् ऋजुता (सरल भाव) से जीता जा सकता है.

आरक्षण की आग में क्यों जल रहा बंगलादेश

• देशांतर

पुष्परंजन

ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग की वेबसाइट खोलते ही एक सूचना सामने आ जाती है, 'सारे वीज़ा अप्लीकेंट नोट कर लें, आज 18 जुलाई को हमारा 'आईवीएसी सेंटर' बंद है.' गुरुवार को सारे दूतावास और वाणिज्यदूत कार्यालय बंद ही रहे. इन देशों ने अपने नागरिकों को सावधान रहने, और फ़िलहाल बांग्लादेश नहीं आने की सलाह दे रखी है. 18 जुलाई को देशव्यापी बंद काफी हिंसक रहा है. ढाका उत्तर में पुलिस फायरिंग में चार लोगों की मौत हुई है. मीरपुर में एक छात्र और आवामी लीग का एक कार्यकर्ता मारा गया. देशव्यापी हिंसा में जिस पैमाने पर लोग घायल हुए हैं, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है. बांग्लादेश टेलीविज़न सेंटर को आग के हवाले कर दिया गया. छात्रों के दो समूहों के बीच देशव्यापी दंगा यदि आपने सुना, और देखा नहीं होगा, तो बांग्लादेश सबसे बड़ा उदाहरण है.पूरे देश में रेल और सड़क परिवहन सेवाओं को एहतियातन बंद कर दिया गया था. कोटा विरोधी प्रदर्शनकारियों ने ढाका के मोहाखाली में रेलवे लाइन को अवरुद्ध कर दिया था. देश के दूसरे हिस्से में भी रेल सेवा सुरक्षित नहीं दिखी. फार्मगेट इलाके में मेट्रोरेल पर हमला कर आगजनी की गई. काफी नुकसान के बाद हसीना सरकार ने हठ योग तोड़ा है. कानून मंत्री अनिसुल हक ने कहा कि मैं और शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी, कोटा सुधार प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत के लिए कभी भी तैयार हैं. सरकार कोटा सुधार के खिलाफ नहीं है, हमने जस्टिस खंडेकर दिलीरुज्जमां की अध्यक्षता में न्यायिक समिति का गठन भी कर दिया है.18 दिनों से चल रहे आंदोलन में 'ऑफ़ द रिकार्ड' 50 लोगों के मरने का अनुमान लगाया गया है. स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए बीजीबी (बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश) को चार जिलों ढाका, बोगरा, राजशाही और चटगांव में तैनात किया गया था. चटगांव, राजशाही, रंगपुर, बोगरा, मैमनसिंह समेत कई जगहों पर बड़े पैमाने पर झड़पें हुई हैं. चटगांव के शोलशहर और मुरादपुर में संस्कार, छात्र लीग और जुबो लीग के बीच हिंसक झड़पों में तीन लोगों की मौत हो गई. हिंसक प्रदर्शनों की चपेट में केवल छात्र ही नहीं, राहगीर और कारोबारी भी आ रहे हैं.'छात्र लीग', सत्तारूढ़ आवामी लीग की छात्र शाखा है, जिसकी स्थापना 4 जनवरी, 1948 को शेख मुजीबुर्रहमान ने की थी, तब उसका नाम, 'ईस्ट पाकिस्तान स्टूडेंट लीग' था. उसे काउंटर करने के वास्ते 'बांग्लादेश जातीयताबादी छात्र दल' (जेसीडी) सड़कों पर दिखता है, जिसकी स्थापना, 1 जनवरी 1979 को बीएनपी के तत्कालीन नेता जनरल ज़ियाउर्रहमान ने की थी. जमाते इस्लामी की छात्र शाखा, 'बांग्लादेश इस्लामी छात्र शिबिर' समय-समय पर इनके साथ खड़ी दिखती है. छात्र आंदोलनकारियों के बहाने क्या खालिदा जिया की बीएनपी को अपना खोया जनाधार मिलेगा? विश्लेषक इसका उत्तर ढूंढ़ रहे हैं.बांग्लादेश के क़ानून मंत्री अनिसुल हक़ बोलते हैं, 'विपक्षी जमात-ए-इस्लामी और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के छात्र विंग के सदस्य, आरक्षण विरोधी आंदोलन में कूद गए हैं. ये यही लोग हैं जिन्होंने हिंसा की शुरुआत की है. कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई सात अगस्त को होनी है. छात्रों को भी मौक़ा दिया गया है कि वो कोर्ट के सामने अपनी दलील रख सकें.' सवाल यह है कि जब देशव्यापी आग लगी हो, तो सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर तत्काल सुनवाई क्यों नहीं कर सकती ?छात्र आंदोलन की आग में घी का काम शेख़ हसीना के हालिया बयान ने भी किया है. शेख़ हसीना ने आरक्षण का विरोध करने वालों के लिए 'रज़ाकार' शब्द का इस्तेमाल किया था. 'रज़ाकार' शब्द का इस्तेमाल कथित तौर पर उन लोगों के लिए क्या जाता है, जिन्होंने 1971 के युद्ध में पाकिस्तानी सेना का साथ दिया था. कई छात्र नेताओं का कहना है कि शेख़ हसीना ने 'रजाकार' से तुलना कर हमारा अपमान किया है.बांग्लादेश में आरक्षण की व्यवस्था मुक्ति संग्राम के बाद शुरू हुई. 5 सितंबर, 1972 को एक सरकारी आदेश में सरकारी अधिकारियों की नियुक्ति में 20 प्रतिशत योग्यता कोटा, 30 प्रतिशत स्वतंत्रता सेनानी कोटा, और 10 प्रतिशत पीड़ित महिला कोटा की शुरुआत की गई. शेष 40 प्रतिशत जिला कोटा रखा गया. 1976 में योग्यता के आधार पर भर्ती को बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दिया गया. 1985 में प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी पदों के लिए 45 प्रतिशत योग्यता आधारित भर्ती नियम लागू किया गया, शेष 55 प्रतिशत कोटे से नियुक्त किये जाते हैं. बाद में दिव्यांगों के लिए 1 फीसदी जोड़ने पर कुल कोटा 56 फीसदी हो जाता है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> कानून मंत्री अनिसुल हक ने कहा कि मैं और शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी, कोटा सुधार प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत के लिए कभी भी तैयार हैं. सरकार कोटा सुधार के खिलाफ नहीं है, हमने जस्टिस खंडेकर दिलीरुज्जमां की अध्यक्षता में न्यायिक समिति का गठन भी कर दिया है.18 दिनों से चल रहे आंदोलन में 'ऑफ़ द रिकार्ड' 50 लोगों के मरने का अनुमान लगाया गया है.

नशे के कारोबार को खत्म करना जरूरी

• विमर्श

मधुरेन्द्र

पिछले कई वर्षों से नशे के कारोबार के खात्मे के लिये तमाम तरह के प्रयास हो रहे हैं, लेकिन अब इसमें तेजी लाकर सरकार कई नए कदम भी उठा रही है. रणनीतिकारों की चिंता है कि कहीं भारत भी दक्षिणी अमेरिका के देशों की तरह नशे के कारोबार में न फंस जाये. उन देशों में युवा वर्ग इस खतरनाक कारोबार में बड़े पैमाने पर फंस गया है और अपने जीवन का नाश कर रहा है. ड्रग्स के धंधे पर कब्जा करने के लिए उन देशों में बड़ी हिंसा हो रही है और निर्दोष लोगों की जानें जा रही हैं. उनकी अर्थव्यवस्थाएं चौपट हो गई हैं और भविष्य अंधकारमय है.इन्हीं चिंताओं के बीच इस कारोबार के खात्मे के लिए लक्ष्य भी रखा है कि 2047 तक देश में नशे के कारोबार को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया जाये, ताकि देश नशे के कुचक्र से मुक्त हो जाये. गृह मंत्रालय की एंटी नॉरकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा लगातार ड्रग्स को जब्त कर उसे नष्ट किया जा रहा है. इसकी सफलता का अंदाजा इन आंकड़ों से लगाया जा सकता है कि 2014 से 2023 तक 12,000 करोड़ रुपये के बराबर 10 लाख 18 हजार किलोग्राम से भी ज्यादा ड्रग जब्त कर नष्ट कर दिए गये. इसके विपरीत 2006 से 2013 में कुल जब्ती डेढ़ लाख किलो की हुई थी, जिसकी कुल कीमत 768 करोड़ रुपये थी. दरअसल, इसके लिए उन देशों का अध्ययन किया गया जहां नशे के कारोबार ने न केवल जीवन को त्रासद बना दिया, बल्कि अर्थव्यवस्थाओं को पैरालाइज कर दिया. ये देश गरीबी के गर्त में जा रहे हैं. इनसे सीख लेकर ही भारत में नशे के कारोबार के खात्मे के लिए कड़े कदम उठाये जा रहे हैं. इसके लिए इसकी तस्करी पर रोक लगाई जा रही है. जिन देशों से ड्रग की स्मगलिंग भारत में होती है, उन पर खास ध्यान दिया जा रहा है. इनमें गोल्डन ट्रिएंगल और गोल्डन क्रीसेंट के देश मसलन उत्तर में अफगानिस्तान, पूर्व में म्यांमार हैं. गृहमंत्रालय का मानना है कि भले ही दुनिया के लिए ये गोल्डन क्रीसेंट और गोल्डन ट्रिएंगल हैं लेकिन हमारे लिए और युवाओं के लिए ये डेथ ट्रिएंगल और डेश क्रीसेंट हैं. इन देशों से होने वाले ड्रग के कारोबार को रोकने के लिए दुनिया अपना नजरिया बदले. दरअसल, नशीले पदार्थों की तस्करी को जड़ से मिटाने के लिए जीरों टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है, जिसके लिए त्रिसूत्रीय रणनीति तैयार की गई है. इसमें पहला है संस्थागत ढांचे को सुदृढ़ बनाकर जवाबदेही सुनिश्चित करना. दूसरा है नार्को संस्थाओं के साथ समन्वय पर जोर देना. तीसरा है जागरूकता अभियानों के माध्यम से देशव्यापी प्रयास करना. इसके अलावा देश के तमाम राज्यों में लगातार एंटी नॉरकोटिक्स टास्क फोर्स का गठन भी किया जा रहा है. इसके लिए सभी राज्यों से राजनीतिक मतभेदों को एकतरफ रख मादक पदार्थ के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की अपील भी की गई है, ताकि नशीले पदार्थ का कारोबार करने वालों के खिलाफ कठोर रुख अपनाया जा सके. निस्संदेह, देश अभी उस मोड़ पर है जब देश में नशे के खिलाफ लड़ाई को लड़कर जीता जा सकता है. जो लोग ड्रग्स का सेवन करते हैं, वे पीड़ित हैं और जो उन्हें बेचते हैं वो अपराधी हैं. इसलिए ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए.पिछले कुछ वर्षों में ड्रग तस्करी के खिलाफ कई कदम उठाए गए हैं जिसके काफी अच्छे परिणाम मिले हैं. राष्ट्रीय नॉरकोटिक कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और एएनटीएफ देश की दूसरी एजेंसियों के साथ समन्वय कायम कर युद्ध स्तर पर कई काम कर रही हैं. अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क पर चोट करने के लिए एनआईए, प्रवर्तन निदेशालय, जांच के लिए सीबीआई, समुद्र से तस्करी रोकने के लिए कोस्ट गार्ड और नौसेना से संयुक्त समन्वय समिति के जरिये काम किया जा रहा है. इन बहुआयामी प्रयासों के कारण जब्त किए गए नशीले पदार्थों की मात्रा में लगभग 160 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इसका कारोबार करने वालों के खिलाफ दर्ज मामलों में 152 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक 2006 से 2013 की अवधि के दौरान दर्ज मामलों की संख्या 1257 थी, जो 2014 से 2023 के दौरान 3 गुना बढ़कर लगभग 3755 हो गई है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> दरअसल, इसके लिए उन देशों का अध्ययन किया गया जहां नशे के कारोबार ने न केवल जीवन को त्रासद बना दिया, बल्कि अर्थव्यवस्थाओं को पैरालाइज कर दिया. ये देश गरीबी के गर्त में जा रहे हैं. इनसे सीख लेकर ही भारत में नशे के कारोबार के खात्मे के लिए कड़े कदम उठाये जा रहे हैं. इसके लिए इसकी तस्करी पर रोक लगाई जा रही है.

मीडिया में अन्यत्र

विकसित भारत के लिए टिकाऊ विकास की राह

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन और वित्त मंत्रालय की उनकी टीम द्वारा तैयार आर्थिक समीक्षा से एक स्पष्ट संकेत नजर आता है. वह यह कि भारतीय अर्थव्यवस्था महामारी से मजबूती से उबर चुकी है, लेकिन विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए टिकाऊ वृद्धि के लिए निरंतर हस्तक्षेप की आवश्यकता होगी तथा कई उभरती आर्थिक और नीतिगत चुनौतियों का सामना करना होगा. महामारी के बाद भारत ने उच्च आर्थिक वृद्धि हासिल की है और इस दौरान उसे वित्तीय स्थिरता के साथ भी समझौता नहीं करना पड़ा. वृद्धि के नजरिये से देखें तो 2023-24 में देश का सकल घरेलू उत्पाद, कोविड के पहले वाले वर्ष यानी 2019-20 की तुलना में 20 फीसदी अधिक था. इसका अर्थ यह हुआ कि हमने 2019-20 से 2023-24 तक 4.6 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि हासिल की.समीक्षा में कहा गया है कि देश का मौजूदा सकल घरेलू उत्पाद वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में महामारी के पहले के स्तर के करीब था. यह भी अनुमान जताया गया है कि देश की अर्थव्यवस्था चालू वर्ष में 6.5 से 7 फीसदी की दर से विकसित होगी. यह दर रिजर्व बैंक के 7.2 फीसदी के अनुमान से कम है. राजकोषीय स्थिति में भी महामारी के समय से अब तक काफी सुधार हुआ है. केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा जो पिछले वर्ष सकल घरेलू उत्पाद के 6.4 फीसदी था, वह वित्त वर्ष 24 में कम होकर 5.6 फीसदी रह गया. कर संग्रह में वृद्धि तथा रिजर्व बैंक की ओर से अनुमान से अधिक स्थानांतरण जहां चालू वर्ष की राजकोषीय स्थिति में राहत प्रदान करेगा, वहीं बढ़ा हुआ सरकारी कर्ज चिंता का विषय है तथा उस पर नीतिगत ध्यान देने की आवश्यकता है. महामारी के बाद की अवधि में वृद्धि सरकार के पूंजीगत व्यय से अधिक संचालित रही है. वित्त वर्ष 24 में सरकार का पूंजीगत व्यय पिछले वर्ष की तुलना में 28.2 फीसदी बढ़ा और वह वित्त वर्ष 20 में दर्ज स्तर का करीब तीन गुना रहा. बहरहाल समीक्षा में इस बात को उचित ही रेखांकित किया गया है कि अब सरकार के बाद इसे आगे बढ़ाने का काम निजी क्षेत्र का है. निजी क्षेत्र के निवेश में सुधार के आरंभिक संकेत नजर आ रहे हैं, लेकिन इस रुझान को बरकरार रखना होगा. जैसा कि समीक्षा में कहा गया है, भविष्य की वृद्धि कई कारकों पर निर्भर करेगी, जिनमें भू-राजनीतिक विभाजन और विभिन्न देशों के बीच बढ़ता अविश्वास शामिल है. उदाहरण के लिए 2023 में करीब 3,000 व्यापार प्रतिबंध लागू किए गए. इसके अलावा नीतिगत योजना में उभरती तकनीकों को शामिल करने का भी वृद्धि और विकास पर असर होगा. बहरहाल यह ध्यान देने वाली बात है कि इनमें से कुछ मुद्दे ज्ञात हैं, लेकिन दिक्कत यह है कि भारत उन्हें भलीभांति नहीं हल कर सका. इस बात ने समय के साथ वृद्धि और विकास संबंधी नतीजों को प्रभावित किया.

(बिजिनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

नित/नित्य/नीति

कुछ लोग कहते हैं वह यहां नित आया करता है. वहीं कुछ लोगों का कहना है वह यहां नित्य आया करता है. इनमें से कौन सही हैं और कौन गलत? पहले वाक्य में जिस नित शब्द का प्रयोग हुआ है, संस्कृत का तत्सम क्रिया विशेषण है. इसलिए आप नित्य कहें या नित, दोनों सही हैं. कुछ स्थानों पर नित शब्द का प्रयोग निमित्त, छिपाया हुआ, अस्वीकृत किया हुआ के रूप में भी होता है. वैसे हिंदी शब्दसागर के अनुसार नित शब्द का अर्थ है प्रतिदिन, रोज, हमेशा, सदा, सर्वदा. नित नया यानी हर दिन नया रहनेवाला, कभी पुराना नहीं पड़नेवाला, सदा ताजा रहनेवाला. नित्य संस्कृत का विशेषण है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार इसका अर्थ है वह जिसकी न तो उत्पत्ति हुई और न ही उसका कभी विनाश होनेवाला है, सदा बना रहनेवाला, अविनाशी, अनश्वर, अखंड और बहुप्रचलित अर्थ प्रतिदिन किया जानेवाला अव्यय के रूप में इसका अर्थ नित की भांति ही सदा, हमेशा, हर रोज है. इससे बने कई शब्द प्रचलित हैं. जैसे नित्य कर्म यानी प्रतिदिन किया जानेवाला कार्य, दैनिक कार्य. नित्यचर्या यानी प्रतिदिन का आचरण या प्रतिदिन नियमित रूप से किया जानेवाला काम, रूटीन. नित्यप्रति यानी हर रोज. मानव जीवन में नीति का महत्वपूर्ण स्थान है. वह नीति ही है, जो एक मनुष्य की मनुष्यता को अजर-अमर बनाती है. उसे सही राह दिखाती है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार नीति तत्सम संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका अर्थ है उचित या ठीक रास्ते पर ले जाने या ले चलने की क्रिया या ढंग, नीतिशास्त्र, व्यवहार, बर्ताव का ढंग, राष्ट्र या समाज की उन्नति या हित के लिए निश्चित आचार-व्यवहार, सदाचार के नियम तथा रीतियां, अच्छा चालचलन, राज्य या शासन की रक्षा तथा व्यवस्था के लिए तय किये गये नियम तथा सिद्धांत, राजनीति, अपना उद्देश्य पूरा करने के लिए किया जानेवाला आचरण, चतुराई भरी चाल, किसी कार्य को संपन्न करने का ढंग या विधि, हिम्मत, तरकीब, युक्ति, उपाय, योजना.

जिन ढूंढा तिन पाइयां गहरे पानी पैठ

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

कहावत तो यही है, लेकिन एक बड़ी मुश्किल यह है पानी की गहराई तक पहुंचा कैसे जाए ? गहरे पानी में आदमी डूब सकता है, किसी तेज़ लहर के साथ बह सकता है. उसकी जान को बड़ा खतरा है. कुछ भी हो सकता है. कहने वाले ने तो कह दिया. वह तो भुगतने के लिए अब है नहीं. अब तुम भुगतो. किसी भी चीज़ की, बात की, चाल की, सांस की गहराई समझना क्या कोई हंसी खेल है? चीज़ सतह पर मामूली सी लगती है लेकिन उसे यदि गहराई से देखा जाए तो वह असाधारण हो सकती है; बात जाहिरा तौर पर उथली लगती है, लेकिन उसका अर्थ बड़ा गहरा हो सकता है; लोग गहरी सासें भरते हैं – अब कौन जाने कितनी गहरी वे होती है; और हां, चाल भी तो गहरी हो सकती है, तेज़ रफ़्तार- चतुराई से भरी. एक दम कौन समझ सकता है इस गहराई को ? 'गहरे पानी पैठ' - गहरे पैठ पाना कोई आसान काम नहीं है. गंगा-जमुनी तहजीब के शहर इलाहाबाद में सावन का महीना वैसे तो शिव की उपासना के लिए मुक़र्रर कर दिया गया है लेकिन यह कौमी एकता का सन्देश भी लाता है. और इस कौमी एकता का दर्शन-दिग्दर्शन इक्कों में जुते घोड़ों की दौड़ की प्रतियोगिता कराती है, जिसे 'गहरेबाजी' कहा गया है. सावन के चारों सोमवार गहरेबाजी के लिए मशहूर हैं. एक निर्धारित समय पर इच्छुक घोड़ेवान अपने अपने घोड़ों को इक्के में सजा कर प्रतियोगिता के लिए सड़क पर ले आते हैं. और शुरू हो जाती है उनकी दौड़ की प्रतियोगिता. इस प्रतियोगिता में घोड़ा हिन्दू का है या मुसलमान का, इसपर ध्यान नहीं दिया जाता. गहरेबाजी में हिन्दू और मुसलमान सब एक हो जाते हैं. कहा जाता है कि भारत में स्वतंत्रता संघर्ष के दिनों में जब अंगरेजों ने 'फूट डालो और राज करो' की नीति अपनाई, उसी दौर में हिन्दू और मुस्लिम का भेदभाव छोड़ कर घोड़ागाडियों के मालिक एक जुट हुए और उन्होंने गहरेबाजी की प्रतियोगिता शुरू की. तब से यह प्रतियोगिता कौमी एकता की मिसाल बनी हुई है. सड़कें तो आप जानते ही हैं, कैसी हैं. जैसी तब थीं वैसी ही अब हैं. बल्कि बढ़ते भ्रष्टाचार के चलते और भी भ्रष्ट हो गईं हैं. ऐसी ही सडकों पर गहरेबाजी संपन्न होती है. सड़क कहीं उखड गयी है तो कहीं उसमे गड्ढे हैं. बहरहाल ऐसी ही सडकों पर घुड़-दौड़ होती है. इससे यह साधारण दौड़ न रहकर बाधा-दौड़ हो जाती है. इसे बाधा दौड करने के लिए सडकों को तो धन्यवाद देना ही चाहिए साथ ही बेतरतीब ट्रैफिक और प्रशासनिक अनदेखी आदि कारकों का भी कम शुक्रगुजार नहीं होना चाहिए. इन दिनों रांची की अच्छी भली सड़कों की जो सद्गति नीचे पाइप बिछानेवालों ने कर रखी है, उसमें गहराई है. चिंतन की गहराई, योजना की गहराई. सड़कों पर गहरे गड्ढे में पानी भरे हैं. उनमें गहरे पैठ कर सरकार और प्रशासन की गहराई का अनुमान किया जा सकता है.

Her Story

रसोई के बर्तन

किसमें पकाएं किसमें बनाएं

पुराने जमाने में सोना-चांदी के बर्तनों में राजा-महराजों के खाने बनाए और परोसे जाते थे. आयुर्वेद की माने तो सोना एक गर्म धातु है. इससे बने बर्तनों में खाना खाने से हमारा शरीर अंदर और बाहर से मजबूत और बलवान बनता है. यह आंखों की रोशनी भी बढ़ाता है. वहीं चांदी ठंडी धातु मानी जाती है, शरीर को शांत रखती है और पित्त दोष, कफ और वायु दोष को नियंत्रित करती है. हालांकि सोने और चांदी के बर्तन खरीदना आज हर किसी के बस की बात नहीं. खाना बनाने के लिए इन दिनों कई तरह के बरतन उपयोग में लिए जाते हैं. हर बर्तन की अपनी खासियत और अपनी कमियां हैं. आइए इन बर्तनों की चर्चा करें-

कांसे के बर्तन

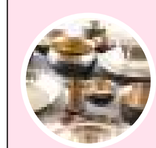

सोने-चांदी के बर्तनों के बाद सबसे अच्छे बर्तन कांसे के माने जाते हैं. इन बर्तनों में पकने पर खाने के पोषक तत्व 97% तक बरकरार रहते हैं. इन बर्तनों में खाना पकाने और खाने से खून साफ होता है. हालांकि खट्टी चीज इन बर्तनों में पकाने और परोसने से बचना चाहिए.

पीतल के बर्तन

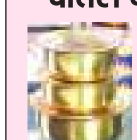

पीतल के बर्तन भी बेहतर माने जाते हैं. यह भी 94% तक पोषक तत्व बरकरार रखते हैं. इन बर्तनों में खाना पकाने से पेट में कीड़े की समस्या कम रहती है. कफ और वायु दोष भी नहीं होता है. इन बर्तनों में ज्यादा एसिडिक चीज पकाने से बचना चाहिए.

लोहे व कास्ट आयरन के बर्तन

लोहे व कास्ट आयरन के बर्तन इन दिनों खूब चलन में हैं. ये प्राकृतिक रूप से नॉन-स्टिक क्वालिटी वाले होते हैं, जिससे खाना बनाना आसान रहता है. जिन लोगों को एनीमिया है, उन्हें इन बर्तनों में पका भोजन खाना चाहिए. इन बर्तनों में खट्टी चीजें नहीं रखनी या बनानी चाहिए. वरना यह विषैली हो जाती है.

मिट्टी के बर्तन

मिट्टी के बर्तन करीब एक सदी के बाद फिर से खूब चलन में हैं. रेस्त्रां से घर तक इंट्री लिए मिट्टी के बर्तनों में पकाये खाने के पौष्टिक तत्वों को 100% तक बरकरार रखते हैं. लेकिन यह पॉलिश किए हुए नहीं होनी चाहिए. दूध और उसे बनी चीजों के लिए यह बर्तन परफेक्ट है.

चटखारा

कुछ मीठा हो जाए

रानी प्रसाद
पाक कला विशेषज्ञ

मिठास की ललक कभी-कभी हो ही जाती है. ऐसे में बर्फी, खीर,लड्डू जैसे पारंपरिक मीठा खाएं, या फिर वाफेल, केक, पेस्ट्री... पंसद आपकी है. कुकरी एक्सपर्ट रानी प्रसाद लेकर आई हैं आज ऐसे ही कुछ व्यंजन...

पके आम की मिठाई

ये चाहिए

पका हुआ मीठा आम 2 (गूदा निकाला हुआ) छेना या पनीर 200 ग्राम, चीनी एक कप या स्वाद अनुसार, मिल्क पाउडर 100 ग्राम, दूध एक कप, ताजा दही एक टेबल स्पून, इलायची पाउडर 1 टी स्पून, नारियल बुरादा 4 टी स्पून.

ऐसे बनाएं

सबसे पहले पके हुए आम को छेना और चीनी के साथ मिक्सर के जार में बिल्कुल महीन पीस लें. इसमें पानी जरा भी ना डालें. अब एक मोटे तले के पैन में दूध डालें और उसमें मिल्क पाउडर डालकर धीमे-धीमे चला लें ताकि लम्स बिल्कुल ना रहे. अब इसे गैस पर चढ़ा दें. गैस का आंच मीडियम रखें और इसे लगातार चलाते रहें फिर इसमें आम, छेना और चीनी का पल्प मिला दें. इसे लगातार चलाते रहें. तीन-चार मिनट के बाद इसमें दही डाल दें और इलायची पाउडर भी डाल दें. थोड़ी देर में यह मिक्सर पैन में सिमट सिमट कर बीच में आने लगेगा और सूखा सूखा लगने लगेगा. इसे बहुत ज्यादा नहीं सुखाना है लेकिन जब यह पूरा पैन छोड़ दे तब गैस को हमें ऑफ कर देना है. 10 से 12 मिनट में यह पूरी मिठाई बनकर तैयार हो जाती है. अब जब यह ठंडा हो जाए तब इसके गोल-गोल लड्डु बनाएं और नारियल बुरादा में कोट करके सर्व करें. यह लड्डू बहुत ही स्वादिष्ट लगते हैं.

वाफेल्स

ये चाहिए

मैदा एक कप, दूध एक कप, चीनी वन फोर्थ कप (पिसी हुई), शुद्ध घी या बटर 2 टेबल स्पून, खाने वाला सोडा दो चुटकी, बेकिंग पाउडर आधा टीस्पून वेनिला एसेंस 1 टी स्पून, ऊपर से सजाने के लिए चॉकलेट सॉस.

ऐसे बनाएं

सबसे पहले मैदा चीनी और दूध को एक साथ मिक्स कर लें. उसके बाद इसमें घी या बटर खाने वाला सोडा और बेकिंग पाउडर मिला लें. इसे सिर्फ मिक्स करना है बहुत ज्यादा फेंटना नहीं है. इसके बाद वेफल मेकर को प्री हीट करें. 2 मिनट. उसके बाद उसे ब्रश से ग्रीस करें और तैयार बैटर को एक चम्मच के मदद से बीच में एक जगह डालें यह अपने आप धीरे-धीरे पूरे वाफेल मेकर में फैल जाएगा. उसके बाद इसे सेट होने के लिए आधा मिनट छोड़ दें तट पश्चात वेफल मेकर का ढक्कन बंद कर दें जब इसकी बत्ती बंद हो जाएगी तब इसे खोलकर देखें. अगर आपको और ज्यादा क्रिस्प चाहिए होगा तो इसे एक दो मिनट और पका लें और नहीं तो उतने पर ही इसे निकाल दें. (इसे बनने में 7 से 8 मिनट का समय लगता है) वेफल मेकर से इसे निकालने के बाद इसे वायर स्टैंड पर रखें ताकि जो स्टीम निकले वह इसे सॉगी ना बना दें. जब यह ठंडा हो जाए तब इस पर मनपसंद चॉकलेट सॉस अथवा वनीला आइसक्रीम डालकर सर्व करे. यह बच्चों को बहुत पसंद है.1 कप मैदा से पूरे 8 वाफेल्स बनकर तैयार हो जाते हैं.

मास्टर बेडरूम

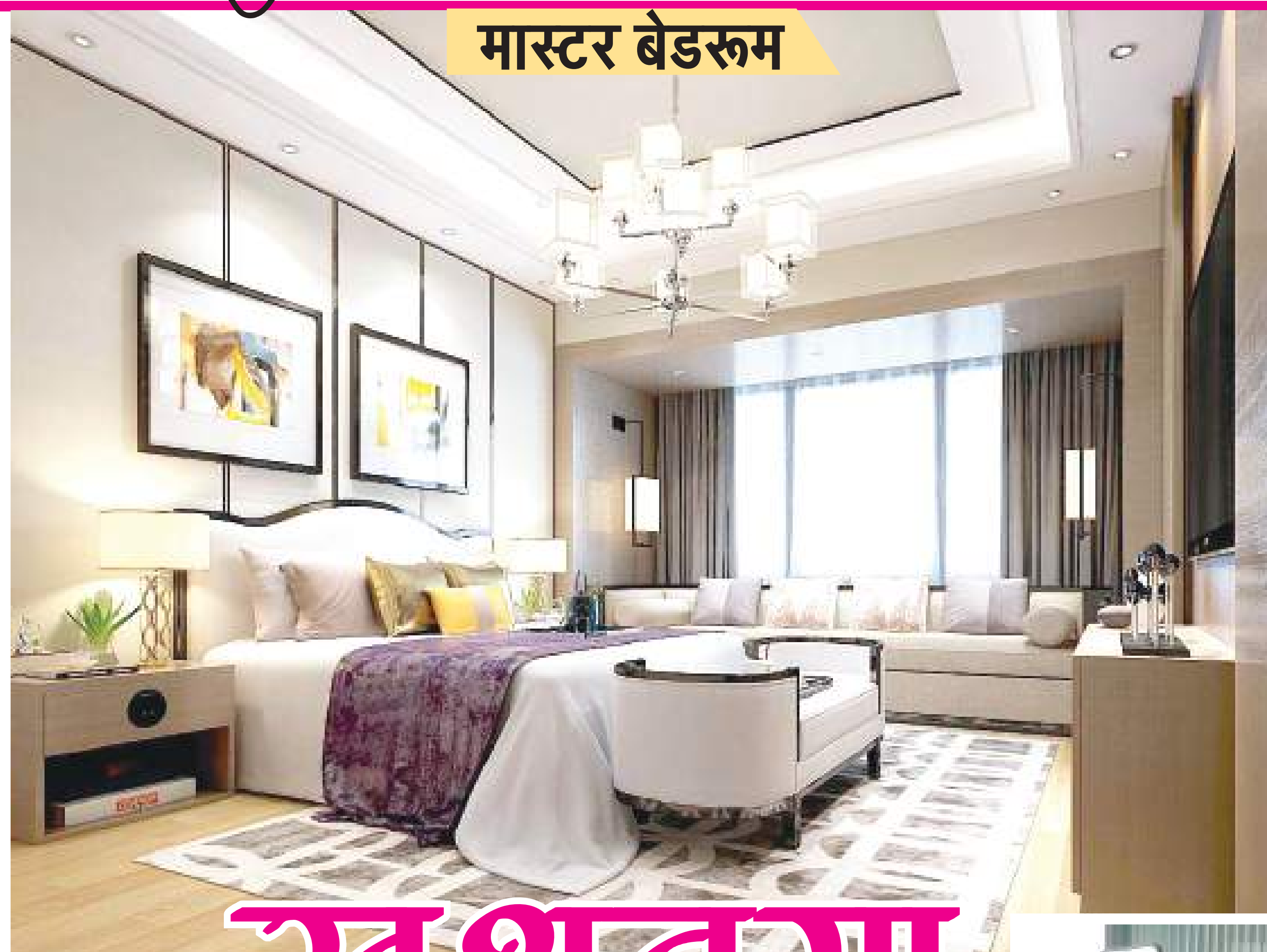

खुशनुमा अहसासों का ठौर

अमित कुमार पांडेय
(इंटीरियर डिजाइनर)

किसी घर या अपार्टमेंट में मुख्य शयन कक्ष यानी मास्टर बेडरूम आमतौर पर अन्य बेडरुम से बड़ा होता है. इसमें आमतौर पर घर का मुखिया या उसके सदस्य रहते हैं. मास्टर बेडरुम निजी जरुरतों को पूरा करने वाला तो होना ही चाहिए, घर के मुख्य सदस्य का शयनकक्ष होने के नाते ऐसा होना चाहिए जिसमें अन्य सदस्यों की भी मौजूदगी के लिए, साथ में एक खूबसूरत समय गुजारने के लिए भी सुविधा-सहूलियत हो. इंटीरियर डिजाइन अमित पांडेय बता रहे हैं कि कैसा हो किसी घर/अपार्टमेंट का मास्टर बेडरुम...

बड़प्पन यहां भी

मास्टर बेडरूम का साइज अन्य बेडरूम के साइज से बड़े होना चाहिए. इसके बेड का साइज भी बड़ा हो. मास्टर बेडरूम के बेड का साइज 7 फीट बाय 7 फीट का होना चाहिए. अगर पॉसिबल हो तो बेड के अंदर से एक और बेड निकालने की सुविधा हो जिसे स्लाइडिंग बेड बोलते हैं. इससे कभी बच्चे, पोते या पोती या अन्य निकट संबंधी साथ में सोना चाहे तो सो सके.

बैठने की जगह

ऐसे तो बैठने की जगह लिविंग रुम में होती है, लेकिन मास्टर बेडरूम में भी इतनी जगह होनी चाहिए कि उसमें 2 सीटर सोफा और दो मूवेबल चेयर भी आ जाए. जगह हो तो साथ में एक कॉफी टेबल भी. अपने बेडरूम को रॉयल्टी का टच देने के लिए विंग चेयर का विकल्प चुन सकते हैं.

कंफर्ट का यह कोना

कभी अपने घर का फैमिली मेंबर बच्चे बहू या पोते पोती है तो उनका खेलना बैठने की जगह हो. चाहें तो एक कोने में लोअर सिटिंग व्यस्था रख सकते हैं जहां बच्चों के साथ खेलना या पंसद की किताबें पढ़ना या फिर संगीत का लुत्फ उठाना बेहतर अनुभव हो.

एक छोटा सा स्टडी टेबल भी

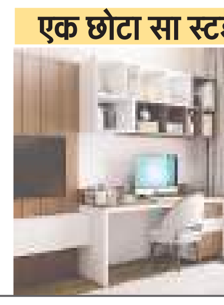

मास्टर बेडरूम में अगर संभव हो तो एक स्टडी टेबल भी जरूर सेट करें. कभी कुछ पढ़ने-लिखने के लिए यह जगह मुफीद रहेगी.

वार्डरोब हो ऐसा

वार्डरोब को काफी सलीके से प्ले करना होता है. यह सुविधाजनक तो हो ही, एक सेलिब्रेटी का अहसास दिलाने वाला भी हो. बेडरूम में एक हिस्सा वॉक-इन वॉर्डरोब का हो जिसमें अपने कपड़े, जूते और अन्य सामान व्यवस्थित और दृश्यमान तरीके से रख पाएंगे. सरल शब्दों में कहें तो आप आसानी से अलमारी में जाकर सामान को देख पाएंगे.

खूबसूरत समय अपनों के संग

मास्टर बेडरूम का टीवी ऐसा प्लान होना चाहिए कभी भी मूवी या क्रिकेट पूरी फैमिली बैठ कर देख सके. अगर म्यूजिक का शौक हो तो स्पीकर या रेडियो के लिए भी जगह सुनिश्चित करें.

लैंप

बेड के दोनों साइड टेबल के फ्लोर लैंप का बंदोबस्त करें जिससे कभी बेड पर लेटे-बैठे कुछ पढ़ने का जी करे तो आराम से किया जा सके. आर्ट वर्क को हाइलाइट करने वाले कुछ डेकोर लैंप भी लगवाएं.

साज-संवार के लिए

मास्टर बेडरूम में ड्रेसिंग टेबल की खास अहमियत है. इन दिनों के ट्रेंड के अनुसार बड़े साइज की मूवेबल मिरर मास्ट बेडरूम में लगाए जा रहे हैं जिसमें श्रीमती जी अपनी सुविधा के अनुसार बेड पर या सोफा पर या चेयर पर बैठकर सजे और संवेरे.

खुला-खुला सा अहसास

मास्टर बेडरूम की खिड़की थोड़ी बड़ी होनी चाहिए जिससे धूप और हवा अच्छी तरह से घर में प्रवेश करें क्रॉस वेंटिलेशन अगर हो पाए तो बहुत ही अच्छा होगा. इन दिनों मास्टर बेडरूम की बालकोनी से सटे दरवाजे स्लाइडिंग और शीशे के बनाए जा रहे हैं जिसे जरुरत पड़ने पर ओपेन करने से खुला-खुला सा अहसास होता है और बालकोनी व बाहर की हरियाली खूबसूरत नजारे सुलभ कराती है.

वॉलपेपर, फोटो फ्रेम

आप मास्टर बेडरूम की दीवारों पर वॉलपेपर लगा सकते हैं. दीवार कला के लिए फूलों और धारियों जैसे विविध डिज़ाइन उपलब्ध हैं जो कमरे को एक माहौल देंगे. ये दीवार और कमरे की सजावट से मेल खाते हों. फीके और गहरे रंगों से बचें. इसके बजाय, आंखों को सुकून देने वाले पेस्टल और हल्के शेड वाले रंगों का चुनाव करें. पर्सनल टच देने के लिए फोटो फ्रेम में खुशनुमा पलों को समेट कर लगाएं.

इन पौधों के संग

मानसून का यह ग्रीन सेलिब्रेशन

लंबे इंतजार के बाद झारखंड में राहत की बूंदे बरस रही हैं और खूब बरस रही हैं. पेड़-पौधे पर पानी की बूंदे जब जादुई असर दिखाती हैं, बागवानी के लिए मन मचल जाता है. चाहे आपके पास बड़ा बगीचा हो या महज एक छोटी सी बालकनी, हरियाली को समेट लाने का आपका हक बराबर का है. आइए, कुछ ऐसे पौधों की बात करें जिसे लगाकर आपकी रचनात्मकता संतृप्त होगी ...

कोलियस

इसकी रंग-बिरंगी और छोटी बड़ी पत्तियां बेहद खूबसूरत लगती हैं. इस पौधे को अधिक देखभाल की भी जरूरत नहीं होती है और ये साल के बारह महीने हरा-भरा रहता है. कोलियस आपके मानसून गार्डन के लिए बिल्कुल उपयुक्त है. इसकी पत्तियां हरे, लाल, गुलाबी और बैंगनी रंग में आती हैं.

जीनिया

जीनिया की खासियत है कि ये जहां लगे होते हैं, तितलियां मंडराती नजर आती हैं. फूल काफी आकर्षक और सुंदर होते हैं, जो कई रंगों में मिलते हैं. इन पौधों को लगाना काफी आसान है और ये जल्दी ग्रोथ करते हैं. इन्हें गमलों में भी उतनी ही सहजता से लगाया जा सकता.

पिटुनिया

पिटुनिया ये कम रखरखाव वाले फूल बरसात में लगाएंगे तो शरद ऋतु तक आपको इनकी सुंदरता नजर आएगी. पौधे की किस्म के आधार पर, हमें कई अलग-अलग प्रकार, लम्बाई, और रंगों के पेटूनिया मिल सकते हैं. लाल, सफेद, गुलाबी, बैंगनी, हल्का नीला, पीला और लगभग सभी रंगों के फूल देख सकते हैं.

बेगोनिया

ये छाया-प्रिय पौधे मानसून उद्यानों के लिए बेहतर हैं. अपने सुंदर फूलों और आकर्षक पत्तियों के साथ, बेगोनिया किसी भी बाहरी स्थान में सुंदर लगते हैं. इंडोर प्लांट के रूप में इन्हें लगाएंगे तो पौधे खुशनुमा तो लगेंगे ही, नमी भी सोखेंगे.

पीस लिली

अपने सुंदर सफेद फूलों और चमकदार हरी पत्तियों के लिए जाना जाने वाला पीस लिली कम रोशनी की स्थिति में पनपता है, जिससे यह आपके घर के किसी भी कोने को रोशन करने के लिए एकदम सही है.

स्पाइडर प्लांट

इसकी सफेद धारियों वाली अपनी लंबी, धनुषाकार पत्तियां होती हैं. इनडोर के लिए उपयुक्त है. बोस्टन फर्न और स्नेक प्लांट भी इंडोर में लगा सकते हैं.

हैंगिंग बास्केट

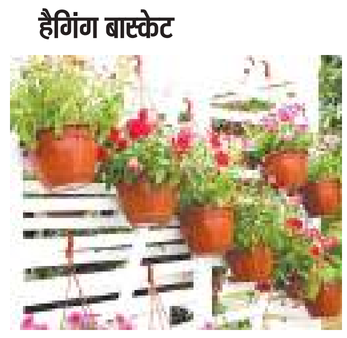

मानसून में घर को आकर्षक दिखाने के लिए आइवी या फर्न जैसे पीछे आने वाले पौधों को रंगीन हैंगिंग बास्केट में लगाएं.

रेन बूट प्लांटर्स

पुराने रेन बूट्स को मिट्टी से भरकर और जीवंत फूल लगाकर उनका फिर उपयोग करें.

फैशन

जलवा स्कार्फ का

फैशन और स्टाइल के लिए हम महिलाओं के पास ड्रेसेज के कई ऑप्शंस हैं, वहीं ड्रेसेज के साथ पेअर-अप करने वाले कई डिफरेंट आइटम मार्केट में मिल जाते हैं. ऐसा ही एक एसेसरीज है स्कार्फ. यह इन दिनों खूब ट्रेंड में है. इसे न केवल कुर्तियों बल्कि वन पीस, ट्यूनिक, टीशर्ट, क्रॉप शर्ट आदि वेस्टर्न ड्रेसेज के साथ भी इन दिनों कैरी किया जा रहा है. आइए स्कार्फ की कुछ वेरायटी और उन्हें कैरी करने के अंदाज पर करें चर्चा-

- **एनिमल प्रिंट वाली स्कार्फ**
एनिमल प्रिंट खास तौर पर टाइगर प्रिंट की स्कार्फ इन दिनों काफी ट्रेंड में है. अगर वेस्टर्न पहन रही हैं तो टाइगर की प्रिंट वाली स्कार्फ लुक को बोल्ड बनाएगा. लाइट कलर या ब्लैक कलर की वन पीस के साथ इसे कैरी करें. सुंदर और अट्रैक्टिव लगेगा.

- **रेड कलर के डॉट प्रिंट वाली स्कार्फ**
यह स्कार्फ जादू सा असर दिखाएगा जब सफेद प्लेन टीशर्ट और ब्लू जींस कैरी करें. थोड़े डिफरेंट लुक के लिए आप इसमें एक नॉट लगा लें. डॉट प्रिंट का रेड स्कार्फ व्हाइट कुर्ती के साथ भी गजब ढाएगा. इसलिए वार्डरोब में एक ऐसा स्कार्फ जरूर रखें

- **वी-आकार की प्रिंटेड स्कार्फ**
वेस्टर्न ड्रेसेज के साथ तो वी-आकार की प्रिंटेड स्कार्फ चार चांद लगाएगी ही, पारंपरिक कपड़ों पर इसे आजमाना आपको भीड़ से अलग बनाएगी. प्लेन कुर्ते के साथ इसे ड्रेप करें. इसे स्टाइल करने के लिए गले के पास रखें और दोनों छोरों को गले में घुमा कर आगे की तरफ कर लें. यह देखने में काफी खूबसूरत लगेगा.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

पेरिस ओलंपिक 2024 : पीवी सिंधु लगाएंगी ओलंपिक में मेडल की हैट्रिक

भारतीय शटलरों के निशाने पर होंगे 15 मेडल

एजेंसी। नई दिल्ली

पेरिस ओलंपिक के शुरू होने में अब सिर्फ तीन दिन का समय का रह गया है. खेल के इस महाकुंभ में भारत ने बैडमिंटन में पांच कोटा स्थान हासिल किए हैं, जिसमें तीन सिंगल और दो डबल्स है. ऐसे में भारत इस बार सात शटलर्स को प रिस भेज रहा है. रियो गेम्स के ब ाद ओलंपिक में भारत का यह संयुक्त रूप से सबसे बड़ा बैडमिंटन दल है. रियो में भी सात भारतीय गए थे और तब पीवी सिंधु ने सिल्वर जीतकर इतिहास रचा था. दो बार की

ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु से हैट्रिक की उम्मीद होगी. हालांकि, 12वीं वर्ल्ड रैंकिंग्स के साथ कोटा हासिल करने वाली सिंधु से ज्यादा बड़े दावेदार सात्विकसाईराज रंकीरेडी और चिराग शेट्टी की जोड़ी होगी. यह जोड़ी मेंस डबल्स में दावेदारी पेश करेगी.

पिछले दिनों वर्ल्ड रैंकिंग्स में नंबर वन का ताज हासिल करने वाली इस पहली भारतीय जोड़ी को मेडल जीतने से सिर्फ कोई 'इंजरी' ही रोक सकती है. भारतीय जोड़ी फिलहाल वर्ल्ड नंबर-3 है. मेंस सिंगल्स में लक्ष्य सेन और एचएस प्रणॉय होंगे. लक्ष्य यदि ग्रुप स्टेज में जोनाथन क्रिस्टी से पार पा लें तो उनके पदक के चांस बढ़ जाएंगे. प्रणॉय भी बड़े स्टेज के खिलाड़ी हैं. प्रेशर सिचुएशन में उनका खेल और निखर जाता है. उम्मीद है पैरिस में भी ऐसा ही हो और मेंस कैटिगरी में भी भारत की झोली में पहला पदक आ जाए.

ओलिंपिक में बैडमिंटन के इवेंट कब-कब होंगे?

- इवेंट : 5 (मेंस सिंगल्स, विमिंस सिंगल्स, मेंस डबल्स, विमिंस डबल्स और मिक्स्ड डबल्स)
- प्रतिभागी : 49 देशों के 173 (87 मेंस, 86 विमिंस)
- दांव पर मेडल : 15 (5 गोल्ड, 5 सिल्वर, 5 ब्रॉन्ज)
- मुख्य प्रतिद्वंदी देश : चीन, चीनी ताइपे, जापान, मलयेशिया, साउथ कोरिया, इंडोनेशिया, डेनमार्क

भारत के टी20 विश्व कप जश्न पर अश्विन ने कहा

राहुल द्रविड़ चीख और रो रहे थे

एजेंसी। चेन्नई

स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि बारबाडोस में भारत की खिताबी जीत के बाद विराट कोहली का पूर्व कोच राहुल द्रविड़ को टी20 विश्व कप ट्रॉफी सौंपना और कोच का खुशी में 'चीखना और रोना' कुछ ऐसा था, जो हमेशा उनकी यादों में रहेगा.पिछले महीने भारत ने दक्षिण अफ्रीका को करीबी फाइनल में हराकर अपना दूसरा टी20 विश्व कप जीता था जिसके बाद पूर्व कोच द्रविड़ ट्रॉफी को हाथ में उठाकर अपनी भावनाएं व्यक्त करते नजर आए थे.

अश्विन ने स्वीकार किया कि यह 51 साल के द्रविड़ के लिए विशेष लम्हा था जो खिलाड़ी के रूप में आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) का खिताब नहीं जीत पाए लेकिन अंततः कोच के रूप में ऐसा

करने में सफल रहे.अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर वीडियो में कहा, 'मेरे लिए सबसे शानदार लम्हा वह है जब विराट कोहली राहुल द्रविड़ को बुलाते हैं और उन्हें कप (ट्रॉफी) देते हैं. मैंने उन्हें कप को गले लगाते हुए और रोते हुए देखा.'उन्होंने कहा, ''राहुल द्रविड़ चीख और रो रहे थे. मैंने उन्हें इसका लुत्फ उठाते हुए देखा.'अश्विन का मानना है कि द्रविड़ कैरेबिया में अपने मार्गदर्शन में एक और अभियान को लेकर डरे हुए थे क्योंकि 2007 एकदिवसीय विश्व कप में उनकी कप्तानी में टीम ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई थी.उन्होंने कहा, ''मैं एक डरे हुए व्यक्ति के बारे में बात करना चाहता हूं. 2007 में 50 ओवर का विश्व कप. भारत बाहर हो गया. राहुल द्रविड़ तब कप्तान थे. उन्होंने इसके बाद एकदिवसीय टीम की कप्तानी नहीं की.'उन्होंने कहा, 'वह भारतीय टीम के साथ थे. अगर कुछ गलत होता, अगर भारतीय टीम बाहर हो जाती या अगर वे मैच हार जाते तो तुरंत वे पूछते कि द्रविड़ क्या रहे हैं.' अश्विन ने भारतीय कोच के रूप में द्रविड़ की कड़ी मेहनत को स्वीकार करते हुए कहा कि वह टीम में संतुलन लाए और दृष्टिकोण बदला. उन्होंने कहा, ''मैं जानता हूं कि पिछले दो-तीन वर्षों से वह इस टीम के साथ क्या कर रहे हैं. मैं जानता हूं कि वह कितने संतुलित रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

ओलंपिक से वोंड्रोसोवा और हुरकाज ने नाम वापस लिया

पेरिस। तोक्यो ओलंपिक टेनिस रजत पदक विजेता मरकेटा वोंड्रोसोवा ने हाथ की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक से नाम वापस ले लिया है. पोलैंड के हुबर्ट हुरकाज ने भी घुटने की चोट से कारण नाम वापस लेने का फैसला किया है. पिछले साल विम्बलडन जीतने वाली चेक गणराज्य की वोंड्रोसोवा इस महीने विम्बलडन से पहले दौर में बाहर हो गई थी. उन्होंने सोशल मीडिया पर ओलंपिक से हटने की जानकारी देते हुए कहा कि उनका फोकस अगस्त में होने वाले अमेरिकी ओपन पर है. ओलंपिक में टेनिस स्पर्धा के ड्रॉ गुरुवार को निकाले जाएंगे .

पेरिस ओलंपिक के बाद संन्यास लेंगे मर्रे

पेरिस । दो बार ओलंपिक पुरुष एकल चैम्पियन एंडी मर्रे ने मंगलवार को पुष्टि की कि पेरिस ओलंपिक के बाद वह खेल से संन्यास लेंगे.सैतीस वर्ष के मर्रे ने एक्स पर पोस्ट किया , अपने आखिरी टेनिस टूर्नामेंट के लिये पेरिस पहुंच गया हूं .' पेरिस ओलंपिक में टेनिस स्पर्धा रोलां गैरो पर शनिवार से शुरू होंगी. मर्रे ने पहला स्वर्ण पदक 2012 लंदन ओलंपिक में ग्रासकोर्ट पर जीता था. जिसमें उन्होंने रोजर फेडरर को तीन सेटों में हराया था . इसके बाद 2016 में रियो दि जिनेरियो में हार्डकोर्ट पर जुआन मार्टिन देल पोत्रो को हराकर खिताब जीता था.

27,28 और 30 को खेले जाएंगे तीन टी20 मुकाबले

सूर्या के नेतृत्व में श्रीलंका पहुंची टीम इंडिया

एजेंसी। पाल्लेकल

नए मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम कोलंबो के रास्ते मंगलवार को यहां पहुंच गई, जिसका गर्मजोशी से स्वागत किया गया. पंद्रह सदस्यीय भारतीय टीम सहयोगी स्टाफ के साथ सोमवार को मुंबई से रवाना हुई . इससे पहले गंभीर और चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर ने मीडिया को संबोधित किया था. कोलंबो में कुछ देर रुकने के बाद टीम सीधे पाल्लेकल पहुंच गई. भारत को श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 और वनडे श्रृंखला खेलनी है. पहला टी20 मैच 27 जुलाई को खेला जाएगा, जबकि बाकी दो 28 और 30 जुलाई को होंगे. भारतीय टीम दो , चार और सात अगस्त को तीन वनडे खेलेगी. बीसीसीआई ने एक्स पर लिखा , मुंबई से कोलंबो के रास्ते पाल्लेकल. टीम इंडिया श्रीलंका पहुंची.

वर्ल्ड कप के बाद भारत का दूसरा दौरा : यह दौरा आईसीसी टी 20 विश्व कप के बाद टीम इंडिया का दूसरा दौरा है. इससे पहले भारत ने जिम्बाब्वे का दौरा किया था. कोच के रूप में राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त होने के बाद गौतम गंभीर ने मुख्य कोच का पद संभाला है. टीम के साथ यह उनका पहला विदेशी दौरा है, जिसका लक्ष्य जीत के साथ शुरुआत करना है. टीम में बड़े बदलाव के रूप में सूर्यकुमार यादव को टी 20 कप्तान के रूप में हार्दिक पंड्या की जगह लेना और शुभमन गिल को उप-कप्तान नियुक्त करना शामिल है.

भारत की टी 20 टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद और मोहम्मद सिराज.

गौतम गंभीर पर टिकी फैंस की नजरें

इस दौरे को गंभीर के मार्गदर्शन में टीम इंडिया के लिए एक नई शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है . फैंस यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि नया नेतृत्व श्रीलंका के खिलाफ प्रदर्शन पर क्या असर डालता है . भारतीय क्रिकेट टीम का श्रीलंका दौरा रोमांचक मैचों और गंभीर की कोचिंग में नई रणनीतियों को देखने का मौका देने वाला है . दोनों देशों के क्रिकेट प्रेमियों को आगामी मैचों का बेसब्री से इंतजार है .

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में असालांका श्रीलंका के कप्तान

उधर, चरित असालांका भारत के खिलाफ 27 जुलाई से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में श्रीलंका के कप्तान होंगे, जो टी20 विश्व कप में टीम के जल्दी बाहर होने के बाद इस्तीफा देने वाले स्पिन हरफनमौला वानिंदु हसरंगा की जगह लेंगे . स्पिन हरफनमौला वानिंदु हसरंगा के बाद असालांका को कप्तानी सौंपी गई है . हसरंगा ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में पिछले महीने हुए टी20 विश्व कप में श्रीलंका की कप्तानी की थी . असालांका ने इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश दौरे पर भी दो टी20 मैचों में श्रीलंका की कप्तानी की थी जब हसरंगा आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के कारण निलंबन झेल रहे थे . श्रीलंका के पूर्व अंडर 19 कप्तान असालांका ने इस साल एलपीएल में जाफना किंग्स को अपनी कप्तानी में खिताब दिलाया था . सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम सोमवार की रात को यहां पहुंच गई .

श्रीलंका टीम : चरित असालांका (कप्तान), पाथुम निसांका, कुसल जनित परेरा, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस, दिनेश चांदीमल, कामिंदु मेंडिस, दासुन शनाका, वानिंदु हसरंगा, दुनिथ वेलालागे, महीष तीक्षणा, चामिंदु विक्रमसिंघे, मथीसा पथिराना, नुवान तुषारा, दुष्मंता चामीरा, बिनुरा फर्नांडो .

केंद्रीय बजट में खेलो इंडिया के लिये 900 करोड़ रुपये आवंटित

एजेंसी। नयी दिल्ली

जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रमुख परियोजना खेलो इंडिया को एक बार फिर खेल मंत्रालय के लिए केंद्रीय बजट में सबसे अधिक राशि आवंटित हुई है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा मंगलवार को पेश केंद्रीय बजट में खेल मंत्रालय के लिए 3,442.32 करोड़ रुपये में से खेलो इंडिया के लिए 900 करोड़ रुपये आवंटित किए गये हैं. यह रकम पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 880 करोड़ रुपये के संशोधित आवंटन से 20 करोड़ रुपये अधिक है.इस साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक चक्र समाप्त होने वाला है और राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों अभी भी दो साल का समय है. ऐसे में खेल मंत्रालय के बजट में पिछले चक्र की तुलना में केवल 45.36 करोड़ रुपये की मामूली वृद्धि की गयी है. खेल मंत्रालय के लिए पिछले वित्तीय वर्ष के लिए पिछले चक्र का बजट 3,396.96 करोड़ रुपये था. सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में खेलो इंडिया में भारी निवेश किया है क्योंकि यह कार्यक्रम देश के सभी हिस्सों से प्रतिभाओं को सामने लाने का काम करता है. वित्तीय वर्ष 2022-23 में खेलो इंडिया का वास्तविक आवंटन 596.39 करोड़ रुपये था.

खास बातें

- 45 .36 करोड़ रुपये की मामूली वृद्धि की गयी है
- वर्ष 22-23 में खेलो इंडिया का आवंटन 596 .39 करोड़ था

विश्वास, टीम भावना पेरिस में हॉकी टीम की सफलता की कुंजी : फुल्टोन

नयी दिल्ली। पिछले साल भारतीय पुरूष हॉकी टीम से जुड़े कोच क्रेग फुल्टोन का लक्ष्य आपसी विश्वास मजबूत करना था और उन्हें यकीन है कि उनके प्रयासों का नतीजा पेरिस ओलंपिक में पदक के बेहतर रंग के रूप में मिलेगा. चौदह महीने पहले पदभार संभालने वाले फुल्टोन ने पीटीआई से कहा ,' मुझे नहीं पता कि तोक्यो ओलंपिक से पहले क्या तैयारियां थी लेकिन 14 महीने पहले मेरे आने के बाद से फोकस खिलाड़ियों में आपसी विश्वास बेहतर करने पर रहा है .' उन्होंने बेहतर नतीजों के लिये दक्षिण अफ्रीका के मानसिक अनुकूलन कोच पैडी उपटन की सेवायें ली.

आईसीसी ने जारी की महिला टी-20 रैंकिंग

हरमनप्रीत, शेफाली संयुक्त 11वें व मंधाना पांचवें स्थान पर

एजेंसी ।दुबई

भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना ने आईसीसी टी20 महिला क्रिकेट रैंकिंग में पांचवां स्थान बनाये रखा है जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर और शेफाली वर्मा संयुक्त 11वें स्थान पर हैं . हरमनप्रीत को एक पायदान का फायदा मिला जबकि शेफाली बल्लेबाजों की सूची में चार पायदान ऊपर आ गई . शीर्ष 20 में भारत के चार खिलाड़ी हैं. जेमिमा रौड्रिग्स 19वें स्थान पर हैं . रिचा घोष 24वें स्थान पर है . बेथ मूनी 769 अंक लेकर शीर्ष पर है . गेंदबाजों की सूची में आफ स्पिनर दीप्ति शर्मा तीसरे स्थान पर है जबकि तेज गेंदबाज रेणुका सिंह नौवे स्थान पर है . बायें हाथ की स्पिनर राधा यादव 20वें स्थान पर है . इंग्लैंड की सोफी एस्सेलेटोन शीर्ष पर हैं .

ओलंपिक डायरी : आधे होटल हैं खाली यातायात महंगा, सुरक्षा पर सवाल

एजेंसी। पेरिस

पेरिस ओलंपिक के लिये यहां पहुंचे करीब 45000 वालिंटियर का यहां आना सार्थक हो गया जब उन्हें हवाई अड्डे पर टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज से मिलने का मौका मिला . पेरिस में सौ साल बाद ओलंपिक हो रहे हैं और वालिंटियर्स के लिये यह जिंदगी में एक बार मिलने वाला अनुभव है .पेरिस हवाई अड्डे पर एक उत्साही वालिंटियर ने कहा ,' मैं 60 साल का हो चुका हूं और मेरे जीवन में तो पेरिस में फिर ओलंपिक नहीं होने वाला . इसका हिस्सा बनना मेरे लिये जीवन भर नहीं भूलने वाला अनुभव है .'उन्होंने कहा ,'' बीस मिनट पहले अल्काराज यहां पहुंचा और मैने उसे एक्रिडिटेशन (पहचान पत्र) दिलाने में मदद की . यह अनुभव यादगार हो गया है .''

पेरिस में रहने वाले सभी लोग ओलंपिक के आयोजन से खुश नहीं है क्योंकि इसका उनके दैनंदिनी जीवन पर असर पड़ रहा है . स्थानीय यातायात 2. 15 यूरो से बढकर चार यूरो तक पहुंच गया है और आठ सितंबर को पैरालम्पिक के खत्म होने तक यही किराया रहेगा . ओलंपिक आयोजन स्थलों के आसपास आवागमन पर भी पाबंदियां हैं . शहर के सबसे व्यस्त ट्रेन स्टेशन पर खड़ी विक्टोरी डेलारू ने कहा ,' पेरिसवासियों के लिये ओलंपिक की मेजबानी गर्व का विषय है लेकिन इससे लोगों के रोजमर्रा के जीवन पर असर नहीं पड़ना चाहिये . स्थानीय यातायात की दरें दुगुनी हो गई है जो अच्छी बात नहीं है .''

ओलंपिक के दौरान होटलों की भारी मांग दिखाई गई जिससे पेरिस के कई लोगों ने कमाई के लिये अपने घरों को किराये पर लगा दिया लेकिन होटलों की उतनी मांग है नहीं . पेरिस में यह पर्यटन का मौसम है लेकिन मांग फिर भी कम है .

भारतीय महिला टीम एशिया कप के सेमीफाइनल में पहुंची

नेपाल को 82 रन से हराया

- शेफाली वर्मा 48 गेंद में 81 रन की आतिशी पारी खेली
- दीप्ति शर्मा ने गेंदबाजी में दिखाया जौहर,3 विकेट झटके

एजेंसी। दाम्बुला

सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की 48 गेंद में 81 रन की ताबड़तोड़ पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारत ने महिला एशिया कप टी-20 टूर्नामेंट के अपने आखिरी ग्रुप मैच में नेपाल को 82 रन से हराकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया.भारत ने तीन विकेट पर 178 रन बनाने के बाद नेपाल की पारी को नौ विकेट पर 96 रन पर रोक दिया. भारत ने तीन मैचों में तीन जीत के साथ ग्रुप ए में शीर्ष स्थान के साथ सेमीफाइनल में जगह बनायी जबकि नेपाल का सफर तीन मैचों में एक जीत से दो अंक के साथ खत्म हो गया. इस ग्रुप से पाकिस्तान भी सेमीफाइनल में पहुंच गया. पाकिस्तान के तीन मैचों में चार अंक है.भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने

चार ओवर में 13 रन देकर तीन विकेट लिये जबकि राधा यादव और अरुंधति रेड्डी को दो-दो सफलता मिली. रेणुका सिंह को एक विकेट मिला.नेपाल के लिए सीता राणा मागर ने 18 जबकि बिंदु रावल ने नाबाद 17 रन बनाये.

असम के मुख्यमंत्री ने अभिनव बिंद्रा को बधाई दी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक मूवमेंट में उनके असाधारण योगदान के लिए ओलंपिक आर्डर मिलने पर बधाई दी है. मुख्यमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर लिखा, उम्मीद है कि वह आने वाली पीढियों को खेलों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिये प्रेरित करते रहेंगे. अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के कार्यकारी बोर्ड ने बिंद्रा को बताया कि उन्हें ओलंपिक आर्डर दिया गया है और पुरस्कार समारोह 10 अगस्त को पेरिस में आईओसी के 142वें सत्र के दौरान होगा. असम सरकार ने गुवाहाटी और जोरहट में दो हाई परफार्मेंस खेल ट्रेनिंग और रिहैबिलिटेशन सेंटर बनाने के लिए असम सरकार के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किये हैं. राज्य सरकार ने प्रदेश के 250 सरकारी और गुवाहाटी के निजी स्कूलों में ओलंपिक मूल्य शिक्षा कार्यक्रम (ओवीईपी) लागू करने के लिये भी एमओयू पर हस्ताक्षर किये हैं.

ओलंपिक **पहली बार महिला और पुरुष खिलाड़ियों की भागीदारी लगभग 50-50**

अब भारतीय टीम में 40 प्रतिशत महिलाएं शामिल

- शून्य से लगभग 50-50 तक पहुंचा आंकड़ा

एजेंसी ।नई दिल्ली

पहले मॉडर्न ओलंपिक गेम्स साल 1896 में हुए थे और इनमें महिलाओं की भागीदारी शून्य थी. ओलंपिक के दूसरे एडिशन का मेजबान पेरिस था. तब पहली बार महिला खिलाड़ियों ने इन गेम्स में हिस्सा लिया था. साल 1900 के हुए पेरिस ओलंपिक में 22 महिलाओं ने शिरकत की थी. छोटी सी उस शुरुआत के 124 साल के बाद अब ओलंपिक में ऐसा पहली बार होने जा रहा है कि महिला और पुरुष खिलाड़ियों की भागीदारी लगभग 50-50 होगी. पेरिस ओलंपिक के आयोजकों के ताजा आंकड़े बताते हैं कि इस बार इन खेलों में कुल 11,215 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे. इनमें 49% ऐथलीट महिलाएं (5,503) हैं जबकि 51 प्रतिशत (5712) पुरुष. तोक्यो ओलंपिक में महिला खिलाड़ियों की भागीदारी का आंकड़ा 47.2% था.

इस बार भारतीय दल में महिला खिलाड़ियों की भागीदारी 40% के आसपास है. रियो ओलंपिक (2016) में भारतीय दल में 63 पुरुषों के मुकाबले 54 महिला खिलाड़ी थीं जो कुल भागीदारी का 46 प्रतिशत थीं. साल 2000 के ओलंपिक से लेकर भारतीय दल में महिला खिलाड़ियों की भागीदारी केवल लंदन ओलंपिक को छोड़कर बेहतर रही है. साल 2012 में लंदन गए 83 खिलाड़ियों में 23 महिला थीं.

अमेरिकी दल में पुरुषों से अधिक महिला एथलीट

एक बार फिर अमेरिका का सबसे बड़ा दल पेरिस पहुंचेगा . अमेरिका 638 खिलाड़ियों को पेरिस भेज रहा है . इसमें 338 यानी 53 प्रतिशत महिलाएं हैं . एक छोटे से देश गुआम के दल में सात खिलाड़ी होंगे . इनमें से छह महिलाएं हैं . प्रतिशत के लिहाज से देखें तो उसके दल में 87 .5 प्रतिशत महिला खिलाड़ी हैं जो सर्वाधिक हैं . लैंगिक समानता सिर्फ खिलाड़ियों तक सीमित नहीं है . ओलंपिक मिशन के प्रयासों से इन खेलों को संचालित करने वाले अधिकारियों में महिलाओं की संख्या भी काफी बढ़ी है . तोक्यो ओलंपिक में लगभग 30 प्रतिशत टेक्निकल ऑफिशल्स महिलाएं थीं . पेरिस में इनकी संख्या बढ़कर 40 प्रतिशत हो गई है.

आदित्य बिरला शतरंज चैंपियनशिप

अंकित कुमार सिंह बने चैंपियन

संवाददाता। रांची

सरला बिरला यूनिवर्सिटी में आयोजित आदित्य बिरला मेमोरियल झारखंड स्टेट फिडे रेटिंग चेस चैंपियनशिप में साढ़े आठ अंकों के साथ अंकित कुमार सिंह चैंपियन बने. बता दें कि यह टूर्नामेंट झारखंड में आयोजित अब तक सबसे बड़ा चेस टूर्नामेंट था, जिसमें कुल 18 जिलों के रिकॉर्ड 311 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया. इनमें 104 अंतरराष्ट्रीय रेटिंग प्राप्त खिलाड़ी भी शामिल थे. इस प्रतियोगिता में शीर्ष चार स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी आगामी राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे. शीर्ष चार खिलाड़ियों में पहले स्थान बोकारो के अंकित कुमार सिंह रहे. वहीं पूर्वी सिंहभूम के देवांजन सिन्हा आठ अंक के साथ दूसरे, पश्चिमी सिंहभूम के कम किशोर देवनाथ तीसरे व पूर्वी सिंहभूम के भोलानाथ दास चौथे स्थान पर रहे. समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा, विशिष्ट अतिथि झारखंड ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष शुभेंदु दुबे, झारखंड शतरंज संघ के सचिव मनीष कुमार, संयुक्त सचिव दीपक कुमार, कोषाध्यक्ष सतीश कुमार, रांची जिला शतरंज संघ के सचिव नवजोत रुबल, सरायकेला खरसावां के अध्यक्ष मनोज कुमार, सचिव अजय कुमार मौजूद थे. प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक की भूमिका में फिडे आर्बिटर प्रभात रंजन कुमार, सहायक निर्णायक दीपक कुमार , विक्रम कुमार, जया रत्ना श्री व लाइव आर्बिटर टी मुरूगन थे.

शहर में आज

1. झारखंड कैबिनेट की बैठक, प्रोजेक्ट भवन में दिन के 11 बजे
2. प्रदेश कांग्रेस की बैठक, कांग्रेस भवन में दोपहर 12 बजे

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

गिरिडीह में भारी मात्रा में डेटोनेटर व जिलेटिन मिला

गिरिडीह। पुलिस ने गांडेय थाना क्षेत्र से भारी मात्रा में डेटोनेटर और जिलेटिन बरामद किया है. एसपी दीपक शर्मा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मंगलवार की शाम करीब 6:30 बजे महादेवदीह स्थित एक पत्थर माइंस से विस्फोटक बरामद किया है. विस्फोटक में 16 कार्टून जिलेटिन और पांच कार्टून डेटोनेटर शामिल हैं. इसे जमीन के अंदर छिपा कर रखा गया था. अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी हुई है कि विस्फोट को नक्सलियों को सप्लाई किया जाना था या पत्थर के खनन में उपयोग किया जाना था.

लातेहार में एएसआई रिश्वत लेते गिरफ्तार

लातेहार। पलामू एसीबी ने लातेहार के बारियातू थाना में पदस्थापित एएसआई धीरेंद्र कुमार को रंगे हाथ 20 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है. एसीबी की ओर से बताया गया है कि बारियातू थाना में अफीम रखने के मामले में एक मामला दर्ज किया गया था. इस मामले में वादी के भतीजे को जेल भेजा गया था. कुछ दिनों बाद थाने के एएसआई धीरेंद्र कुमार ने इसी कांड में वादी को फंसाने की धमकी देकर तीन लाख रुपये मांगे. वादी ने एसीबी से इसकी शिकायत की ओर सत्यापन में मामला सही पाया गया. इसके बाद एसीबी की पलामू टीम ने एएसआई धीरेंद्र कुमार को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया.

कराइकेला में नक्सलियों ने बैनर व पोस्टर लगाए

चक्रधरपुर। पश्चिमी सिंहभूम जिला के कराइकेला थाना क्षेत्र अंतर्गत ओटार व आसपास के क्षेत्र में नक्सलियों ने पोस्टर व बैनर लगाया है. इसमें 28 जुलाई से 3 अगस्त तक शहीद सप्ताह मनाने का ऐलान किया गया है. साथ ही कई स्थानों पर बुकलेट भी छोड़े गए हैं. इसकी सूचना मिलने पर मंगलवार को कराइकेला थाना प्रभारी अंकित कुमार जवानों के साथ गांव पहुंचे और पोस्टर-बैनर और बुकलेट को जब्त कर लिया. बता दें कि भाकपा माओवादी ने 25 जुलाई को बिहार-झारखंड बंद भी बुलाया है.

सोनाहातू :जंगली हाथियों ने फसल को किया नष्ट

सोनाहातू। प्रखंड के जामुदाग पंचायत अंतर्गत हेसाहातू गांव में हाथियों के झुंड ने सोमवार की रात को जमकर उत्पात मचाया है. गांव के किसान सुखदेव यादव के खेत में लगा लौकी और मकई के फसल को मन भर खाया और रौंद दिया है. किसानों ने वन विभाग को फसल नुकसान की सूचना देकर मुआवजा की मांग की है. इधर हाथियों का उत्पात लगातार होने से किसान काफी आक्रोशित है.

सरना स्थल घेराबंदी का शिलान्यास किया गया

अनगड़ा। प्रखंड के चतरा पंचायत में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग कल्याण मद सें सरना स्थल घेराबंदी का शुभ शिलान्यास अनुराधा मुंडा, जिप सदस्य जयपाल हजाम उप प्रमुख अनगड़ा, डोली कुमारी मुखिया सह प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय नारी शक्ति महिला संगठन, रमेश मुंडा उप मुखिया चतरा ,वार्ड सदस्य दीपिका देवी, वार्ड सदस्य सुमित कुमार महतो, वार्ड सदस्य संजय महली ,पूर्व मुखिया सोहन मुंडा कि उपस्थिति में सम्पन्न हुआ.

राहे के बसंतपुर गांव में लगा नया ट्रांसफार्मर

राहे। प्रखंड के बसंतपुर गांव में मंगलवार को नया ट्रांसफार्मर लगाया गया. गांव का ट्रांसफार्मर जल गया था, वहां के ग्रामीणों ने अपनी समस्या से विधायक सुदेश महतो को अवगत कराया. विधायक के निर्देश पर बिजली विभाग ने तत्काल ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया. ट्रांसफार्मर का विधिवत उद्घघाटन पंचायत प्रभारी रंजित साहू ने फीता काट कर किया.

वेद प्रकाश सिंह गोली कांड : खुल गई पूर्व पार्षद गोलीकांड की परत-दर-परत

पूर्व पार्षद को सत्यम पाठक ने मारी थी गोली, मिले थे सिर्फ छह हजार

सौरभ सिंह। रांची

पूर्व पार्षद वेद प्रकाश गोलीकांड में रांची पुलिस ने यूपी के गाजीपुर का रहने वाले शूटर राहुल को गिरफ्तार किया है. राहुल ने पुलिस को बताया कि वह अलग-अलग घटनाओं में पहले जेल जा चुका है. जेल से निकलने के बाद अवैध रूप से शराब खरीद बिक्री का काम बिहार में करने लगा. इस क्रम में राहुल का परिचय धीरज मिश्रा से साल 2021में हुआ. जिसके बाद दोनों में दोस्ती बढ़ती गई. इसी बीच धीरज मिश्रा के बहन की शादी में राहुल उसके घर गया था. शादी के दौरान ही धीरज मिश्रा ने राहुल को बताया था कि साल 2018 में मैं अपनी स्कॉर्पियो से दशहरा के समय रांची गया था, तो धुर्वा बस स्टैण्ड में दशहरा के जुलूस में स्कॉर्पियो घुसाने के कारण धुर्वा रांची के वार्ड पार्षद वेद प्रकाश सिंह से झगड़ा हो गया, तो वेद प्रकाश सिंह और उसके समर्थकों ने मारपीट की थी. मेरी स्कॉर्पियो को भी तोड़ दिया था. धीरज ने बताया कि बहन की शादी के बाद वेद प्रकाश सिंह को गोली मार कर बदला लेंगे. इस पर राहुल बोला कि तुम मुझे कुछ खर्चा दे देना, हम साथ में रहेंगे. जिसके बाद दोनों के बीच इस घटना के लिए 70 हजार रुपया देने की बात हुई थी.

धीरज ने राहुल को बुलाया रांची : राहुल ने पुलिस को बताया कि धीरज मिश्रा दो जुलाई को मुझे कॉल करके बोला कि तुम रांची आ जाओ. इसपर मैं बोला कि मेरे पास पैसा नहीं है, तो अगले दिन धीरज मिश्रा ने मेरे मोबाइल नं. 873795**42 पर भाड़ा का एक हजार रुपया भेजा. इसके बाद राहुल चार

अस्पताल में इलाजरत वेद प्रकाश.

जुलाई को रांची आया. रांची आने के बाद राहुल ने धीरज मिश्रा से संपर्क किया तो वह बोला कि तुम ऑटो पकड़ कर बिरसा चौक आ जाओ. राहुल बिरसा चौक पहुंच कर धीरज मिश्रा को कॉल किया तो वह बोला कि तुम पुराना विधानसभा के पास आओ. वहां आने के बाद राहुल को धीरज ने धुर्वा बस स्टैण्ड के पास स्थित एक घर में ले जाकर ठहराया और उसे खर्चा के लिए पांच हजार रुपया दिया.

वेद प्रकाश रोज शाम में चाय दुकान पर आकर बैठता था

वेद प्रकाश सिंह प्रतिदिन शाम में आकर धुर्वा बस स्टैण्ड के राजू चाय दुकान के बाहर आकर बैठते थे. राहुल और सत्यम ने योजना बनायी कि सात जुलाई को जगन्नाथ मंदिर में रथ यात्रा है. पुलिस प्रशासन मेला ड्यूटी में रहेंगे और हमलोग वेद प्रकाश सिंह को गोली मारकर आसानी से भाग जाएंगे. योजना के अनुसार सात जुलाई की शाम राहुल ने एक पिस्टल अपने पास और सत्यम ने एक पिस्टल और एक देसी कट्टा छुपा कर अपने कमर में खोस लिया. इसके बाद राहुल और सत्यम पाठक के द्वारा लाये गये होंडा हॉरनेट बाइक से धुर्वा बस स्टैण्ड के पास पहुंचे. राहुल धुर्वा बस स्टैण्ड के पास स्थित पीपल के पेड़ के नीचे गाड़ी खड़ी कर चबुतरे पर बैठ गया.

वहीं सत्यम पाठक राजू चाय दुकान के पास चौरसिया पान दुकान में बैठकर वार्ड पार्षद वेद प्रकाश सिंह के आने का इंतजार करने लगा. शाम के करीब सात बजे जैसे ही वेद प्रकाश सिंह अपनी गाड़ी को लगाकर राजू चाय दुकान में बैठे, तो सत्यम पाठक ने राहुल को फोन करके कहा कि तुम बाइक लेकर सैलून के पास आ जाओ. फिर राहुल बाइक लेकर सैलून के पास आया तो सत्यम पाठक ने चौरसिया पान दुकान से निकलकर वेद प्रकाश सिंह को पीछे से गोली मार दी. भागने के क्रम में सत्यम पाठक का देसी कट्टा वहीं पर गिर गया. राहुल ने पहले से ही बाइक को स्टार्ट कर रखा था और सत्यम पाठक जैसे ही बाइक पर बैठा तो राहुल ने तेजी से बाइक को चलाते हुए, रांची क्रिकेट स्टेडियम की तरफ से नया सराय होते हुए जेवियर नगर में ले जाकर बाइक को खड़ा कर दी.

घटना को अंजाम देने के बाद बस पकड़ कर भाग गया रांची से

घटना को अंजाम देने के बाद दोनों ऑटो से खादगढ़ा बस स्टैण्ड गये और बनारस की बस पकड़कर रांची से भाग निकले. सत्यम पाठक सासाराम में ही बस से उतर गया और राहुल उसी बस से बनारस चला गया. इस घटना के लिए राहुल को 70 हजार रुपया देने की बात धीरज मिश्रा ने बोला था, लोकिन सिर्फ छः हजार रुपया ही दिया था. शेष पैसा काम होने के बाद देने की बात कही थी. शेष पैसा लेने के लिए राहुल ने धीरज मिश्रा को कई बार फोन किया, मगर उसने अपना फोन ऑफ कर रखा था. फिर राहुल धीरज मिश्रा के घर गया तो वह वहां भी नहीं मिला. इस घटना में शामिल धीरज मिश्रा और सत्यम पाठक अबतक फरार हैं.

धनबाद सांसद ढुल्लू महतो का समर्थक आनंद शर्मा गया जेल

संवाददाता। बरोरा

खास बातें

- चिटाही मारपीट प्रकरण में पुलिस ने किया गिरफ्तार
- सांसद ढुल्लू सहित उनके दर्जनों समर्थक हैं नामजद

धनबाद सांसद ढुल्लू महतो के पैतृक गांव चिटाही में सांसद समर्थकों द्वारा महिलाओं की बर्बरतापूर्वक पिटाई मामले में नामजद आरोपी आनंद शर्मा को बरोरा पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. सांसद के बेहद खास और साये की तरह साथ रहनेवाले आनंद की गिरफ्तारी के बाद ढुल्लू महतो के समर्थकों में खलबली गच गई है.

घटना में अन्य नामजद सांसद समर्थक की गिरफ्तारी के बाद भूमिगत हो गए हैं. हालांकि पुलिस जल्द ही सभी आरोपियों को दबोचकर जेल भेजने का दावा कर रही है. बता दें कि विगत 11 जुलाई को चिटाही गांव में महिलाओं के साथ मारपीट की घटना हुई थी. इस मामले में प्रथम पक्ष की पीड़िता नीरा देवी के लिखित बयान पर धनबाद के सांसद ढुल्लु महतो के अलावा उनके 11 नामजद व 12 अज्ञात समर्थकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी. वहीं दूसरे पक्ष की पीड़ित महिला पूजा देवी के लिखित बयान पर चिटाही निवासी डोमन महतो, सुरेश महतो व अन्य पर जातिसूचक शब्द बोलकर मारपीट करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गयी है.

अबैध संबंध के शक में पति ने पत्नी व बेटी की हत्या की

बुढ़मू। बुढ़मू थाना क्षेत्र के साडम में सोमवार को मां व बेटी की हुई हत्या का पुलिस ने उद्भेदन किया. हत्या के आरोप में गिरफ्तार महिला के पति डबलू यादव पुलिस के सामने अपना जुर्म कबूल कर लिया. पुलिस के समक्ष दिए बयान में आरोपी डबलू यादव ने कहा कि उसको शक था कि उसकी पत्नी का किसी दूसरे मर्द के साथ चक्कर है. आये दिन इस बात को लेकर दोनों में कहा सुनी होता था. गुस्से में आकर डबलू यादव ने आपने पत्नी और बेटी का घर में गला घोंट कर हत्या कर दिया था. फिर साइकिल के सहारे दोनों शव को तालाब में फेंक आया था. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी डबलू यादव को जेल भेज दिया.वहीं घटना के बाद क्षेत्र में कई तरह के चर्चा चल रही थी. घटना के बाद पुलिस की कार्रवाई की चर्चा भी लोग खूब कर रहे है.

बहू पर रखता था गलत नजर पत्नी ने टांगी से काट डाला

संवाददाता। मेदिनीनगर

हत्याकांड उद्भेदन

- सोमर हत्याकांड का खुलासा मृतक की पत्नी व पुत्र गिरफ्तार
- बहु के बारे में अपशब्द बोलने पर नाराज थे पत्नी और बेटा

मनातू थाना की पुलिस ने सोमर हत्याकांड का खुलासा कर दिया है. इस मामले में मृतक सोमर भुईयां की पत्नी पानो देवी (58) और बेटे राजदेव (22) को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने इनके पास से हत्या में प्रयुक्त टांगी व अन्य सामान बरामद किये हैं. बता दें कि मनातू थाना क्षेत्र के सेमरी इलाके में विगत दिनों पुलिस ने सेमरी गांव के कर्माटिल्हा निवासी सोमर भुईयां का शव बरामद किया था.

पुलिस ने अनुसंधान शुरू किया, तो इसमें मृतक की पत्नी और बेटे की संलिप्तता का खुलासा हुआ. बताया जा रहा है कि सोमर भुईयां की पत्नी को शक था कि उसका पति बहु पर गलत नजर रखता है. सोमर हर दिन शराब के नशे में बहु के बारे में अपशब्द बोला करता था. इस कारण पत्नी और बेटा भी नाराज थे. घटना के दिन सोमर शराब के नशे में बहु के खिलाफ अपशब्द बोल रहा था, जिसपर उसकी पत्नी को गुस्सा आया और उसने घर में रखे टांगी से वार कर उसकी हत्या कर दी. बाद में बेटे के साथ मिल कर शव को गांव से कुछ दूरी पर फेंक दिया. पुलिस ने दोनों गिरफ्तार आरोपियों को मंगलवार के दिन न्यायिक हिरासत में भेज दिया है.

न्यूज अपडेट

लहना में 80 हजार नकद और जेवरात की चोरी

रातू। रातू थाना क्षेत्र में हत्या, लूट, अपहरण, चोरी और छिनतई की घटनाएं थम नहीं रही है। सोमवार को अपराधियों ने लहना निवासी राजनंदन साहू उर्फ छोटका के बंद घर को निशाना बनाया और 80 हजार नकद समेत करीब 4 लाख के जेवरात और कीमती सामान की चोरी कर ली.वह पत्नी के साथ समीप के मखमंदरो चौक स्थित दुकान में थे.शाम 6:40 बजे जब दोनों लौटे, तो दरवाजे को खुला देख उनके होश उड़ गये.कमरे की अलमारी में रखे रुपये व जेवरात गायब तथा सामान बिखरे पड़े थे.उन्होंने थाने आकर ऑडी ऑफिसर मनोज कुमार को घटना की लिखित जानकारी दी.

डकरा में बीएमएस का स्थापना दिवस मना

डकरा। भारतीय मजदूर संघ का 70 वां स्थापना दिवस क्षेत्रीय कार्यालय डकरा में मंगलवार को ध्वजारोहण कर मनाया गया .तत्पश्चात कार्यालय में एक संगोष्ठी आयोजित की गई. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राघवेन्द्र पासवान संयुक्त महामंत्री सीसीएल सीकेएस व वरिष्ठ कार्यकर्ता व रघुवंश नारायण सिंह ने संघ के विचार को कार्यकर्ताओं के बीच रखा संचालन अमर भूषण सिंह ने किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से मनीष कुमार, मिथलेश कुमार सिंह ,प्रमोद कुमार पाठक, पिंकू सिंह ,राम प्रवेश नायक ,हीरा उरांव , नरेश करमाली ,राम स्वरूप राम ,अमित कुमार ,अशोक तुरी ,संजीव कुमार ,सुंदर कुमार , नारायण कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे .

चान्हो में सड़क निर्माण के लिए ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

चान्हो। दर्जनों गांव को मुख्य सड़क से जोड़ने वाली व एनएच-75 की सहायक सड़क मानी जाने वाली चोरेया मोड़ से बुढ़मू प्रखंड तक की सड़क कई वर्षो से गड्ढों मे तब्दील है . इस सड़क का निर्माण नहीं हुआ तो जिप सदस्य आशुतोष तिवारी सैकड़ो ग्रामीणों के साथ भूख हड़ताल करेंगे. उन्होंने सरकार को चेताया कि अगर इसके बाद भी सड़क निर्माण का कार्य शुरु नहीं हुआ तो खुले मंच पर आत्मदाह करेंगे. वे मंगलवार को चोरेया स्थित तैलिक धर्मशाला में आसपास के ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे. इसके बाद ग्रामीणों के साथ सड़क निर्माण के लिए प्रदर्शन् किया. प्रदर्शन में तरंगा, लेपसर, सोपारम, हर्रा, नवाटोली, चलिओ, सहनाई टोली, गुटुवा, खखसी टोला, टेम्पोटोली, खिजूर टोली सहित अन्य गांव के लोग के शामिल थे.

मनरेगा कर्मियों की हड़ताल से योजनाएं प्रभावित

खलारी। खलारी प्रखंड के मनरेगाकर्मी सोमवार से हड़ताल पर चले गये हैं. ज्ञात हो की पूरे झारखंड के मनरेगा कर्मी एकजुट होकर सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं. मनरेगा की योजनाओं में काम करने वाले प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, लेखा सहायक, कंप्यूटर सहायक काम छोड़ कर धरना पर बैठ गये हैं. मनरेगा कर्मियों के हड़ताल में जाने से सरकार की कई योजनाएं प्रभावित हो रहीं है. मनरेगा का एक उद्देश्य प्रमुख उद्देश्य मजदूरों को गारंटी रोजगार देना है. पर मनरेगा कर्मियों के हड़ताल पर चले जाने के कारण क्षेत्र के मजदूरों के सामने रोजगार की समस्या उत्पन्न हो रही है .

हाईकोर्ट की पार्किंग में डूब गईं कई गाड़ियां

रांची। मंगलवार को हुई तेज बारिश ने हाईकोर्ट के ड्रेनेज सिस्टम की पोल खोल कर रख दी. तेज बारिश के कारण हाईकोर्ट की पार्किंग में जलजमाव हो गया. जिससे पार्किंग में खड़ी दर्जनों गाड़ियां डूब गईं. पार्किंग में पानी इतना ज़्यादा था कि नगर निगम की कई गाड़ियां बुलाकर पानी सुखाया गया तब जाकर वकीलों की गाड़ियां निकल पाईं.

मुखिया ने किया पीसीसी पथ का शिलान्यास

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के अंतर्गत हरिहरपुर जामटोली पंचायत के ग्राम भसनंदा में 15 वित्त मद की योजना के तहत पीसीसी सड़क का शिलान्यास किया गया. मुखिया लक्ष्मी कोया ने समाजसेवी सह मुखिया पति सुनील कच्छप से मिलकर 250 फीट पीसीसी पथ निर्माण का शिलान्यास किया गया . लंबे समय से गांव में पीसीसी पथ निर्माण के लिए ग्रामीणों के द्वारा मुखिया से मांग की जा रही थी. बाद में मुखिया लक्ष्मी कोया ने ग्रामीणों की समस्या के निदान के लिए पहल करते हुए अपने पति के साथ मिलकर योजना बनाई . 15 में वित्त मद से निर्माण कार्य की रूपरेखा तय की. इस मौके पर पूर्व मुखिया सुनील कच्छप , समाजसेवी लीला मुंडा ,धापा उराव, रसीद मीर,अजय गोप, विकास महतो अनिल पन्ना,वार्ड सदस्य प्रीति देवी शिवनारायण गोप आदि थे.

सिल्ली एनएम के बीच मेडिकल किट का वितरण

सिल्ली/मुरी। हिण्डालको इंडस्ट्रीज के सीएचआर फंड से सिल्ली ब्लॉक के स्वास्थ्य केंद (सीएससी) में कार्यरत एनएम के लिए मेडिकल किट का वितरण बीडीओ रेनू बाला ने किया. कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहे हिंडालकी इकाई के बी होहित चौरासिया, सिल्ली रेफरल प्रभारी प्रभारी डॉ प्रियकर कुमारी और हिंडालको सीएसआर हेड अनिल सिंह ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया. इस अवसर पर हिंडलको इंडस्ट्रीज लिमिटेड के हेड रोहित चौरासिया ने कहा, हमारी पहल से हम उन सभी नर्सेज का सम्मान करते हैं . समारोह में उपस्थित रहे हिंडलको सीएसआर हेड अनिल सिंह ने कहा कि हमें गर्व है कि हमारी सीएसआर पहल सिल्ली क्षेत्र के स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने में मदद कर रही है.

जिप सदस्य ने किया पीसीसी पथ का शिलान्यास

मांडर । करगे पंचायत के ग्राम बहेराटोली में मंगलवार को 15 वें वित्त आयोग निधि से बनने वाली 345 फिट पक्की नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास जिप सदस्य बिनोदित तिग्गा ने किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस नाली का निर्माण हो जाने से जल जमाव की समस्या दूर होंगी . जल जमाव से ग्रामीणों को राहत मिलेगी. मौके पर मुखिया शांति उरांव, जिला परिषद प्रतिनिधि रबूल अंसारी, पंचायत समिति सदस्य यूनुस अन्सारी, मुखिया प्रतिनिधि चमरा उरांव,वार्ड सदस्य जावेद अंसारी, सदर बसारत अंसारी, इमरान अन्सारी, इरशाद अन्सारी, अमीरन खातून, अनीसा खातून लुकमान अन्सारी समेत सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे.

कुछ दिन पूर्व चोरी किए गए सोलर प्लेट्स को चोरों ने वापस किया

शुभम संदेश इंपैक्ट

- ग्रामीणों ने अखबार के प्रति कृतज्ञता जताई.

सुनील कुमार गुप्ता

लापुंग । लापुंग थाना क्षेत्र के शाहेदा गांव में पिछले दिनों हुई सोलर प्लेट्स एवं पैनल की चोरी के बाद में अखबार में छपी समाचार के बाद चोरों में सद्बुद्धि जगी और खबर का असर देखा गया. चोरों ने विगत सोमवार की रात्रि सभी छह की संख्या में चोरी किए गए सोलर प्लेट्स को वापस 12000 लीटर क्षमता वाले जलमीनार के नीचे कमरे में वापस रख दिया गया. मंगलवार की सुबह

वापस किए गए सोलर प्लेट्स .

शाहेदा गांव के लोगों ने चोरी किए गए सोलर प्लेट्स को जल मीनार के पास पाया तो लोग दंग रह गए. ग्रामीणों ने बताया कि अखबार में खबर खबर छपने के बाद संभव आता है चोरों में सद्बुद्धि जग गई. पीने की पानी के लिए तरस रहे लोगों के प्रति संभवत चोरों के मन में मानवता ने जन्म लिया और उन्होंने चोरी किए गए सोलर प्लेट्स को वापस टंकी के पास रख दिया गया. इससे ग्रामीणों में खुशी के लहर छा गई है. हालांकि कुछ लोगों का कहना है कि मामले में पुलिस ने दबाव बनाया होगा और पुलिस के दबाव में चोरों ने सोलर प्लेट्स को वापस रख दिया. बताया जा रहा है कि लगभग डेढ़ लाख रुपए की कीमत वाले सोलर प्लेट्स की चोरी हो जाने के बाद गांव के लोगों में पेयजल संकट गहरा गया था. गांव के राजेंद्र सिंह , पूर्व पंचायत समिति सदस्य विश्वनाथ उरांव, सुमित मिंज,अशोक उरांव, नंद सिंह, अजीत सिंह, भोला सिंह, लखन सिंह, सनिका भगत, उषा देवी, कलेश्वरी देवी, सुसारी देवी, उर्मिला देवी, सावित्री देवी साहित्य दर्जनों लोगों ने खुशी जताई और अखबार के प्रति कृतज्ञता जतायी.

एक बार मौका दें, विकास करके दिखाएंगे : डॉ.भगत

संवाददाता। मांडर

प्रखंड के तिग्गा कॉम्प्लेक्स ब्रांबे में मांडर प्रखंड स्तरीय बैठक समाजसेवी शमीम अख़्तर आज़ाद की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई. बैठक में मुख्य रूप पूर्व डीडीसी सह समाजसेवी डॉ परमेश्वर भगत शामिल हुए. बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए मांडर प्रखंड कमिटी का गठन किया गया. जिसमे सर्वसम्मति से जमाउद्दीन अंसारी को मांडर प्रखंड का प्रखंड प्रभारी बनाया गया. बैठक में विभिन्न पंचायत के पंचायत प्रभारी का गठन किया गया. जिसमे सुरसा पंचायत प्रभारी नेसार अख्तर, नसीम अंसारी, टिगोई अम्बा टोली पंचायत प्रभारी तहारत अंसारी, सकरा पंचायत प्रभारी मोद्दासिर हक, करगे पंचायत प्रभारी अंजर अंसारी, मलती पंचायत प्रभारी मो अली अंसारी,

बरगड़ी पंचायत प्रभारी मंसूर आलम, कैंबो पंचायत प्रभारी नेजार अंसारी, नगड़ा पंचायत प्रभारी सईद अंसारी, ब्राम्बे पंचायत प्रभारी सुफियान अंसारी, मुरमा पंचायत प्रभारी अब्दुल मजीद एवं असलम अंसारी. बैठक को संबोधित करने वालो में हाजी शाकिर इस्लाही, मौलाना रफीक, मजीद अंसारी, अमानुल्लाह अंसारी, जमाउद्दीन अंसारी, इस्लाम अंसारी, नसीम अंसारी, मोद्दसीर आलम. इस अवसर पर मो अली अंसारी, अजबूल अंसारी, फिरदौस खान, परवेज अंसारी, अफरोज अंसारी सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे.

तमाड़ विस क्षेत्र में 10 साल से ठप है विकास कार्य : राजा पीटर

संवाददाता। बुंडू

तमाड़ विधानसभा में पिछले 10 वर्षों से विकास कार्य नहीं हुए , नहर क्षेत्र की लाइफ लाइन कही जानेवाली सड़क नहीं बनी . उक्त बातें पूर्व मंत्री गोपाल कृष्ण पातर उर्फ राजा पीटर ने कही, वे मंगलवार को बुंडू में एक प्रेस से बात कर रहे थे.उन्होंने आगे कहा कि पिछले छह महीना से लगातार क्षेत्र का दौरा कर ग्रामीणों का हाल जाना.देखा गांव में जल मीनार बना पाइप बिछाया गया लेकिन पानी नहीं मिला.राशन वितरण में में भारी गड़बड़ी है. विकलांगों को स्वस्थ बीमा योजना का लाभ नहीं मिल रहा है.पेंशन भी नहीं मिल रहा है. बुंडू नगर का आधा हिस्सा अंधेरा में डूबा है . उन्होंने कहा कि नगर पंचायत में सौंदर्यकरण के लिए पूरे नगर पंचायत का निविदा किया. बड़ा तालाब में सुंदरीकरण के नाम पर लूट मची है, राजा पीटर ने आगे कहा कि बिरसा विकास समिति के बैनर तले जनता के मुद्दे पर लड़ाई लड़ेंगे.इ स मौके पर विनय कुमार मुंडा, रोशन महतो, नीतीश पांडे, प्रमोद भगत, संतोष जायसवाल, गौतम शुक्ला आदि थे.

हेमंत वन, टू ओर थ्री ने झारखंड को तुष्टीकरण की आग में झोंक दिया

संवाददाता। रांची

भारतीय जनता पार्टी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा भाजपा पर हिंदू, मुस्लिम करने के बयान पर कड़ी आपत्ति किया. प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि हेमंत 1,2 और 3 में तुष्टीकरण का नंगा नाच हुआ. सरकार ने पांच वर्ष जमकर मुस्लिम तुष्टीकरण के नाम पर नंगा नाच किया. बहुसंख्यकों की भावना को चोट पहुंचाया. इसी सरकार ने सर्वप्रथम हिंदू फल दुकान लिखने पर जमशेदपुर में एक व्यक्ति को जेल भेज दिया था. इसी सरकार के कार्यकाल में एक आ ई ए ए स अधिकारी ने कांग्रेस के विधायक को

नसीहत देते हुए कहा था कि मैं भी मुसलमान हूं और आप भी मुसलमान के वोट से जीतते हैं, इसलिए थोड़ा तमीज में रहें. प्रतुल ने कहा इसी सरकार ने तुष्टीकरण के तहत दुर्गा मां की प्रतिमाओं का साइज को सीमित कर दिया था और छठ पर्व को घाट में मनाने पर पाबंदी लगा दी थी.

सरकारी विद्यालयों को जबरन उर्दू विद्यालय बना दिया : प्रतुल ने कहा हेमंत सोरेन कैसे भूल सकते हैं कि उनकी सरकार के कार्यकाल में ही सामान्य सरकारी विद्यालयों को जबरन उर्दू विद्यालय बना दिया गया. छुट्टी का दिन भी रविवार से बदल कर शुक्रवार बिना सरकार की अनुमति के कर दिया गया. यह तो वही सरकार है जो प्रतियोगी परीक्षाओं से हिंदी को मुख्य विषय से हटकर उर्दू को शुमार करती है.

बैठक बेड़ो प्रखण्ड एसएस 2 विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक

बेड़ो एसएस प्लस 2 विद्यालय की समस्याओं होगा समाधान : विधायक

संवाददाता। बेड़ो

मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि बेड़ो एसएस प्लस 2 विद्यालय की सभी समस्याओं का त्वरित समाधान हो और एक सप्ताह के अन्दर विद्यालय की सुधरी हुई तस्वीर अवश्य नज़र आनी चाहिये. मंगलवार को बेड़ो प्रखण्ड के एसएस प्लस 2 विद्यालय बेड़ो में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि झारखंड सरकार शिक्षा की स्थिति में सुधार के लिये समर्पित है . इसे विद्यालय में दिखायी भी देना चाहिये.मंगलवार की बैठक में रांची के जिला शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार, बेड़ो के बीडीओ रोहित उरांव,

बेड़ो पहुंची विधायक शिल्पी नेहा तिर्की का स्वागत करती महिलाएं.

सीओ प्रताप मिंज, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष आयता उरांव, कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव, उप प्रमुख मोदिसर हक, बडा. बाबु,जितेंद्र कुमार, बीपीओ विकास भूषण, देव कुमार,एसएमसी के सदस्य अमिता कच्छप, मोहम्मद फैज अहमद के साथ ही विद्यालय की प्राचार्य हेनरिता मिंज शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ ही विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य शामिल हुए. बीडीओ ने विद्यालय परिसर में साइकिल स्टैंड बनाने का आश्वासन दिया. वहीं विधायक ने विद्यालय को अच्छे तरीके से संचालित करने के लिए विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं तथा विद्यालय प्रबंधन समिति को आवश्यक दिशा निर्देश दिए. बैठक में पानी, बिजली, शौचालय, भवन के नवनिर्माण सहित सभी समस्याओं पर गंभीर चर्चा की गयी और कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये.

विधायक ने टीआरडब्ल्यू इटकी का निरीक्षण किया

इटकी । मांडर विधानसभा क्षेत्र में ट्रांसफर्मर को लेकर हो रही बड़ी समस्या को देखते हुए विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने मंगलवार को इटकी स्थित टीआरडब्लू का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान विधायक ने मांडर विधानसभा क्षेत्र के कई सारे खराब ट्रांसफर्मर को पाया. जिसे देख कर्मचरियों को हिदायत दी कि आप सभी लोग अपने कामों मे तेजी लाये. ताकि क्षेत्र मे ट्रांसफर्मर को लेकर जो समस्या है उसका जल्द निराकरण हो पाये .विधायक ने बिजली विभाग के कई पदाधिकारियों से भी बात की .मौक़े पर पार्टी प्रखंड अध्यक्ष रमेश महली, विधायक प्रतिनिधि अबू माज़, पंचायत अध्यक्ष अबरार इमाम,अहमद अंसारी, प्रभात लकड़ा, अयाज अंसारी, शादाब आलम आदि शामिल थे.

गोवा शिपयार्ड ने किया जलावतरण, हमारी नौसेना किसी भी देश की चुनौती का सामना करने और अपने देश की संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम : राज्यपाल

नौसेना के लिए अत्याधुनिक हथियारों से सुसज्जित 'त्रिपुट' युद्धपोत का जलावतरण

एजेंसी। पणजी

वास्को स्थित गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) ने भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे दो 'पी11356 युद्धपोत' में से पहले युद्धपोत 'त्रिपुट' का मंगलवार को जलावतरण किया. यह युद्धपोत अत्याधुनिक हथियारों से सुसज्जित है. गोवा के राज्यपाल पी.एस. श्रीधरन पिल्लई ने युद्धपोत का जलावतरण किया, जबकि उनकी पत्नी रीता पिल्लई ने इसे 'त्रिपुट' नाम दिया. नौसेना के उपप्रमुख वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन, पश्चिमी कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय सिंह, भारतीय नौसेना के युद्धपोत उत्पादन एवं अधिग्रहण के नियंत्रक वाइस एडमिरल बी. शिवकुमार इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे. राज्यपाल पिल्लई ने कहा, "हमारी

नौसेना किसी भी देश की चुनौती का सामना करने और अपने देश की संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम है. भारतीय नौसेना की भूमिका दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है." उन्होंने कहा, "आज के बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में, राष्ट्र कई चुनौतियों का सामना करते हैं. युद्धपोत का जलावतरण हमारे हितों की रक्षा के लिए देश की तैयारियों और प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रदर्शन है."

पिल्लई ने कहा कि स्थानीय परिस्थितियों में बदलाव के बीच इस जहाज का जलावतरण एक मजबूत संदेश भेजता है कि हमारा देश शांति एवं स्थिरता के अलावा अपनी अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने कहा, "यह किसी भी क्षेत्रीय आक्रमण का जवाब देने के लिए तैयार एक मजबूत और सक्षम रक्षा बल बनाए रखने के हमारे दृढ़ समर्पण को दर्शाता है."

पहली बार किया इतने बड़े जहाज का निर्माण

वाइस एडमिरल स्वामीनाथन ने कहा कि "चूंकि, भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले बल और पसंदीदा सुरक्षा भागीदार के रूप में उभर रही है तथा समुद्री विविधता बहुत महत्वपूर्ण हो गई है, इसलिए उसे आधुनिक बनाना और हमेशा सर्वोत्तम साधनों, हथियारों व सेंसर से लैस करना अहम है." वाइस एडमिरल स्वामीनाथन ने कहा कि इस जहाज का नाम त्रिपुट रखा गया है, जो भारतीय नौसेना की शक्तिशाली तलवार और प्रतीकात्मक अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प तथा हमला करने की क्षमता के कारण रखा गया है. जीएसएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक ब्रजेश कुमार उपाध्याय ने कहा कि शिपयार्ड अपने 67 साल पुराने इतिहास में पहली बार इतने बड़े जहाज का निर्माण कर रहा है.

नौसेना प्रमुख ने आईएनएस ब्रह्मपुत्र को हुई क्षति का लिया जायजा

मुंबई। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने मंगलवार को मुंबई गोदी में जाकर युद्धपोत आईएनएस ब्रह्मपुत्र को हुए नुकसान का जायजा लिया. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि दो दिन पहले अग्रिम मोर्चे पर सेवा देने वाले युद्धपोत पर आग लग गई थी. अधिकारी ने बताया, 'नौसेना प्रमुख ने बल की गोदी का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया. उन्होंने युद्धपोत की मरम्मत के लिए उठाए जाने वाले अगले कदम पर भी चर्चा की.'

युद्धपोत में आग लगने के बाद से उस पर सवार एक नाविक लापता है. पोत मुंबई की नौसेना गोदी में है. अधिकारी ने बताया कि बहुद्देशीय युद्धपोत पर 21 जुलाई की शाम को आग तब लगी जब मुंबई की गोदी में उसका मरम्मत कार्य चल रहा था. नौसेना ने इससे

पहले बताया था कि युद्धपोत पर मौजूद चालक दल और गोदी में तैनात दमकल कर्मियों एवं वहां मौजूद अन्य जहाजों की मदद से 22 जुलाई की सुबह आग पर काबू पाया जा सका. इसके बाद आग के संभावित खतरे का आकलन और सफाई का कार्य शुरू किया गया. अधिकारी ने बताया कि आग से युद्धपोत सोमवार दोपहर एक तरफ (बंदरगाह की ओर) झुक गया और तमाम कोशिशों के बावजूद उसे सीधा नहीं किया जा सका. उन्होंने बताया कि युद्धपोत अब भी एक ओर झुका हुआ है और मौजूदा समय में गोदी की एक ओर खड़ा है. अधिकारी के मुताबिक एक कनिष्ठ नाविक के अलावा युद्धपोत पर मौजूद सभी जवानों एवं अधिकारियों का पता लगा लिया गया है जबकि लापता नाविक की तलाश की जा रही है.

ब्रह्मपुत्र को हुए नुकसान का आकलन किया जाएगा

पणजी। नौसेना के उपप्रमुख वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने मंगलवार को कहा कि आग लगने के बाद एक तरफ झुके स्वदेशी युद्धपोत 'आईएनएस ब्रह्मपुत्र' को सीधा किया जा सकता है और घटना में हुए नुकसान का आकलन किया जाएगा. नौसेना ने एक विज्ञप्ति में बताया था कि मुंबई नौसैन्य डॉकयार्ड में खड़े बहुउद्देशीय युद्धपोत 'आईएनएस ब्रह्मपुत्र' पर 21 जुलाई की शाम को मरम्मत कार्य के दौरान आग लग गई थी. इसमें बताया गया था कि युद्धपोत के चालक दल ने डॉकयार्ड में तैनात दमकल कर्मियों और वहां खड़े अन्य जहाजों के कर्मचारियों की मदद से सोमवार सुबह तक आग पर काबू पा लिया गया था.

ब्रीफ खबरें

माली में हिंसक हमले में 26 ग्रामीणों की मौत

बमाको। बुर्किना फासो की सीमा के समीप माली के मध्य क्षेत्र के एक गांव पर एक सशस्त्र समूह द्वारा किए गए हमले में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई. बैंकोस कस्बे के मेयर मौलाये गुइंडो ने बताया कि डेंबो गांव में हमलावरों ने रविवार शाम को ग्रामीणों पर उस समय हमला कर दिया, जब उनमें से अधिकतर लोग अपने खेतों में काम कर रहे थे. देश की सैन्य सरकार उत्तरी क्षेत्र में हिंसा को रोकने के लिए संघर्ष कर रही है. इसके पीछे अल-कायदा से जुड़े चरमपंथी संगठन 'जेएनआईएम' का हाथ माना जा रहा है जो क्षेत्र के ग्रामीणों को अक्सर निशाना बनाता है.

कोलंबिया में सांडों की लड़ाई पर लगा प्रतिबंध

बोगोटा। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने इस दक्षिण अमेरिकी देश में सांडों की लड़ाई पर प्रतिबंध लगाने के प्रावधान वाले विधेयक पर सोमवार को हस्ताक्षर किए. इसके साथ ही दुनियाभर में उन देशों की संख्या और कम हो गई, जहां सदियों पुरानी यह परंपरा अब भी वैध है. बोगोटा में सांडों के अखाड़े में आयोजित एक समारोह के दौरान सांड जैसी पोशाक पहने एक समर्थक ने पेट्रो को विधेयक की प्रति सौंपी, जिस पर उन्होंने सैकड़ों पशु अधिकार कार्यकर्ताओं के सामने हस्ताक्षर किए. कई महीनों की तीखी बहस के बाद मई में कोलंबिया की संसद ने सांडों की लड़ाई पर प्रतिबंध लगाए जाने को मंजूरी दे दी थी.

'अश्लील सामग्री' पर नेटफ्लिक्स को समन

नयी दिल्ली। बाल अधिकारों की शीर्ष निकाय एनसीपीसीआर ने नेटफ्लिक्स के अधिकारियों को उनके मंच पर कथित तौर पर 'अश्लील सामग्री' नाबालिगों तक सुलभ होने के मामले में सोमवार को तलब किया है. नेटफ्लिक्स की ओर से इस मामले में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है. राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने मंगलवार को नेटफ्लिक्स के अधिकारियों को भेजे पत्र में कहा, 'नेटफ्लिक्स पर नाबालिगों तक 'अश्लील सामग्री की बिना रोक टोक पहुंच' यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम-2012 का उल्लंघन है.'

वर्षों से जारी मतभेद खत्म : बीजिंग में घोषणा पत्र पर किए हस्ताक्षर

फलस्तीनी क्षेत्र में हमास व फतह की 'संयुक्त सरकार'

एजेंसी। रामल्ला (वेस्ट बैंक)

गाजा पट्टी में गहराते युद्ध संकट के बीच फलस्तीन के प्रतिद्वंद्वी समूहों हमास और फतह ने वर्षों से जारी आपसी मतभेदों को खत्म करने के लिए बीजिंग में घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए. चीन के सरकारी मीडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी. गाजा पट्टी में गहराते युद्ध संकट के बीच यह घोषणापत्र फलस्तीनी क्षेत्र में मिलकर सरकार बनाने के मकसद से हमास और फतह को एकजुट करने के लिए जारी कई दौर की बातचीत का नतीजा है. हालांकि, दोनों पक्ष आपसी मतभेद दूर करने के लिए पहले भी कई ऐसे घोषणापत्र पर दस्तखत कर चुके हैं, जो विफल रहे हैं. ऐसे में बड़ा सवाल है कि क्या चीन प्रायोजित वार्ता से वास्तव में कोई समाधान निकल सकता है.

इस घोषणापत्र पर ऐसे समय में हस्ताक्षर किए गए हैं, जब इजराइल और हमास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समर्थित संघर्ष-विराम प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं, जो गाजा पट्टी में नौ महीने से जारी युद्ध को समाप्त कर सकता है और हमास द्वारा बंधक बनाए गए इजराइली नागरिकों की आजादी का रास्ता खोल सकता है. हालांकि, समझौते पर सहमति बनने के बावजूद युद्ध के बाद गाजा पट्टी की स्थिति को लेकर संशय बरकरार रहेगा, क्योंकि इजराइल इस क्षेत्र के शासन में हमास की किसी भी भूमिका के खिलाफ है. उसने गाजा को फतह-प्रभुत्व वाले फलस्तीनी प्राधिकरण द्वारा संचालित करने के अमेरिका के आह्वान को भी खारिज कर दिया है.

चीन के विदेश मंत्री वांग यी (बीच में) फतह के उपाध्यक्ष महमूद अल-अलौल और हमास के एक वरिष्ठ सदस्य. प्रेट्र

इजराइल ने समझौते को किया खारिज, कहा- कोई संयुक्त शासन नहीं होगा

सीसीटीवी' के मुताबिक, इजराइल के विदेश मंत्री इजराइल काट्ज ने मंगलवार को इस समझौते को खारिज कर दिया और कहा कि गाजा में हमास एवं फतह का कोई संयुक्त शासन नहीं होगा 'क्योंकि हमास के शासन को कुचल दिया जाएगा.' चीनी मीडिया के मुताबिक फलस्तीन के दोनों प्रतिद्वंद्वी समूहों ने 12 अन्य राजनीतिक गुटों के साथ चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की और इसके साथ ही रविवार को शुरू हुई बातचीत का समापन हुआ. बीजिंग में हालिया वार्ता के बाद जारी एक संयुक्त बयान में इस संबंध में कोई विवरण नहीं दिया गया है कि सरकार कब और कैसे बनेगी. इसमें केवल यह कहा गया है कि सरकार "गुटों के बीच सहमति से" बनाई जाएगी. हमास ने वर्ष 2007 में हिंसक संघर्ष के दौरान फलस्तीन के तत्कालीन राष्ट्रपति महमूद अब्बास के वफादार फतह लड़ाकों को गाजा पट्टी से खदेड़कर क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था.

श्रीलंकाई मंत्रिमंडल ने एक बैठक में माफी मांगने के प्रस्ताव को दी मंजूरी

कोविड-19 पीड़ितों के जबरन दाह संस्कार पर मुसलमानों से माफी मांगेगी श्रीलंका सरकार

एजेंसी। कोलंबो

श्रीलंका की सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह कोविड-19 से जान गंवाने वाले मुस्लिम व्यक्तियों के जबरन दाह संस्कार के लिए देश के मुस्लिम समुदाय से औपचारिक रूप से माफी मांगेगी. श्रीलंकाई सरकार ने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण कोरोना महामारी के दौरान विवादित शवदाह नीति लागू की थी.

वर्ष 2020 में कोविड-19 पीड़ितों के दाह संस्कार का अनिवार्य आदेश जारी किया गया था जिससे मुसलमानों सहित कई अन्य अल्पसंख्यक समुदायों को उनके धार्मिक अधिकारों से वंचित होना पड़ा था. हालांकि, बढ़ती अंतरराष्ट्रीय आलोचना के बीच फरवरी 2021 में इस आदेश को रद्द कर दिया गया था. एक कैबिनेट नोट के अनुसार, श्रीलंकाई मंत्रिमंडल ने सोमवार को एक बैठक में मार्च 2020 में थोपे गए आदेश के लिए मुस्लिम समुदाय से माफी मांगने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी. इसमें कहा गया है कि मंत्रिमंडल ने सरकार की ओर से सभी समुदायों से माफी मांगने का फैसला किया है. मंत्रिमंडल ने ऐसे विवादास्पद कदमों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कानून लाने का भी निर्णय लिया. बयान में कहा गया है कि मंत्रिमंडल ने धर्म के आधार पर शवों को दफनाने या दाह संस्कार पर एक प्रस्तावित कानून को भी मंजूरी दे दी है.

मुस्लिम समुदाय ने जबरन दाह संस्कार नीति का किया था विरोध

मुस्लिम समुदाय ने जबरन दाह संस्कार नीति का विरोध किया था और कुछ ने तो अपने प्रियजनों के शवों को अस्पताल के मुर्दाघरों में छोड़ दिया था. समुदाय के सदस्यों ने कहा था कि या तो उन्हें शव जलाने की अनुमति देने के लिए मजबूर किया गया था या उनकी जानकारी के बिना ऐसा किया गया था. इस्लाम में शव दाह वर्जित है. फरवरी 2021 में आदेश के रद्द किये जाने से पहले श्रीलंका में 276 मुस्लिमों का दाह संस्कार किया गया. श्रीलंका की सरकार ने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का हवाला देकर दफनाने की अनुमति देने की मांग का विरोध किया था.

पुंछ : घुसपैठ की कोशिश नाकाम, एक जवान घायल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सेना ने मंगलवार तड़के नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर आतंकवादी घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी. हालांकि, इस दौरान मुठभेड़ में एक सैनिक के घायल होने की खबर है. 'व्हाइट नाइट कॉर्प्स' ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "सतर्क सैनिकों ने तड़के तीन बजे बट्टल सेक्टर में घुसपैठ की फिराक में जुटे आतंकवादियों की गोलीबारी का माकूल जवाब देकर घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी."

मेडिकल छात्रों के लिए नीट को खत्म कर राज्य की अलग प्रवेश परीक्षा लेगी कर्नाटक सरकार

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार पेपर लीक मामले के बाद राज्य में मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को खत्म करने की तैयारी कर रही है. सोमवार को कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी और वे मौजूदा सत्र के दौरान दोनों सदनों में प्रस्ताव पारित करने के लिए तैयार हैं. हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर विधेयक पारित हो जाता है, तो कर्नाटक की अपनी मेडिकल प्रवेश परीक्षा होगी. इसके अलावा, कैबिनेट ने ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी (जीबीए) का भी प्रस्ताव रखा है जो वर्तमान बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका से बेंगलुरु पर वित्तीय शक्ति लेगी. बेंगलुरु के पुनर्गठन की योजना लंबे समय से लंबित थी. 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के खिलाफ एक और प्रस्ताव भी विधानसभा सत्र में पेश किया जाएगा. इससे पहले कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा था कि नीट परीक्षा उत्तर भारत के छात्रों को लाभ पहुंचा रही है. उन्होंने कहा, 'नीट परीक्षा को तुरंत खत्म किया जाना चाहिए और केंद्र सरकार को राज्यों को अपनी खुद की परीक्षा आयोजित करने की अनुमति देनी चाहिए.

दिल्ली हाईकोर्ट ने 38 पन्नों के अपने आदेश में दिल्ली पुलिस पर की सख्त टिप्पणी

राष्ट्रगान गाने को मजबूर किए गए युवक की मौत मामले की जांच सीबीआई करेगी

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को 23 वर्षीय एक युवक की मौत से संबंधित मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को स्थानांतरित कर दिया, जिसे 2020 में शहर के उत्तर पूर्वी हिस्से में हुए दंगों के दौरान कथित तौर पर पीटा गया और राष्ट्रगान गाने के लिए मजबूर किया गया था. इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ था.

फैजान की मां ने मामले की विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने के लिए याचिका दायर की थी. इस पर फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी ने कहा कि अभी तक

पहचाने नहीं गए पुलिसकर्मियों पर 'धार्मिक कट्टरता से प्रेरित' होकर मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन करने का आरोप हैं. यह तथ्य कि अपराधी स्वयं जांच एजेंसी के सदस्य हैं, भरोसा पैदा नहीं करता है. न्यायमूर्ति भंभानी ने टिप्पणी की कि पुलिस जांच के दौरान घृणा अपराधों से तत्परता से निपटने के उच्चतम न्यायालय के फैसले की भावना को पूरा नहीं किया गया है. अदालत ने कहा, 'घृणा-अपराध की घटनाओं को रोकने के बजाय वर्तमान मामले में कुछ पुलिसकर्मी याचिकाकर्ता के बेटे के खिलाफ भीड़-हिंसा में संलिप्त पाए गए हैं. इन परिस्थितियों में, यह अदालत याचिका का निस्तारण करने को सहमत है और निर्देश देती है कि मामले की जांच तत्काल कानून के तहत आगे की जांच के लिए सीबीआई, नयी दिल्ली को हस्तांतरित कर दी जाएगी.' अदालत ने अपने 38 पन्नों के आदेश में कहा कि दिल्ली पुलिस ने अब तक जो कुछ किया है, वह 'बहुत कम और बहुत देर से किया गया' है. उसकी अब तक की जांच में भी कई विसंगतियां और भटकाव है.

मादक पदार्थ मामले में एक व्यक्ति की गिरफ्तारी पर भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने

आरोपी भाजपा के शीर्ष नेताओं का करीबी : कांग्रेस

- भाजपा सरकार के लिए अपराधी, अपराधी होता है : भाजपा

एजेंसी। सूरत

गुजरात में कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सूरत में मादक पदार्थ के एक मामले में पकड़ा गया व्यक्ति राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष सी आर पाटिल समेत सत्तारूढ़ पार्टी के कई शीर्ष नेताओं का करीबी है जिसके बाद दोनों दलों के बीच राजनीतिक खींचतान शुरू हो गयी है. कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा ने कहा कि मादक पदार्थ के तस्कर की गिरफ्तारी दिखाती है कि उसकी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार में पुलिस की मादक पदार्थ के मुद्दे पर

ड्रग्स तस्करी में पकड़ा गया भाजपा नेता विकास अहीर योगी आदित्यनाथ के साथ.

बिल्कुल न बर्दाश्त करने की नीति है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी चाहे उनका कोई भी राजनीतिक संबंध हो. सूरत के पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत ने कहा कि एक खुफिया सूचना के आधार पर सूरत पुलिस ने सोमवार को शहर के सलाबतपुरा इलाके में एक होटल पर छापा मारा और तीन लोगों को पकड़ा. पुलिस ने उनके पास से 35.49 लाख रुपये की 910 ग्राम मेफेड्रोन दवा बरामद की.

सांघवी, पाटिल व योगी आदित्यनाथ के साथ की कई तस्वीरें जारी

अहीर की गिरफ्तारी के बाद सूरत के असलम साइकिलवाला सहित कई कांग्रेस नेताओं ने कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें अहीर को सांघवी, पाटिल और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ देखा जा सकता है. कांग्रेस की गुजरात इकाई ने फेसबुक पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि अहीर भाजपा का सदस्य था और उसने पूछा कि क्या वह गांधीनगर में भाजपा के प्रदेश मुख्यालय 'कमलम' में बैठे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को 'कमीशन' दिया करता था?

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव | डेमोक्रेटिक पार्टी के 2,579 'डेलीगेट' का समर्थन मिला : एपी सर्वेक्षण

कमला हैरिस की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी लगभग तय

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार बनने के लिए पर्याप्त 'डेलीगेट' (पार्टी मतदाताओं के प्रतिनिधि) का समर्थन हासिल कर लिया है. 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) के एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है. डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के सामने राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की चुनौती होगी. राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को घोषणा की कि वह राष्ट्रपति पद का आगामी चुनाव नहीं लड़ेंगे. इसके साथ ही उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के तौर पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नाम का अनुमोदन किया. बाइडन के राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रमुख नेता हैरिस के समर्थन में तत्काल हो खड़े हो गए और उनके प्रचार अभियान ने 24 घंटे में चंदा एकत्र करने का नया रिकॉर्ड बनाया. हैरिस को सोमवार रात तक कम से कम 2,579 'डेलीगेट' का समर्थन प्राप्त हो चुका था, जबकि पार्टी उम्मीदवार बनने के लिए 1,976 'डेलीगेट' की आवश्यकता होती है. एपी की यह गणना व्यक्तिगत 'डेलीगेट' के साक्षात्कारों, हैरिस को समर्थन देने की घोषणा करने वाले राज्य स्तरीय दलों के सार्वजनिक बयानों और व्यक्तिगत 'डेलीगेट' के सार्वजनिक तौर पर दिए बयानों पर आधारित है.

बाइडन कमला के लिए प्रचार करेंगे : वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने नवंबर में प्रस्तावित राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से पीछे हटने के अपने फैसले को सोमवार को 'सही कदम' करार दिया. उन्होंने कहा कि कोविड-19 संक्रमण के चलते वह अभी लोगों के बीच नहीं जा पा रहे हैं, लेकिन वह जल्द ही उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ चुनाव प्रचार करते नजर आएंगे. बाइडन ने गत रविवार को राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने की घोषणा करते हुए डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए भारतीय-अफ्रीकी मूल की कमला हैरिस (59) के नाम की सिफारिश की थी. अपनी पूर्व प्रचार टीम को फोन पर संबोधित करते हुए बाइडन ने इसके सदस्यों से उपराष्ट्रपति कमला को 'दिल से अपनाने' का आग्रह किया.

डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका को पीछे ले जाना चाहते हैं : कमला हैरिस

इस बीच, कमला हैरिस ने राष्ट्रपति पद के लिए अपने चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर तीखे हमले के साथ की. उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व राष्ट्रपति देश को पीछे ले जाना चाहते हैं. डेलावेयर के विलमिंगटन में सोमवार को अपनी प्रचार टीम को संबोधित करते हुए कमला (59) ने कहा कि ट्रंप का विवादित प्रोजेक्ट 2025 'मध्यम वर्ग को कमजोर करेगा और हमें एक बार फिर उन विफल नीतियों की ओर ले जाएगा, जिनके तहत अरबपतियों और बड़ी कंपनियों को करों में भारी छूट दी गई और कामकाजी लोगों से इसकी भरपाई करवाई गई.' कमला ने प्रचार टीम के सदस्यों से कहा कि वह 'बाइडन-हैरिस कैंपेन टीम' को बरकरार रख रही हैं.

जेडी वेंस ने कमला हैरिस पर किए तीखे हमले

रेडफोर्ड (अमेरिका)। रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वेंस ने सोमवार को अपनी शुरुआती चुनावी रैलियों में मौजूदा उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पर तीखे हमले किए. वेंस ने वर्जीनिया में कहा, 'इतिहास जो बाइडन को मैदान छोड़ने वाले व्यक्ति के साथ ही अमेरिका के इतिहास में सबसे खराब राष्ट्रपतियों में से एक के रूप में याद रखेगा, लेकिन मेरे दोस्तों, कमला हैरिस उनसे भी लाख गुना बदतर हैं और यह बात हर कोई जानता है. उन्होंने जो बाइडन की हर विफलता पर मुहर लगायी है और उन्होंने राष्ट्रपति के रूप में काम करने की उनकी (बाइडन) मानसिक क्षमता के बारे में झूठ बोला है.'

इथियोपिया में भूस्खलन में बच्चों समेत कम से कम 157 की मौत

- मलबे से पांच लोगों को जीवित निकाला गया, कई लापता

एजेंसी। अदीस अबाबा

इथियोपिया के एक दूरस्थ क्षेत्र में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 157 लोगों की मौत हो गयी. स्थानीय प्रशासक दागमावी आयेले ने बताया कि दक्षिणी इथियोपिया के केंचो शाचा गोजदी जिले में मिट्टी धंसने की घटना में मारे गए लोगों में बच्चे और गर्भवती महिलाएं शामिल हैं. गोफा जोन के संचार कार्यालय के प्रमुख कासाहुन अबेयनेह ने बताया कि इलाके में तलाश अभियान जारी रहने के कारण मृतकों की संख्या मंगलवार को बढ़कर 157 हो गयी. सोमवार रात तक 55 लोगों की मौत की सूचना थी.

गोफा जोन वह प्रशासनिक इलाका है जहां भूस्खलन हुआ है. ज्यादातर लोग सोमवार सुबह हुए भूस्खलन में दब गए. उस समय बचावकर्मी एक दिन पहले हुए एक अन्य भूस्खलन के बाद पीड़ितों की तलाश कर रहे थे. आयेले ने बताया कि मलबे से पांच लोगों को जीवित निकाला गया. गोफा में एक अन्य अधिकारी मार्कोस मेलीसे ने बताया कि अन्य लोगों को बचाने की कोशिश करते वक्त भूस्खलन की चपेट में आए लोगों में से कई लापता हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)